Haryana Vidhan Sabha

Debates

9th February, 1971 (Morning Sitting)

Vol I-No.2

OFFICIAL REPORT

CONTENTS

Tuesday, the 9th February, 1971 (Morning Sitting)

	Page
Supplementries to Starred Question No. 1109	(2)1
Starred Questions and Answers	(2)6
Point of Order	(2)18
Starred Questions and Answers (Resumption)	(2)20
Point of Order	(2)23
Written Answers to Starred Questions laid on the Table under Rule 45	(2)25
Presentation of Budget for the year 1971-72	(2)101

HARYANA VIDHAN SABHA

Tuesday, the 9th February, 1971 (Morning sitting)

The Vidhan Sabha met in the Hall of the Haryana Vidhan Sabha, Vidhan Bhavan, Chandigarh, at 9.30 a.m. of the Clock, Mr. Speaker (Brig. Ran Singh) in the Chair.

SUPPLEMENTARIES TO *STARRED QUESTION No. 1109

Mr. Speaker : Hon. Members, question hour please.

We vill start with question No. 1109 which was raised/asked by Dr. Rameshwar Dass Gupta and Chaudhri Lal Singh wanted to ask supplementary questions.

चौधरी लाल सिंह : स्पीकर साहब मैं जानना चाहता हूं कि यह जो नई शूगर मिल्ज लगने वाली है क्या वह जमींदारों की होंगी और उन में उनके हिस्से होंगे और वह जिला अम्बाला में कहां लगेंगी ?

कृषि मंत्री (श्री भजन लाल) : तीन मिलें लगाये जाने की योजना भार सरकार को भेजी है और वह कोआप्रेटिव सैक्टर में लगेंगी।

चौधरी रणबीर सिंह : मंत्री महोदय ने कल जवाब में कहा था कि उनके पास कोई शिकायत नहीं आई । क्या मैं जान

सकता हूं कि जो केसरी और बीहर के कांटों यानी परचेजिंग सैंटर है, उनके बारे में आज जो हमारे उप–मंत्री है उनकी या डाक्टर रामेश्वर दास जिन्होंने यह सवाल पूछा है की तरफ से या लोगों की तरफ से कोई शिकायत उनके पास आई थी कि उनका गन्ना वहां नही लिया जा रहा और पर्चिया ब्लैक में बेची जा रही है ?

श्री भजन लाल : लिखित रूप में कोई शिकायत नहीं मिली है । मैं बताना चाहता हूं कि उस सैंटर से मिल गन्ना ले रही है।

डाक्टर रामेश्वर दास गुप्ता : मंत्री जी ने कल फरमाया था कि लोग बोगस बौडिंग करते है। मै कहना चाहता हूं कि बौंडिंग होने से पहले जब फसल तैयार होती है तो मिल वाले उसका सर्वे करते है और इस बारे में जो कोआप्रेटिव सोसायटीज जो मिल एरिया में बनी है वह उसका सर्वे करती है । इन दोनों का सर्वे होते हुए और यह होते हुए कि अगर वह बौंड पूरा न कर सके तो 20 फीसदी पैनल्टी लगती है, मै जानना चाहता हूं कि यह बोगस बौंडिंग कैसे होती है ?

श्री भजन लाल : इसमें बोगस बौंडिंग का जिक्र नहीं है और बौंडिंग के बारे में कोई शिकायत भी नहीं है।

डाक्टर रामेश्वर दास गुप्ता : यह सवाल आपके जवाब से उठा है क्योंकि आप ने कहा था कि कुछ ओवर बौंडिंग होती है।

श्री भजन लाल : इसमें यह बात है कि मिल की कपैसिटी 60 लाख क्विंटलकीहै लेकिन लोगों ने आफर दे दी 110 लाख की । किसानों की इस में कुछ अंदाजा लगाने मे गलती हो जाती है क्योंकि खेत में जब गन्ना खड़ा है तो वह समझ लेता है कि एक एकड़ में सौ क्विंटल होगा लेकिन बाद में हो सकता है कि 60 क्विंटल ही निकले। इसके इलावा किसान भी ज्यादा बताने की कोशिश करते है ताकि उनका जल्दी से जल्दी गन्ना लिया जा सके।

श्री अध्यक्ष : इसमें असल चीज यह है कि जो बौंडिंग होती है वह कपैसिटी के मुताबिक ही होनी चाहिये और अगर उतनी ही बौंडिंग होती है जितनी कपैसिटी मिल की है तो फिर यह झगड़ा ओवर बौंडिंग का क्यों है ?

श्री भजन लाल : इसमें जनाब बात यह है कि किसान को तो मना ही नहीं कर सकते कि गन्ना कम बोओ या ना बोओ लेकिन मिल की कपैसिटी के मुताबिक ही मिल ने गन्ना पेलना है। इस दफा हमने यह फैसला किया है कि हम उनका 60 फिसदी गन्ना जरूर पेलेंगे और उसके अलावा जितना गन्ना है उसका चाहे

वह गुड़ बनाये या खाण्ड–सारी बनाएं। मिल एरिया में हमने इसकी इजाजद दे दी है।

श्री अध्यक्ष : वह तो ठीक है लेकिन उनकी बात सिर्फ इतनी है कि अगर उसकी कपैसिटी 60 लाख क्विंटल की है तो उतनी ही बौंडिंग होनी चाहिए ।

चौधरी भजन लाल : इसके बारे में अर्ज है कि 20 अक्तूबर तक किसान से सारी आफर ले लेते है।

श्री रणबीर सिंह : बौंड जो वह दो पार्टीज में होता है वह एक तरफ गन्ना देने वाले और दूसरी तरफ मिल वाले या उनके एजेंट और दोनों के दस्तखत हो जाने के बाद ही बनता है और एग्रीमैंट होता है इस सूरत में क्या मैं जान सकता हूं, जैसे मन्त्री महोदय ने कहा है कि ओवर बौंडिंग होती है, वह कैसे होती है जब एग्रीमेन्ट दोनों का हो गया होता है ?

श्री भजन लाल : एग्रीमेन्ट उतना ही होता है जितनी मिल की कपैसिटी होती है।

चौधरी रणबीर सिंह : क्या मै जान सकता हूं कि जितने गन्ने का एग्रीमेन्ट हुआ है उस एग्रीमेन्ट के बाद उसके मुताबिक जो गन्ना नहीं लिया गया क्या उसके बारे में मन्त्री महोदय के पास कोई शिकायत आई ? जैसे मैने पहले कहा कि केसरी सैंटर से यह शिकायत आई कि उनका गन्ना नहीं लिया जा रहा है तो

क्या वह शिकायत और सारे कागजात गन्ना बोर्ड के सामने पेश किये गये थे ?

श्री भजन लाल : ऐसी कोई शिकायत लिखित रूप में नहीं आई । वेसे ही लोगों को शक हो गया कि शायद उनका गन्ना नहीं लेंगे। इस बारे में वह मुझे मिले और मैने उनकी तसल्ली कर दी कि उस मिल एरिया के सैंटर से गन्ना लेंगे।

चौधरी दल सिंह : इन्होंने फरमाया है कि 110 लाख क्विंटल में से 60 लाख कश करेंगे । क्या वह बता सकते है कि उसकी कपैसिटी कितनी है ?

श्री भजन लाल : 60 लाख क्विंटल।

चौधरी दल सिंह : जब आप कहते है कि उसकी कपैसिटी ही 60 लाख की है तो बौंड 110 लाख का कैसे हो गया ?

श्री भजन लाल : वह तो उन लोगों की आफर थी। एग्रीमेन्ट उतना नही हुआ है।

चौधरी दल सिंह : जब किसान के ऊपर 20 फिसदी पैनल्टी लगती है, अगर वह पूरा गन्ना न दे सके तो जिस मिल ने पूरा गन्ना नहीं लिया और गलत एग्रीमेंट किया उस पर पैनल्टी क्यों नही लगाई गई ?

श्री भजन लाल : उन्होंने एग्रीमैंट गलत नहीं किया । मिल ने उनसे आफर ली कि कितना गन्ना उनके पास है और उन्होंने मिल को बताया कि 110 लाख क्विंटल है। मिल की पेलने की कपैसिटी 60 लाख क्विंटल की थी और उसके मुताबिक उन्होंने एग्रीमेन्ट कर लिया।

चौधरी दल सिंह : असलीयत यह है कि बौंडिंग होती है लेकिन बाद में उन लोगों से गन्ना नहीं लेते है और बाहर से ले लेते है।

श्री भजन लाल : ऐसी कोई शिकायत नहीं है।

चौधरी जय सिंह राठी : क्या वजीर साहब बतायेंगे कि हरियाणा की शूगर मिल्ज में एग्रीमेंट के मुताबिक कितनी बौंडिंग हुई है ?

श्री भजन लाल : यह सवाल मो सरस्वती शूगर मिल के बारे में है और उसकी बात हो रही है।

चौधरी जय सिंह राठी : उसका ही बता दो।

श्री भजन लाल : पिछले साल 60 लाख क्विंटल की थी लेकिन उसने 70.23 लाख क्विंटल गन्ना पेला है और 23 जून तक मिल चला है ?

चौधरी जय सिंह राठी : मैने तो एग्रीमेंट के बारे में पूछा है ?

श्री भजन लाल : 60 लाख क्विंटल का था।

डाक्टर रामेश्वर दास गुप्ता : उन्होंने फरमाया है कि उसकी कपैसिटी 60 लाख क्विंटल की है लेकिन उन्होंने यह नहीं बताया कि एक महीना में कितना कश करते है और कितने महीने मिल चलती है ?

श्री भजन लाल : पिछले साल मिल 6 नवम्बर, 1969 से 23 जून 1970 तक चली है और इस साल 6 नवम्बर, 1970 से चली है और जितनी देर चल सकती है चलायेगे ताकि ज्यादा से ज्यादा गन्ना पेला जा सकें। जून तक जो जरूर चलेगी ही।

डाक्टर रामेश्वर दास गुप्ता : मैने उसकी एक महीने की कपैसिटी भी पूछी थी ?

श्री भजन लाल : क्रशिंग सीजन के हिसाब से चलती है । यह सीजनल फैक्टरी है, बारह महीने नहीं चलती ।

चौधरी रणबीर सिंह : इसकी डेली क्रशिंग कपैसिटी होती है । अध्यक्ष महोदय, सदन में गन्ना बोने वालें की तरफ से लिखित शिकायत के बारे में सवाल पूछा गया और सदन की कार्यवाही लिखी जा रही है। क्या उप–मन्त्री महोदय चौधरी राम प्रकाश और डाक्टर साहब इस कार्यवाही में हिस्सा लेने को लिखित मानते है या नहीं ? इन्होंने अभी कहा है कि हमारे पास गन्ना बोने वालों की तरफ से कोई शिकायत नहीं आई।

मुख्य मंत्री (श्री बंसी लाल) : जो शिकायत आई थी उसको मुनासिब ढंग से डील कर लिया गया, सरकार ने गौर किया और मुनासिब फैसला किया गया था।

चौधरी रणबीर सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैं मानता हूं कि इस सवाल का जवाब जो कि लिखित रूप में आया है उसमें चीफ मिनिस्टर साहब कहते है कि हमारे पास लिखित रूप में कोई शिकायत नही आई है, अगर शिकायत आई ही नही ंतो डील कैसे कर लिया ?

श्री बंसी लाल : मै कह रहा हूं कि चाहे लिखित रूप में शिकयत आई या जबानी आई सरकार ने उस परा गौर करके ठीक ढंग से डील किया है।

चौधरी रणबीर सिंह : अध्यक्ष महोदय, जिन लोगों ने शिकायत की थी .....

श्री अध्यक्ष : आपकों चौधरी भजन लाल जी ने बताया थ कि वर्बल श्किायत आई थी उस पर ऐक्शन ले लिया गया है।

चौधरी रणबीर सिंह : इन्होंने लिखित उत्तर में कहा है कि कोई शिकायत नहीं आई ।

Shri Bansi Lal : He has a right to say that there was no written complaint. It was verbal. The hon. Member is interpreting the other way.

डाक्टर रामेश्वर दास गुप्ता : क्या मिनिस्टर साहब बतायेंगे कि जो उन्होंने बौंडिंग का जिक्र किया है क्या वह बाई–लैटरल एग्रीमेन्ट है ? अगर जमींदार ऐग्रीमेन्ट के मुताबिक गनना सप्लाई नहीं करता तो उस पर 20 फीसदी पैनल्टी लगती है। अगर मिल एग्रीमेन्ट के मुताबिक गन्ना न ले तो क्या मिल वालों पर भी पैनल्टी लगाई जाती है ?

श्री भजन लाल : जिता किसान बौंडिंग देता है उससे 15 फीसदी तक किसान को छूट होती है लेकिन 85 परसेंट गन्ना तो उसे जरूर सप्लाई करना पड़ता है अगर किसान 85 फीसदीसे कम गन्ना दे तो उस पर 20 फीसदी पैनल्टी लगाई जाती है।

डाक्टर रामेश्वर दास गुप्ता : अगर मिल एग्रीमेन्ट के मुताबिक गन्ना न ले तो क्या मिल पर भी पैनल्टी लगाई जाती है ?

श्री अध्यक्ष : इन्होंने कहा है कि 15 फीसदी तक छूट है और 85 फीसदी गन्ना ने दे तो किसान पर पैनल्टी लगती है।

चौधरी जय सिंह राठी : क्या यह काश्तकार पर ही लागू होता है या दोनों तरफ ?

श्री भजन लाल : यह पैनल्टी दोनों तरफ लागू होती है।

महंत गंगा सागर : क्या सरकार मिल वालों से किसानों को 20 फीसदी के हिसाब से कम्पेन्सेशन दिलवाएगी अगर किसान ज्यादा गन्ना सप्लाई करें ?

श्री भजन लाल : ऐसी कोई शिकायत नहीं आई ।

डाक्टर रामेश्वर दास गुप्ता : क्या मिनिस्टर साहब बताएंगे कि उन्होंने फालतू गन्ने का इस्तेमाल करके खाण्डसारी बनाने की इजाजत किसान को दी है, क्या यह इजाजत लीगल रूप से दी है ? कहीं ऐसा तो नहीं कि जिस साल प्रोडक्शन ज्यादा है उस साल इजाजत दे दी और जिस साल प्रोडक्शन कम हो उस साल न दें ?

Shri Bansi Lal : Government can put restrictions if there is less sugarcane. There is no doubt about it.

Mr. Speaker : At present the permission is there. But, if the supply of sugarcane falls short then the Government may put restrictions.

डाक्टर रामेश्वर दास गुप्ता : इससे जमींदारों को कोई फायदा नहीं है। जब जमींदार का गन्ना फालतू होता है तो इजाजत दी जाती है और जब कम होता है तो इजाजत नहीं दी जाती ।

Mr. Speaker : We come to the first question of the day. Chaudhri Ranbir Singh.

चौधरी हरि सिंह यादव : स्पीकर साहब, मेरा एक सवाल था उसका जवाब नहीं आया ?

श्री अध्यक्ष : आपके सवाल के बारे में कौरेस्पौंडैंस चल रही है इस लिये उसका जवाब अभी नहीं आया।

चौधरी रणबीर सिंह : स्पीकर साहब, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। प्वायंट आफ आर्डर क्वैश्चन आवर में उठाया नहीं जाना इसलिये मैं अब नहीं उठाऊंगा। बाद में उठाऊंगा, आप क्वैश्चन आवर के बाद मुझे इजाजत दे दें।

STARR5ED QUESTION AND ANSWERS

Amount paid to newspapers / News magazines / Periodicals for Advertisement

***1113. Chaudhri Ranbir Singh**

Shri Mangal Sain : Will the Chief Minister be pleased to state the amount, if any, paid to each of the newspaper/news magazines /periodicals for advertisement from the State Government during the year 1967-68, 1968-69, 1969-70 and up to 31st December, 1970, together with place of publication, periodicity, language and the year of first publication of each such paper ?

Chief Parliamentary Secretary (Shrimati Sharda Rani Kanwar) : The time and labour involved in collecting the

information will not be commensurate with any possible benefit to be obtained.

चौधरी रणबीर सिंह : अध्यक्ष महोदय, ऐसे ही सवाल का जवाब पहले भी दिया जा चुका है। मैं जानना चाहता हूं कि उस वक्त कैसे इस सवाल का जवाब देना लोक हित में रहा और अब कैसे अहित में हो गया ? क्या समय का फर्क है या कोई और बात है ? थोड़ी सी अवधि में पहले दिया गया जवाब कैसे बदल गया और लोक–हित से लोक–अहित में कैसे हो गया ?

मुख्य मंत्री (श्री बंसी लाल) : स्पीकर साहब, थोड़ी बहुत इत्तलाह हमारे पास है, अगर हुकम हो तो बता देते है।

Shrimati Sharda Rani Kanwar : Whatever little details I have, I can give to the House.

Name of Newspaper	Plane of publication	Periodicity	1st year of publication	Amount			
				1967-68	1968-69	1969-70	1970-71
Tribune	Chandigarh	Daily	1881	56822.14	77592.33	130921.84	12537.50
Indian Express	New Delhi	Do	1953	12809.60	11199.00	14538.17	27078.71
Patriot	New Delhi	Do	1963	5752.80	5878.00	7505.80	49858.60
Hindustan Times	Do	Do	1924	6883.92	6358.80	19798.90	34646.41
Times of India	New Delhi/ Bombay	Do	1950	7664.89	4956.66	11310.82	9598.50

Mr. Speaker : It appears, there is some difficult question...

Shri Bansi Lal : Whatever information we have, we are supplying to the House.

चौधरी रणबीर सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैं आपसे संरक्षण चाहता हूं। अर्ज है कि सरकार ने जो जवाब दिया है वह सही नहीं है। उनके पास जवाब तैयार है मगर उसे सदन की मेज पर नहीं रखा गया ।

श्री बंसी लाल : मेज पर रखना कोई जरूरी नही। हम पढ़ कर भी सुना सकते है। यह हमारा अधिकार है।

चौधरी रणबीर सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैं आपसे प्रार्थना करूंगा कि मंत्री महोदय के पास जितना जवाब तैयार है वह उसे सदन की मेज पर रख दे ताकि कल जो सदस्यगण सप्लीमेण्टरी पूछना चाहे वह कर सकें।

श्री बंसी लाल : कोई जरूरत नहीं है।

Mr. Speaker : If they want to give oral replay, they can do so. They can also put on Table of the House if it suits them.

Shri Bansi Lal : We want to tell the House orally.

चौधरी रणबीर सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैं तो यह कहता हूं कि उसी चीज को जिसके लिये ये सदन का इतना समय ले रहे है मेज पर रख दें (विघ्न) और बाकी के बारे में कह दे कि हम इक्ट्ठा कर रहे है।

श्री बंसी लाल : दूसरे मैम्बर भी बैठे है, एक ही मैम्बर नहीं है हाऊस में, स्पीकर साहब।

चौधरी रणबीर सिंह : अध्यक्ष महोदय, यह मेरा एक प्रविलेज है जिसकों मुख्य मंत्री जी दबा नहीं सकते है। ये ख्वामख्वाह कोशिश करते है। जितना मुझको ये छेड़ेगे उतना ज्यादा मैं इनकों खराब करूगा। (हंसी)

श्रीमती चन्द्रावती : आन ए प्वायंट आफ आर्डर जनाब स्पीकर साहब। मै आपके ध्यान में एक चीज लाना चाहती हूं कि चीफ पार्लियामैन्टरी सैकेटरी साहिबा ने पहले तो यह कहा कि इत्तलाह इक्ट्ठी करने में बड़ी लेबर इनवौल्वड होगी मगर जब हमने जिद्द की और चौणरी रणबीर सिंह जी ने हाऊस में खड़े होकर अपने प्रिविलेज का सवाल उठाया तो इन्होंने जवाब पड़ना शुरू कर दिया। इससे तो ऐसा लगता है कि ये सवाल का जवाब नहीं देना चाहते थे जिससे हम सप्लीमैन्टरीज से महरूम रह जाएं। इनकों तो जवाब पहले ही मेज के ऊपर रखना चाहिए था। तो मैं आपके थ्रू यह जानना चाहती हूं कि लेबर बहुत इनवौल्वड होगी

पहले यह कह कर जवाब न देना और बाद में उसी वक्त हमारे जिद्द करने पर इत्तलाह पढ़ कर सुनाना क्या कंट्राडिक्टरी बात नहीं है और क्या इस तरह से ये सारे हाऊस को मिसलीड नहीं कर रहे है ?

Mr. Speaker : Itappears to me from the answer that the written rep;ay was not ready with them. In the meantime, they got part of the information. That is why they are giving it now verbally. *(Interruptions)*

चौधरी रणबीर सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैं आपसे निवेदन कर रहा थ कि मुख्य मंत्री जी शायद इस बात को भूल जाते है कि जितनी भी इन्फर्मेशन हो उसकी एक कापी इस हाऊस की कवैन्शन्ज के मुताबिल पहले उस मैम्बर को दी जाती है जिसने सवाल किया हो ताकि वह अगर कोई सप्लीमैन्टरी करना चाहे तो कर सके। तो मेरा एक अधिकार है इस इंफर्मेशन की एक कापी के लेने का और सप्लीमैन्टरी करने का मगर इन्फर्मेशन को न दे करके उस अधिकार को रोकने की कोशिश की गई है। इसलिये मैने आपके जरिए प्रार्थना की है कि जितनी भी सूचना इनके पास है उसे यदि ये पढ़कर सुनाना चाहे तो पढ़ कर सुना दे और अगर टेबल पर रखना चाहे तो टेबल पर रख दे तथा इस प्रश्न को कल के लिये रख दें।

श्री बंसी लाल : कल के लिये क्यों रख दे ? सप्लीमैन्टरीज का जवाब हम दे रहे हैं।

Mr. Speaker : I agree with you in principle, if they have complete information with them. If they have not complete information, they can say they have only so much. But if they have to reply orally, that is also right. Yot can ask the supplementary after they have completed the reply. At the end, if the House is not satisfied you amy consider something else.

Shrimati Sharda Rani Kanwar : Hindu (published from Madras) established in 1878 –

	Rs.
1967-68	1311.20
1968-69	231.00
1969-70	2874.30
1970-71	8641.60

श्री बनारसी दास गुप्ताः अध्यक्ष, महोदय, आन ए प्वायंट आफ आर्डर। मैं एक निवेदन करना चाहता हूं। मुख्य संसदीय सचिव साहिबा कुछ इस ढंग से पढ़ रही है कि समझ में नहीं आता। वे यदि कुछ अहिस्ता आहिस्ता से पढ़े तो ज्यादा अच्छा होगा।

श्री अध्यक्षः यह प्वायंट आफ आर्डर तो नहीं हैं, बल्कि आपकी सबमिशन हैं।

श्रीमति शारदा रानी कुंवरः मैं हिन्दी में पढ़ देती हूं। अमृत बाजार पत्रिका कलकता से निकलती है। पब्लिकेशन का साल 1868 है और विभिन्न सालों में हमने इसको इस प्रकार से पैसे दिए हैं:–

सन्	रू0 पै0
1967–68	1861.40
1968–69	5143.30
1969–70	9226.62
1970–71	46101.76

स्टेट्समैन दिल्ली और कलकता से निकलता है। पब्लिकेशन का साल 1930 है।

1967–68 मे ऐडवरटाईजमैन्टस दिए गए 1913 रूपये 60 पैसे के।

1968–69 में दिए गए 15987 रूपये 60 पैसे के।

1969–70 में दिए गए 20008 रूपये 80 पैसे के और

19670–71 में दिए गए 21489 रूपये 60 पैसे के।

श्रीमति चन्द्रावतीः स्पीकर साहिब, हमने सुन लिया, बहुत अच्छा हिन्दी और इंगलिश का रीडिंग करना इनको आता है। अब

मेरी आपसे प्रार्थना है क इससे और ज्यादा पढ़वा कर सदन का समय बनबाद न किया जाए।

श्री बनारसी दास गुप्ताः स्पीकर साहिब, हम पूरी डिटेल जानना चाहे हैं और यह सदन के मैम्बर का हक है (हंसी)।

चौधरी रणबीर सिंहः मुझे खुशी है कि महामंत्री जी मदद मे आए।

Mr. Speaker: Honorable Members, we had a very good time but for the last few minutes. We are assembled here to transact business ..... (interruption) ..... I think the hon. Member is half satisfied with the answer. .....

चौधरी रणबीर सिंहः अध्यक्ष महोदय, मैंने ऐसा कभी नहीं कहा। मेरा अधिकार है कि मैं आधे घंटे या दो घंटे की डिसकशन मांगू यदि इस सवाल के ऊपर कल सप्लीमैन्टरीज पूछने की इजाजत नहीं दी गई तो मैं इनके जवाब से सैटिसफाईड नहीं हूं। ये जितनी देर मर्जी जवाब पढ़ें, मुझको कोई ऐतराज नहीं हैं।

श्री बंसी लालः जवाब पूरा आने दें, फिर जो चेयर मुनाविब समझे वैसा हो जाएगा।

Mr. Speaker: This is an August House. We are all highly responsible persons, representatives of the public, assemble in the House to transact certain business for the best interests of the people, Occasionally, of course, a little humor and lightwood is necessary. We had a bit of it. I will

quote two views for your information. Then you can decide as to what we should do?

One relevant view in 'Practice and Procedure of Parliament' reads:-

"When in reply to a question it is stated that a statement will be made on the subject on a subsequent day, the question is deemed to have been answered and cannot be postponed."

So, there is one way out for the Treasury Benches. On the other hand, for the Hon. Member, who has asked the question, the precedent says:-

"Answers to questions are given only on the floor of, the House. It is the established practice in Lok Sabha not to supply copies of answers in advance. The only exception with regard to this is that when long statements have to be laid on the table in reply to starred question, copies of the statements are made available to the members concerned, on request, half an hour before the commencement of the Question Hour."

So, here the main thing, what I can see, is the number of pages the Chief Parliamentary Secretary has to read.

श्री बंसी लालः थोड़ा सा और पढ़ लें .....

Mr. Speaker: What I am worried about is the comments that may appear about us in the press.

श्री बंसी लालः यदि कोई मैम्बर अननैसेसरी बात करें और एक बात को बार बार रिपीट करे और अननेसेसरी हाउस का टाईम लेना चाहे तो गवर्नमेंट ने जो जवाब दिया है उस पर जो सप्लीमैन्टरी पूछे गए हैं उनका भी प्रोपरली जवाब देना हमारा फर्ज है। Left it come in the press. It does not matter, but let us give a reply.

Mr. Speaker: You have the right to reply, but when thee is a long statement.....

Sh. Bansi Lal: This is not a long statement; it is only a part of the reply. So, I request that we should be allowed to reply.

चौधरी रणबीर सिंहः अध्यक्ष महोदय, अभी लोक सभा की प्रथा का जिक्र किया गया। मुझे अब मालूम नहीं है कि हम अपनी प्रथा पर चल रहे हैं या लोक सभा की प्रथा पर। कल भी मेरे सवाल का लिखित जवाब दिया गया और दस्तखत कराये गये और आज उसी प्रकार से दस्तखत कराये गये। अगर हम अपनी प्रथा पर चलते हैं तो उसके हिसाब से रोज आधा घंटा पहले लिखित जवाब यहां दे दिया जाये।

श्री अध्यक्षः उसके बारे में बात न करें। Let us not give too much time on this question.

चौधरी रणबीर सिंहः अध्यक्ष महोदय, मेरी आपसे प्रार्थना है कि इस प्रश्न का जवाब सदन की मेज पर रख दिया

जाये। दूसरे इस सवाल के लिये हाफ एन आवर या वन आवर डिस्कशन रख दी जाये या जो भी अधिनियम हो उसके अनुसार कर लिया जायें (विघ्न)।

Sh. Bansi Lal: The hon. Member has quoted the convention of the Lok Sabha.

Ch. Ranbir Singh: No, I did not, but the hon. Speaker has.

Sh. Bansi Lal: There the written answer can be given only after the Question House is over, but not before that. If there is, however, any statement to be laid on the Table of the House that is given to the Member before the House starts.

Mr. Speaker: There is no statement to be laid on the Table of the House in this case.

Sh. Bansi Lal: As the hon. Member wants to know the information, let us read the reply.

श्री बनारसी दास गुप्ता: अध्यक्ष महोदय, मेरी सबमिशन है िकइस सदन के बहुत सारे मैम्बर इस बात की रूचि रखते हैं ि कइस प्रश्न का उतर पूरी डिटेल में सुनाया जाये। यह एक इम्पार्टेन्ट सवाल है। जो भी इस प्रश्न के विषय में इन्फर्मेशन लेना चाहे वह दी जायें

Mr. Speaker: We can give five minutes for that. That, I think, will suffice.

श्री बंसी लालः जिस प्रकार से एक मैम्बर को किसी प्रशन के पूछने का हक है उसी प्रकार से गवर्नमेंट को भी हक होना चाहिए। फर्क नहीं होना चाहिए। Further, there are not only one or two members in the House. The House consists of 81 Members, mot of whom want to hear the reply.

श्रीमति चन्द्रावतीः आन ए प्वायंट आफ आर्डर, सर। जनबा पहले तो सवाल के जवाब में कहा गया है कि इनफर्मेशन इक्ट्ठा करने में काफी समय और लेबर जाया जाएगी। मैं इस विषय में आपकी रूलिंग चाहती हूं कि पहले वे एक बात करते हैं फिर दूसरी बात करते हैं। ये अपनी डिक्टैटरशिप करके इस हाउस का कीमती टाईम जाया करके पाठ पढ़ाना चाहते हैं।

Mr. Speaker: I shall give my ruling on this tomorrow.

चौधरी जय सिंह राठीः आन ए प्वायंट आफ आर्डर, सर। मैं आपकी रूलिंग चाहूंगा। जैसा कि अभी चीफ मिनिस्टर साहब ने कहा था कि जितना जवाब हमारे पास तैयार हैं वह हमें सारा पढ़ना है। आप कम से कम उनसे यह तो पूछ लें कि उनके पास कुल कितने सफे हैं, 15 हैं या 20 हैं ताकि वे उन सारे पेजों को पढ़ लें और हम इस दौरान आराम ही कर लें।

Sh. Bansi Lal: This is no Point of Order. Whatever information we have, we will give.

चौधरी रणबीर सिंहः अध्यक्ष महोदय, मुख्य मंत्री जी की सबमिशन तो मैं समझ सकता हूं लेकिन प्वायंट आफ आर्डर का भी मुख्य मंत्री जी ही जवाब दें और सवाल का जवाब भी वही दें। अगर इस तरह से जवाब चन्द्रावती जी भी देने लग जाये तो यह कोई अच्छी प्रथा नहीं पड़ रही। यह कहना कि पढ़ायेंगे, किस किस को पढ़ायेंगे ?

श्री बंसी लालः पिछली फरवरी में तो पढ़ाया था अब फिर पढ़ा दें।

चौधरी रणबीर सिंहः मैं यह बात साफ कर देना चाहता हूं। अध्यक्ष महोदय मैंने तो आज तक सैशन में कभी नहीं कहा कि आपको सबक पढ़ाना चाहता हूं।

Mr. Speaker: Now, I will just make one or two observations. She cannot continue reading the reply after the Question Hour if she is left with more pages still to read. I had given my ruling sometimes in the previous Session that the Chair cannot force an answer on a Minister. So, now I will request all of you to act on the principle of 'Give and Take' and try to go ahead with reasonable understanding maintaining full decorum of the House. I do slightly feel, of course, for the first time, that an impasse has arisen, where we may make a laughing stock of ourselves. Therefore, I request all of you to kindly re-arrange whatever you wish to do and try to go ahead with mutual understanding. This is my request and I do feel that you will pay a serious attention to

it. So, the Chief Parliamentary Secretary, may read as little as she can.

श्रीमति शारदा रानी कुंवरः नेशनल हैरल्ड, दिल्ली और लखनऊ से निकलता है। यह डेली अखबार हे। यह 1968 मे शुरू हुआ इसको 1967–68 में कोई पैसे की एडवरटाइजमेंट नहीं दी गई। 1968–69 में 7261 रूपये 85 पैस की एडवरटाइजमेंट दी गई, 1969–70 में 4590 रूपये 20 पैस की दी गई और 1970–71 में 73169 रूपये 20 पैसे की दी गई। 'लिंक' यह अखबार नई दिल्ली से वीकली निकलता है यह 1968 में आरम्भ हुआ। इसको 1967–68 में 565 रूपये 50 पैसे की एडवरटाइजमेंट दी गई। 1968–69 में 1192 रूप्ये 9 पैसे की 1969–70 में 425 रूप्ये 50 पैसे की और 1970–71 में 1142 रूप्ये की एडवरटाइजमेट दी गई। 'नेशनल स्टार' यह अखबार चण्डीगढ़ से किलता है यह वीकली अखबार है। यह सन् 1965 में निकलना आरम्भ हुआ। इसको 1967–68 में 685 रूप्ये 51 पैस की, सन् 1968–69 में 328 रूप्ये 25 पैसे की, 1969–70 में 1508 रूप्ये 48 पेसे की और 1970–71 में 1055 रूप्ये 95 पैसे एडवरटाइजमेट दी गई। 'नेशनल सोलीडेरेटी' यह अखबार नई दिल्ली से निकलता है। यह 1963 में निकलना आरम्भ हुआ। इसको 1967–68 में 510 रूप्ये 51 पैसे की, 1968–69 में 835 रूप्ये 24 पैसे की, 1969–70 में 1905 रूप्ये और 2 पैसे की, 1970–71 में 1860 रूप्ये 70 पैसे की एडवरटाइजमेट दिए गए। 'ईस्ट्रन इकोनोमिस्ट' यह दिल्ली से निकलता है और यह डेली अखबार है। यह सन् 1943 में आरम्भ हुआ। इसको 1967–68

में कोई एडवरटाइजमेट नहीं दी गई, 1968–69 में 700 रूप्ये के, 1969–70 में 638 रूप्ये 50 पैसे के और 1970–71 में कोई एडवरटाइजमेट नहीं दिया गया। 'सोशलिस्ट कांग्रेस मैन' यह अखबार दिल्ली से निकलता है और यह सन् 1961 में निकलना आरम्भ हुआ। 1967–68 में इसको 112 रूप्ये 20 पैसे के एडवरटाइजमेट दिए गये। 1968–69 में 594 रूप्ये 66 पैसे के, 1969–70 में 270 रूप्ये के और 1970–71 में कोई नहीं दिया गया। 'आल इंडिया कांग्रेस कमेटी सोवीनियर' यह नई दिल्ली से निकलता है। इसकी 1968–69 में 750 रूप्ये की एडवरटाइजमेट दी गई। 'हरियाणा यू.एन. एसोशियेशन', इसको 220 रूप्ये के 1967–68 में एडवरटाइजमेट दिये गये और 1968–69 में 277रूप्ये 50 पैसे और 1969–70 में 250 रूप्ये के दिए गए। 'आल इंडिया स्माल एंड मीडियम न्यूज एसोसियेशन' इसको केवल 1967–68 में दो सौ यप्ये के एडवरटाइजमेट दिये गये। 'आई.एन.एफ.ए. इयर बुक' नई दिल्ली से निकलती है यह आकेजनल पब्लीकेशन है। वर्ष 1967–68 में 300 रूप्ये, 1968–69 में 300 रूप्ये, 1969–70 में 255 रूप्ये तथा 1970–71 में 300 रूप्ये की इसको एडवरटाइजमेट दी गई। 'शंकर्ज वीकली' नई दिल्ली से निकलती है। यह सन् 1948 में निकलनी शुरू हुई। 1967–68 में इसको 348 रूप्ये 58 पैसे, 1968–69 में 286 रूप्ये, 1969–70 में 291 रूप्ये 24 पैसे तथा 1970–71 में 517 रूप्ये की एडवरटाइजमेट दी गई। 'मेनस्ट्रीम' जो नई दिल्ली से निकलता है। 1962 में शुरू हुआ, 1967–68 में इसको 65 रूप्ये की, 1968–69 में 614 रूप्ये 22 पैसे की,

1969–70 में 206 रूप्ये 44 पैसे तथा 1970–71 में 619 रूप्ये 90 पैसे की एडवरटाइजमेट दी गई। 'कनटपरेरी' मासिक पत्रिका नई दिल्ली से निकलती है जो 1957 में शुरू हुई इसको 1967–68 में 125 रूप्ये की, 1968–69 में 183 रूप्ये 25 पैसे की तथा 1970–71 में 484 रूप्ये की एडवरटाइजमेट दी गई। '106–आर, टैगोर एनवर्सरी बरोशर' अकैजनल है इसको वर्ष 1967–68 में 100 रूप्ये की एडवरटाइजमेट दी गई। बरोशर आन हिमाचल थियेटर जो शिमला से निकलता है और अकैजनल पब्लीकेशन है वर्ष 1967–68 में इसको 100 रूप्ये की एडवरटाइजमेट दी गई। 'टाईम्मज आफ इंडिया' जो नई दिल्ली से निकलता है और 1950 में शुरू हुआ इसको 1967–68 में 275 रूप्ये और 1970–71 में 990 रूप्ये की एडवरटाइजमेट दी गई। 'इनडस्ट्रीयल एज डाइजिस्ट' एक आकैयनल पत्रिका है। लुध्याना से प्रकाशित होती है इसको वर्ष 1967–68 में 75 रूप्ये की एडवरटाइजमेट दी गई। 'सोवीनिर आन रक्षा प्रदर्शिनी' आकेजनल है इसको वर्ष 1967–68 में 500 रूप्ये की एडवरटाइजमेट दी गई। 'सोवीनिर आन प्रैस क्लब आफ इंडिया' न्यू देहली से निकलता है, आकेजनल है। इसको वर्ष 1967–68 में 1500 रूप्ये की एडवरटाइजमेट दी गई। 'बरोशर आल इंडिया एसोसियेशन शिमला' आकेजनल है इसको वर्ष 1967–68 में 500 रूप्ये की एडवरटाइजमेट दी गई। 'आर्गेनाइजर' वीकली है यह नई दिल्ली से 1947 में प्रकाशित होना शुरू हुआ। इसको 1967–68 में 675 रूप्ये 52 पैसे की तथा 1968–69 में 448 रूप्ये 80 पैसे की एडवरटाइजमेट दी गई। 'प्लैन यूअर फैमली'

आकेजनल है इसको वर्ष 1967–68 में 300 रूप्ये की एडवरटाइजमेट दी गई। 'सोवीनिर, बी.के.डी.' आकेजनल है इसको वर्ष 1967–68 में 300 रूप्ये की एडवरटाइजमेट दी गई। 'सोवेनियर हिमाचल थियेटर, शिमला' आकेजनल है, इसको वर्ष 1967–68 में 100 रूप्ये की एडवरटाइजमेट दी गई। 'सर्वोजनीन दुर्गापूजा सोवेनिर चण्डीगढ़', आकेजनल है इसको वर्ष 1967–68, 1968–69, 1969–70 तथा 1970–71 मे 100–100 रूप्ये की एडवरटाइजमेट दी गई। 'कामैक्स इंडिया, नई दिल्ली', इसको वर्ष 1967–68 में 200 रूप्ये की एडवरटाइजमेट दी गई। 'मंथली इंडस्ट्रीयल ट्रेड डाइजैस्ट' नई दिल्ली से 1950 में निकलना शुरू हुआ, इसको वर्ष 1967–68 में 170 रूप्ये की, वर्ष 1968–69 में 610 रूप्ये की तथा वर्ष 1970–71 में 210 रूप्ये 35 पैसे की एडवरटाइजमेट दी गई। 'दैनिक हिन्दुस्तान स्टैंडर्ड', यह कलकता से निकलता है, 1937 में निकलना शुरू हुआ, इसको वर्ष 1967–68 में 601 रूप्ये, वर्ष 1968–69 में 1376 रूप्ये 10 पैसे, वर्ष 1969–70 में 2013 रूप्ये तथा वर्ष 1970–71 में 2285 रूप्ये 25 पैसे की एडवरटाइजमेट दी गई। 'देहली यूनियन आफ जर्नलिस्ट्स, नई दिल्ली' आकेजनल है, इसको वर्ष 1967–68 में 200 रूप्ये की एडवरटाइजमेट दी गई। 'देहली टैलीफोन डायरैक्टरी' देहली आकेजनल है इसको वर्ष 1967–68 में 500 रूप्ये की एडवरटाइजमेट दी गई। 'सोवनियर–फिरोज गांधी मेमोरियल', नई दिल्ली', आकेजनल है, इसको वर्ष 1967–68 में 2225 रूप्ये की तथा वर्ष 1968–69 में 800 रूप्ये की एडवरटाइजमेट दी गई। 'प्राचीन कला केन्द्र

चण्डीगढ़' आकेजनल है, इसको वर्ष 1967–68, 1968–69 तथा 1969–70 में 100–100 रूपयों की एडवरटाइजमेट दी गई।

श्री अध्यक्षः कितना और बाकी है, शारदा रानी जी ?

श्रीमति शारदा रानी कुंवरः अभी एक घंटा लगेगा सर।

श्रीमति चन्द्रावतीः प्वायंट आफ इनफर्मेशन सर, जनबा यह जो सवाल है इसका उतर अगर क्वैश्चन आवर मे खत्म न हुआ तो क्या इसको आगे पढ़ने की इजाजत दी जायेगी ? हमारा टाइम कितना कीमती है। क्या हमें सप्लीमेंटरी पूछने की इजाजत दी जाएगी ?

श्री बनारसी दास गुप्ताः अगर आप समझती हैं िकइस इनफर्मेशन देने से टाइम वेस्ट हो रहा है तो सवाल ही क्यों पूछा गया था ?

श्रीमति चन्द्रावतीः जनबा यह सवाल का जवाब देने वाले कौन होते है ?

Mr. Speaker: To ask a question is a very important right of an hon. Member. So far that a Member has asked a question and I have to decide whether or not it is admissible It is your right to ask but you are answering it unfortunately (Laughter)

Sh. Bansi Lal: They have a right to waste the time of the House and so the other party.....

Mr. Speaker: So, if the answer is read up to the time the question hour is over and if there is request I will consider it.....

Sh. Bansi Lal: Some Members have asked for details about a matter and we are giving those details.

Mr. Speaker: That we are listening and if any hon. Member makes a request, I will certainly consider whether time for asking supplementary question has to be given.

POINT OF ORDER

चौधरी रणबीर सिंहः अध्यक्ष महोदय, मैं तो बीच में नहीं बोलना चाहता था लेकिन बार बार गलत बात की जा रही है। अध्यक्ष महोदय, अगर इस सवाल का जवाब इतना लम्बा है तो आप इनसे कह सकते हैं कि इसे मेज पर रख दिया जाये मैं प्वायंट आफ आर्डर पर खड़ा हो सकता था लेकिन मैं उसे बाद में करना चाहता हूं क्योंकि यह लोक सभा में भी प्रथा नहीं है कि क्वैश्चन आवर में प्वायंट आफ आर्डर किया जाये। मैंने जो बात नहीं की वह हमारे चीफ मिनिस्टर साहब की लियाकत का पता लगता है कि कितनी हैं। लेकिन अब सवाल तो सिर्फ इतना ही है कि आया उस को टेबल पर रखा जाना चाहिये या उस का पढ़ना जारी रखा जाये ?

Mr. Speaker: If you remember, Ch. Sahib, I even asked my Secretary. I was asking if there is a Ruling of this

nature. I understand that a Ruling was given in Punjab Vidhan Sabha sometime ago, but it is not readily available to me and as it is not available to me I cannot give a firm Ruling. I wanted to consult that Ruling and they have not been able to find it. Since I am not finding that Ruling. I cannot do anything in the matter.

चौधरी जय सिंह राठीः एक सबमिशन करनी थी। जेसा आपने कहा कि हर मैम्बर को राइट हैं सवाल पूछने का और हर मिनिस्टर को हक है उसका जवाब देने का। जब हम सवाल पूछते हैं तो आप बड़े मजबूर होते हैं और हमारे टाईम को कट करते है कि 5 मिनट के बाद अगला सवाल पूछा जायेगा और जब यह जवाब देना शुरू करते हैं तो चाहे वे 15 मिनट जवाब देते रहें क्या उनके लिये टाइम की कोई सीमा भी है ? हमें आप बिल्कुल 5 मिनट के बाद कह देते है। अगला सवल लेकिन जब उनका जवाब अतात है तो आप कुछ नहीं कहते।

Mr. Speaker: The answer is very clear. As your know, even yesterday we spent abut forty minutes on one question in supplementaries. As long as I find that reasonable supplementaries are coming up, I have never put restriction on any side, on any hon. Member. But here it is an answer to your question. If it is lengthy, time for that will have to be taken by the Government. What I am trying to find out now is that if an answer is so lengthy can I force that paper to be laid on the Table of the House, which point Ch. Ranbir Singh has raised. At the moment, I have no particular precedent or ruling on this in my possession. Therefore, I am going to go

into this matte and give an answer day after. Tomorrow is a holiday. Tomorrow also I will not be able to give my ruling on the previous point of order. So, it is in my mind. I can assure you. But, I do not like this either. But this is their right. If they want to reply orally, they can do so. However, I shall go into this in detail and I can assure the hon. Members that I shall do the right thing. In fact, I have been accused at times by the Leader of the House that I give you go much time for putting supplementaries. And you say 'five minutes', which is very wrong.

Sh. Bansi Lal: Even they deliver the speeches during question hour.

Ch. Jai Singh Rathi: Point of clarification, Sir.

If I mistake not, you had quoted one rule in which you have stated that if the answer is lengthy one, that should be laid on the Table of the House. What is then the criterion to decide whether the answer is lengthy or not? That has to be decided any only then we can ask that it should be laid on the Table .....

Mr. Speaker: This is the first time that an awkward situation has arisen. I shall certainly apply my mind and go into the details and give you a very fair ruling. You can rest assured.

Sh. S.P. Jaiswal: Sir, in your reference a little earlier, you referred to consultation of your Secretary. Is that reference to the Secretary of the House or your personal Secretary?

Mr. Speaker: How does it matter?

Sh. S.P. Jaiswal: It does, Sir, because in this case the Secretary is the Secretary of the House. When you refer to a Secretary of your own, it would seem to be referring to your Personal Secretary.

Mr. Speaker: I thought, you saw whom I called?

Sh. S.P. Jaiswal: Sir, it is not a matter of seeing. I am only asking for clarification whether it is the Secretary of the House?

Mr. Speaker: He is the Secretary of the House.

STARRED QUESTION AND ANSWERS (RESUMPTION)

श्रीमति शारदा रानी कुंवरः स्पीकर साहिब, अब मैं आगे बढ़ती हूं।

Mr. Speaker: Don't you need some one to help you? (Laughter)

श्री बनारसी दास गुप्ताः अध्यक्ष महोदय, हाउस के एक आनरेबिल मैम्बर ने एक प्रश्न पूछा है और कुछ सूचना प्राप्त करनी चाही है। मैम्बर्ज की हमेशा यह शिकायत रही है कि सवलों का पूरा विवरण नहीं दिया जाता। और आज जबकि दिया जा रहा है तो मैम्बर साहिबान उस को सुनने के लिये तेयार नहीं हैं। हम तो

यह चाहते हैं कि पूरा विवरण पढ़कर सुनाया जाना चाहिए लेकिन यह लोग उसे सुनने को तैयार नहीं हैं।

श्री अध्यक्षः लेकिन आज तो अन्डर डोज हो रहा है। (हंसी)

श्रीमति शारदा रानी कुंवरः स्पीकर साहब, तो जो कुछ मैं बता रही थी उससे आगे बताती हूं। 'पंजाब मेंल' यह चंडीगढ से छपता है और वीकली है। यह 1968 में शुरू हुआ इसे 1967–68 में 1096.40 रू. की, 1968–69 में 4839.52 रू. की, 1969–70 में 2289.87 रू. की और 1970–71 में 579.00 रू. की एडवरटाइजमेट दी गई। 'इंडियन टाइम्ज' (विघ्न) जनबा, मैं यह कहना चहूंगी ि कइस सूचना को टेबल पर रखने से इसका कोई फायदा नहीं होगा क्योंकि इनको (विरोधी दल की और इशारा करते हुए) तो कुछ करना नहीं पड़ा। हमें मालूम है कि हमारे डिपार्टमैण्ट को कितनी लेबर करनी पड़ी है। अगर हम इसे पढ़कर नहीं सुनायेंगे तो इनहें पता नहीं लगेगा क्योंकि यदि इस सदन की टेबल पर रख दिया जाये तो इसे कोई नहीं पढ़ेगा।

Home Minister (Sh. K.L. Poswal): Sir, they should be grateful to us कि हमारी वजह से ये इन्फर्मेशन सुन तो रहे हैं।

चौधरी जय सिंह राठीः काम भी तो इन्होंने खुद ही चुन कर लिया है। मेहनत तो करनी ही पड़ेगी।

श्रीमति शारदा रानी कुंवरः 'इंडियन टाइम्ज' के बारे में बताने लगी थी। यह वीकली है और नई दिल्ली से 1929 में शुरू हुआ है। 1967–68 में इसे साप्ताहिक पत्र को 180 रू. की व 1968–69 में 878.52 रू. की एडवरटाइजमेट दी गई। 'आयल एन्ड कोल न्यूज' वीकली है और नई दिल्ली से छपता है। इसे 1967–68 में 500 रू की एडवरटाइजमेट दी गई। 'ड्रामा फैस्टीवल ब्रोशर' नई दिल्ली से औक्यनल निकलता है और इस 1967–68 तथा 1968–69 में हर साल 175 रू. की एडवरटाइजमेट दी गई। 'इंडस्ट्रियल एनवाय' फोर्टनाईटली 1967 में नई दिल्ली से शुरू हुआ, इसे 1967–68 में 500 रूप्ये की और 1969–70 में 350 रू. की एडवरटाइजमेट दी गई। 'स्वोर्ड आर्म' चंडीगढ से निकलता है, यह वीकली है और इसे 1968–69 में 98.23 रू. की एडवरटाइजमेट दी गई। 'थाट' वीकली है और नई दिल्ली से 1949 में निकलना शुरू हुआ। इसे 1968–69 में 317.60 रूप्ये की एडवरटाइजमेट दी गयी। 'पेरैन्टस एंड चिलड्रन्र्ज' न्यू दिल्ली से निकलता है। यह क्वार्टरली है। इसे 1968–69 में 110 रू. की और 1969–70 में 170 रूप्ये की एडवरटाइजमेट दी गई। 'टूरिजम ट्रेड आफ इंडिया' बम्बई से निकलता है। यह क्वार्टरली है। यह 1966 में आरम्भ हुआ है। इसे 75 रूप्ये की 1968–69 में और 200 रूप्ये की 1970–71 मे एडवरटाइजमेट दी गई। 'सी इंडिया' न्यू दिल्ली से आक्यनली निकलात है। इसको 1968–69 में 100 रूप्ये की एडवट डिजमैंटस दी गई। 'ट्रेवलर इन इंडिया' न्यू दिल्ली से निकलता है। यह पहले 1959 में निकला फिर 1964 में निकला। इसकों 85 रूप्ये की

1968–69 में 270 रू० की एडवटाईजमेंट दी गयी। 'रोमान्स आफ हाकी'' अम्बाला कैंट से निकलता है। ओक्यनली है। इसे 1968–69 में 125 रूप्ये की एडर्टाइजमेंट दी गयी। ''ब्रोषर एक कदम और' चंडीगढ़ से निकलता है। इसे 1968–69 में 100 रूपये की एडवरटाइजमेट दी गयी। 'महाराणा रणजीत सिंह' नई दिल्ली से निकलता है। ओक्यनल हैं इसे 1968–69 में 350 रूपये की एडवरटाइजमेट दी गयी है। 'ट्रैवल टाइम्ज' न्यू दिल्ली से मान्थली निकलता है। यह 1968 में शुरू हुआ। इसे 100 रू० की 1968–69 में एडवरटाइजमेट दी गयी। 'पीपल लखनऊ' लखनऊ से ही वीकली निकलता है। 1924 में आरम्भ हुआ। 1968–69 में इसकों 250 रू० की एडवरटाइजमेट दी गयी। '21स्ट ईयर आफ फ्रीडम ब्रौशर, ए.आई.सी.सी. नई दिल्ली से ओक्यीलनी निकलात हैं इसे 1968–69 में 500 रू० की एडवरटाइजमेट दी गयी। 'सावेबेनयेर इन ऐड आफ साकेट होम, चंडीमन्दिर' चंडीमन्दिर से निकलता है। हे। ओक्यीनल है 1968–69 में इसे 100रू० एडवरटाइजमेट दी गयी है। 'ब्रोशर आफ फाक सौगज रणचल ललित कला एकादमी' चंडीगढ से ओक्यीनली निकलता है। इसे 1968–69 में 100 रू० की एडवरटाइजमेट दी गयी। 'ब्लीटसज' बम्बई से वीकली निकलता है। 1968–69 में इसे 300 रू० की एडवरटाइजमेट दी गयी है। 'गैस एण्ड आयल मैगनीज' नई दिल्ली से मन्थली निकलता है। पहले 1964 में फिर 1968 में निकलना शुरू हुआ। 1968–69 में इसे 125 रू० की एडवरटाइजमेट दी गयी। 'ब्रोशर इंडियन रिवाइवल ग्रुप' चंडीगढ से ओक्यीनली निकलता है। 1968–69 में

इसे 50 रू० की एडवडिजमेंटस दी गयी। 'इंडियन औल्लम्पिक एसोसियेश्न' नई दिल्ली से ओक्यीनली निकलता है। 1968–69 में इसे 600 रू० की एडवरटाइजमेट दी गयी। 'इन्डीपैन्डैन्स डे सोवेनेयर' दिल्ली से ओक्यीनली निकलता है। इसे 1968–69 में 125 रू० की एडवरटाइजमेट दी गयी। 'ब्रोशर आन टैगोर थियेटर' चंडीगढ से ओक्यीनली निकलता है। इसे 1968–69 में 100 रू० की एडवरटाइजमेट दी गयी। 'यूनिसर्वल ब्रदरहुड, दिल्ली से ओक्यीनल निकलता है। 1968–69 में इसे 225 रू० की एडवरटाइजमेट दी गयी। 'दल समाचार–ए.आई.सी.' नई दिल्ली से मन्थली निकलता है। यह 1947 से निकल रहा है। 1968–69 में इसे 260 रू० की एडवरटाइजमेट दी गयी। 'नटराज एकेडमी' चंडीगढ़ से ओक्यीनली निकलता है। इसे 1968–69 में 160 रू० की एडवरटाइजमेट दी गयी। 'स्पोकसमेन' नई दिल्ली से 1951 से वीकली निकल रहा है। इसे 1968–69 में 393.20 रू० और 1969–70 में 1,014ण्14 रू० की एडवरटाइजमेट के दिये गये। 'नैशलन होमेज कम मैनजैट डयरी रिव्यू' न्यू दिल्ली से ओक्यीनली निकलता है। इसे 1968–69 में 150 रू० की एडवरटाइजमेट के दिये गये । 'इंडियन एडमिनिस्ट्रेटर' नई दिल्ली से निकलता है। 1968–69 में इसे 450 रू० की एडवरटाइजमेट दी गयी। 'एपी ट्रेड' नयी दिल्ली से मन्थली निकलता है। यह 1968 से निकल रहा है। 1968–69 में इसे 2150 रू० की 1969–70 में 375 रू० की एडवरटाइजमेट दी गयी। 'चित्र कला संगम' नई दिल्ली से ओक्यीनली निकलता है। 1968–69 मं इसे 250 रू० की

एडवरटाइजमेट दी गयी। 'पंजाब हरियाणा एफ.पी.ब्रोशर' चंडीगढ़ से ओक्यीनली निकलता है। 1968–69 में इसे 100 रू० की एडवरटाइजमेट दी गयी। 'सोवेनयर आन सोवा निकेतन' नई दिल्ली से औक्यीनली निकलता है। इसे 1968–69 में 300 रू० की एडवरटाइजमेट दी गयी।

Mr. Speaker: Qurdyion hour is over.

श्री बनारसी दास गुप्ताः स्पीकर साहिब, मेरी एक प्रार्थना है.....

श्री अध्यक्षः अभी आप ठहर जाइए। चौधरी रणबीर सिंह जी खड़े है। वे कुछ कहना चाहते है।

POINT OF ORDER

चौधरी रणबीर सिंहः अध्यक्ष माहेदय जैसा मैने बीच में कहा था कि लोक सभा में एक बहुत अच्दी प्रथा कि प्रश्न के घंटे में कोई प्वायंट आफ आर्डर रें नही कर सकता इसी लिये मैने बीच में प्यावंट आफ आर्डर रेज नही किया। अध्यक्ष महोदय, मै आपसे यह जानना चाहता हूं कि क्या कोई मंत्री या मुख्य मंत्री सवाल के जवाब को बदल कसते है और अगर बदलते है तो कौन या जवाब उनका ठीक जवा माना जाये?

दूसरे क्या इस सदन की यह प्रथा है कि जिस सवाल का जवाब वे न दे ंतो इस पर मंत्री मंडल हंसने लग जाये और

क्या वह हंसी ही उस सवाल का जवाब समझा जाये। मै इसके बारे में आपका आदेश चाहता हूं।

Mr. Speaker: I shall give my ruling day after, If it is not possible, then that day on the next day.

श्री बनारासी दास गुप्ताः स्पीकर साहब, इस प्रश्न के द्वारा जो सूचना दी जा रही है। वह बहुत महत्वपूर्ण है और मेरी प्रार्थना है कि अगले प्रश्नों के घंटे में इसको जारी रखा रखा जाए, क्योंकि कोई आवश्कता पत्र ऐसे है जिनकों विज्ञापन दिए गए हैं हम सप्लीमेंट्री करने का मौका दिया जाए और इसे जारी रखा जाए।

Mr. Speaker: I shall give a ruling on this also. But the only thing tat I may consider is whether supplementaries can be put on thos or not.

श्री बनारसी दास गुप्ताः हमें सप्लीमेंटरी करने का भी मौका ही नही मिला।

मुख्य मंत्री (श्री बंसी लाल): बजट पेश होने जा रहा है। आज खान साहब नई अचकन पहनकर आये है तो उन्हे यह डर लगर रहा कि कही बहन जी उस पर टैक्स न लगा दे।

उद्योग मंत्री (श्रीमती ओम प्रभा जैन): मै उसका मौका नही दूंगी।

श्री अध्यक्षः चौधरी साहब (चौधरी रणबीज सिंह को सम्बोधित करते हुए आप कुछ कहना चाहते थे)

चौधरी रणबीर सिंहः अध्यक्ष महोदय आपने देखा कि सवाल का जवाब खत्म नही हुआ और हमारी कांग्रेस के महामंत्री ने यह कहा कि इसकों अगले सवाल के घंटे में जारी रख जाये। मुझे इसमें कोई एतराज नही है। मेरी आप से प्रार्थना है कि हमें सप्लीमैंटरी करने की इजाजत होनी चाहिये। इस सिलसिले में मै आपका आदेश चाहता हूं।

श्री अध्यक्षः जैसा मैने कहा कि मै इसके बारे में सोचूंगा। एक सप्लीमैंटरी हो चुकी है। जिसके जवाब में यह पढा गया है। मै इसे बारमें आपकी रूलिंग दूंगा।

श्री दया कृष्णः स्पीकर साहब मेरी गुजारिश यह है कि आनरेबल मैम्बर्ज को हाउस के टाईम का ख्याल रखना चाहिये उन्हें एक प्रश्न पर ही स्टिक नही होना चाहिए। सरकार को चाहिये कि अगर किसी सवाल का जवाब लम्बा है तो वह उसे छोआ करके बताये।

चौधरी रणबीर सिंहः अध्यक्ष महोदय, मेरा एक पर्सनल एक्सपलेनेशन है।

अध्यक्ष महोदयः पर्सनल एक्सपलेनेशन किस बारे में है?

चौधरी रणबीर सिंहः माननीय सदस्य ने जैसा कहा कि सदस्यों को सदन के समय का ध्यान रखना चाहिये। तो मरेा कहना यह है कि सवाल का जवाब लिख कर सभा पटल पर रख दिया जाये और उस पर सप्लीमेंटरी करने का मौका दिया जाये। मुख्य मंत्री से अगर माननीय सदस्य की कोई रिसा है। तो वह उनकों मना ले।

WRITTEN ANSWERS TO STARRED QUESTIONS LAID ON THE TABLE UNDER RULE 45

Advocates engaged by the Government

*1104 Shrimati Chandravati: Will the Chief Minister be pleased to State—

(a) The number, names and addressed of private adocates engaged by the Government for Government litigation in all the courts (including Hight Court) during the years 1969-70 and 1970-71 todate together with the total amount of fee given by the Government in each such case and to each such advocate separately, during the said peried; and

(b) The Total expenditure incurred on the officer working against the post of Advocate-General, during the years 1969-70 and 1970-71 to date together with the details of expenditure incurred on each of the said officers separately during the said period?

Chief Minister (Shri Bansi Lal): (a) and (b) The time and labour involved in collecting the information will not be commensurate with any possible benefit to be achieved.

Distribution of the National Herald

*1135 Sh. Mangal Sein: Will the Chief Minister be pleased to state whether it is fact that since 1st March, 1970, the Government have got distributed the daily National Herald in the Government offices through the Public Relations Department; if so, the number of copies there of together with the names of departments in which these were distributed?

Chief Minister (Sh. Bansi Lal): Special supplements were brought out by the National Herald on Haryana on 21st May, 1970 6the Octorber, 1970 and 1st November, 1970. 8,000, 5,000 and 5,000 copies, respectivel, were purchased by the department of public relations and distributed to Governemnt officers and members of the public for their information.

Setting up of Ne Big Industries in the state

*1075. Sh. Daya Krishan: Will the Minister for Industries be pleased to state—

(a) Whether there is any proposal under consideration of the Government to set up any big industry in the state in the near future; if so, details there of ;

(b) Wheter any iron plant has ben established near Hissar;

(C) If so, they yearly produce therof; and

(d) The details of facilites, if any, proposed to be provided by the Government to people desirour of setting up new big industries in the state?

Industries Minister (Khan Abdul Ghaffar Kahn): (a) Yes. The following units are proposed to be setup by the state Government through the Haryana state industrial Development corporation (a) state Government undertaking:—

(a) Brewary.

(2) Glass bottles.

(3) Tannery.

b) No.

(c) Question does not arise.

(d) Details are laid on the Table of the house as Annexure “A”

ANNEXURE-A

Details of facilities which are available to arsons desirous of setting up big Industries in the State Haryana

(i) Help in searing Letter of inter/industrial license from the Government of India or registration with the Director General of Technical Development-Under industries (Development and Regulation) Act all industries with an investment

Over Rs. 7.5 lakhs in plant and machinery have to get themselves registered with the Director General, Technical Development, or obtain and industrial license from the Government of India. Recently Government of India liberalized the licensing policy to the extent the industries having an investment up to Rs. 1 crore need not secure a license. However in view of the conditions imposed regarding imported machinery and raw materials there are only few industries which qualify for complete exemption granted there under. The director of industries after examine the viability of the scheme recommends the applications to the Government of India which are considered by te licensing committee. Each application is considered on its own merits taking into consideration already existing capacity, unutilized capacity, future demand, etc. The state government while recommending the applications to the government of India gives its own views regarding the scope and other relevant factors.

(ii) Acquisition land allotment of developed plot of land on Installment basis— Medium or large scale units require suitable land for their immediate requirements and for future expansion. Where land has been developed, plots are made available by the town an country planning department and the price of land is required outside the industrial areas it is acquired by the state Government for the private parties.

(iii) Underwriting participation in share capital-To facilitate capital formation by new ventures, Government, through the Haryana state industrial development corporation, under writes/participates in share capital of worth while private industrial ventures.

(v) Loan from the Haryana financial corporation-Loan up to Rs. 20 lakhs cn be given by the Haryana financial corporation to public limited companies and cooperative societies. These are, however limited to Rs. 10 lakhs case of private limited companies and others.

In almost half of the state covering districts of Mohindergarh, Hissar and Jind and Tehsils of Rewr, Kalak and Naranigarh and sub-tehsils Nahar, the Haryana financial corporations is giving loans on liberalized basis at 6 per cent interest against the normal rate of 8 to 9 per cent of interests.

(v) Guarantee for the machinery on deferred payment by Haryana financial corporation-In case of indigenous machinery, Haryana financial corporation extends guarantee for purchase for machinery on deferred payment by industrial ventures. This is limited to Rs. 5 Lakhs for private limited companies and others and Rs. 10 lakhs for public limited companies.

(vi) Subsidizing cost of feasibility study.-In case of new ventures where unexplored fields are to covered, Government provides subsidy up to 50 per cent of the cost of feasibility study undertaken depending on the merits of each case. If as result of the feasibility study, the Project is implemented, the amount advanced as subsidy is treated as share capital in the new ventures.

Besides the above facilities, certain far reaching concessions regarding exemption from Octopi, Inter State sales tax, electricity Duty are available on granted basis as under:-

1. Electricity Duty:

New units established in the Haryana state on the following pattern are exempted from payment of electricity duty for the period and the limits o capital investment made against each:

Sr. No.	Area	Period of exemption from the date of production	Limited of capital investment up to which exemption granted
1.	Faridabad and Ballabgarh Belt	3 years	Small scale industries, investment in plant and machinery up to Rs. 7 ½ lakhs.
2.	Backward Areas	7 years	Up to capital investment of Rs. 1 crore.
3.	Areas other then (1) and (2) 5 years above	5 years	Up to capital investment of Rs. 50 Lakhs.

For purposes of (2) above the backward areas would include distict Moindergarh, district Jind, Tehsil Rewari of district Gurgaon, Tehsil Bhiwani of district Hissar, Tehsil

Naraingarh and Tehsil Kalka of district Ambala and sub-Tehsil Nagar of Tehsil Jhajjar od District Rohtak.

2. Inter State sales tax:

Inter-state sales tax payable by new units would be treated a sincerest free loan and this concession would be available from the date of production in the following manner:-

(i) The Faridabad and Ballabgarh belt.-Only for small scale industries for a period of three years from the commencement of such production.

(ii) In "Backward" arras (as defined earlier).-for industries up to capital investment of Rs. 1 crore for a period of 7 years, from the commencement of production.

(iii) For the rest of the state.-For areas other than (i) and (ii) above for industries up to a capital investment of Rs. 50 lakhs for a period of 5 years from the commencement of production

The amount of inter-state sale tax involved in any particular year would be recoverable after a period of 5 years and would be payable in a further period of 5 years on 10 equal six monthly installments. This will, however, be subject to limitation that the total amount to be treated as interest-free loan in this manner in any particular year, will not exceed 8 per cent of the capital investment.

WRITTEN ANSWERS TO STARRED QUESTIONS LAID ON THE TABLE (2)29 UNDER RULE 45

3. Octroj:

(i) All industrial units which fall outside the municipal limits at the time of their establishment would be exempted from levy of Octroi for a period of 5 years from the date of their going into production.

(ii) Eligible industrial units located in the municipal limits would be totally exempted from Octroi on capital equipment and building material. These units would also be exempted from octroi on raw material for a period of 3 years. These exemptions whold be admissible for small scale unites (investment in plant and machinery up to Rs. 7.50 lakhs) in Faridabad-Ballabagarh complex, for units with capital investment up to Rs. 1 Crore in the backward areas, and for units with a capital investment up to Rs. 50 lakhs in th rest of the state.

4. Property Tax:

New units will be exempted from property tax for a period of 5 years.

Promotion of police inspectors.

*__1150 Sh. Randhir singh:__ Will the Minister for home be pleased to state the told number of inspectors of police promoted as D.S.P.s in the state during the year 1970?

Home Minister (Sh. K.L. Poswal): Five

Release of advertisements by Departments.

***1114. Ch. Ranbir singh:** Will the Chief Minister be pleased to state—

(a) Whether it is a fact that different departments of State are releasing advertisements, etc, separately at present; and

(b) If so, whether the Government has any proposal under consideration to pool, co-ordinate and control the release of advertise as state level, if not, the reasons therefore?

Chief Minister (Sh. Bansi Lal): (a) No.

(b) does not arise.

Electricity power being received by the Government in state

***1110. Shrimat Chandravati:** Will the Minister for irrigation and power be pleased to state—

(a) The quantum of electricity power being received by the Haryana state from the power houses installed in Haryana, Punjab, Himachal Pradesh and Delhi, separately, together with the total quantum of electricity in megawatts being generated by the said power houses in all as well as individually;

(b) The quantum of electricity power consumed in the urban areas of the state, Tehsil wise for domestic and industrial purposes separately, during the years 1969-70 an d1970-71.

(c) The quantum of electricity power supplied to the rural areas of the state, Tehsil wise for domestic purposes, such as tube wells, during the period referred to in part (b) above; and

(d) The total expenditure incurred on the maintenance staff and administrative staff, separately, of the Haryana state electricity board during the years 1969-70 and 1970-71?

Irrigation and power Minister (Sh. Ram Dhari Daur): (a), (b), (c) and (d) A statement containing the requisite information is given below.

STATEMENT

(a):

	Power	**Total Installed capacity (Megawatts)**	**Haryana's share (Megawatts)**
1.	Under Bhakra Complex		
	(i) Bhakra Left Bank	450.00	153 MW out of a peaking capacity of 745 MW of the entire Bhakra complex
	(ii) Bhakra Right bank	600.00	
	(iii) Ganguwal		
	(iv) Kotla	77.25	
	Total	1,204.50	

WRITTEN ANSWERS TO STARRED QUESTIONS LAID ON THE TABLE (2)31 UNDER RULE 45

	Power Stateion	Total installed capacity (Megawatts)	Haryaan's share (Megawatts)
II.	**Under DESU:**		
	I.P Station, Delhi	187.5	62.5
III.	**Under H.S.E.B:**		
	(i) Faridabad Thermal	15.00	15.00
	(ii) Surajpur	6.08	6.08
	(iii) Yamunanagar	0.55	0.55
	(iv) Ambala Diesel	2.48	2.448
	(v) Faridabad Diesel	2.03	
	Grand Total	1,419.098	242.598

(b) and (c) The electricity system in the state is such that is not possible to work out the Tehsil wise consumption of electrify separately for urban and rural areas

(d): 1969-70 1970-71

	(Revised) (Rs.) Estimates (Rs.)
(i) Establishment charges on maintenance and operation	27701502 33954600
(ii) Establishment charges on General administration	16210885 17033900

New Capital for Haryana

***1141. Sh. Daya Krishan:** Will the Chief Minister be pleased to state—

(a) Whether there is any proposal under consideration of the Government to build a Capital for Haryana ; and

(b) If so, at what place and within what time and capital is likely to be build?

Chief Minister (Sh. Bansi Lal): (a) No.

(b)Question does not arise.

New Schools and Colleges opened in Kalanaur Constituency

***1151. Sh. Randhir Singh:** Will the Minister for education be pleased to state the total number of schools and colleges opened in the Kalanaur Assembly constituency, district Rohtak, during the period from August, 1970 to January, 1971?

Education Minister (Ch. Maru singh Malik): None.

Publication of news papers/News Magazines/Periodicals from each District

***1115 Ch. Ranbir singh:** Will the Chief Minister be pleased to state—

(a) The number and names of the News papers/News Magazines/Periodicals being published from each district in the state as on on 1st November, 1966, 30th September, 1970 and to-date; and

(b) The names of the owner/Editor, place of publication, the year of their first publication, language and the periodicity of such news papers/News Magazines and periodicals?

Home Minister (Sh. K.L. Poswal): (a) and (b) the requisite information is contained in statements as Annexures 'a', 'B', and 'C' which are laid on the Table of the House.

WRITTEN ANSWERS TO STARRED QUESTIONS LAID ON THE TABLE (2)29 UNDER RULE 45

3. Octroj:

(i) All industrial units which fall outside the municipal limits at the time of their establishment would be exempted from levy of Octroi for a period of 5 years from the date of their going into production.

(ii) Eligible industrial units located in the municipal limits would be totally exempted from Octroi on capital equipment and building material. These units would also be exempted from octroi on raw material for a period of 3 years. These exemptions whold be admissible for small scale unites (investment in plant and machinery up to Rs. 7.50 lakhs) in Faridabad-Ballabagarh complex, for units with capital investment up to Rs. 1 Crore in the backward areas, and for units with a capital investment up to Rs. 50 lakhs in th rest of the state.

4. Property Tax:

New units will be exempted from property tax for a period of 5 years.

Promotion of police inspectors.

*__1150 Sh. Randhir singh:__ Will the Minister for home be pleased to state the told number of inspectors of police promoted as D.S.P.s in the state during the year 1970?

Home Minister (Sh. K.L. Poswal): Five

Release of advertisements by Departments.

***1114. Ch. Ranbir singh:** Will the Chief Minister be pleased to state—

(a) Whether it is a fact that different departments of State are releasing advertisements, etc, separately at present; and

(b) If so, whether the Government has any proposal under consideration to pool, co-ordinate and control the release of advertise as state level, if not, the reasons therefore?

Chief Minister (Sh. Bansi Lal): (a) No.

(b) does not arise.

Electricity power being received by the Government in state

***1110. Shrimat Chandravati:** Will the Minister for irrigation and power be pleased to state—

(a) The quantum of electricity power being received by the Haryana state from the power houses installed in Haryana, Punjab, Himachal Pradesh and Delhi, separately, together with the total quantum of electricity in megawatts being generated by the said power houses in all as well as individually;

(b) The quantum of electricity power consumed in the urban areas of the state, Tehsil wise for domestic and

industrial purposes separately, during the years 1969-70 an d1970-71.

(c) The quantum of electricity power supplied to the rural areas of the state, Tehsil wise for domestic purposes, such as tube wells, during the period referred to in part (b) above; and

(d) The total expenditure incurred on the maintenance staff and administrative staff, separately, of the Haryana state electricity board during the years 1969-70 and 1970-71?

Irrigation and power Minister (Sh. Ram Dhari Daur): (a), (b), (c) and (d) A statement containing the requisite information is given below.

STATEMENT

(a)

	Power	Total Installed capacity (Megawatts)	Haryana's share (Megawatts)
1.	Under Bhakra Complex		
	(i) Bhakra Left Bank	450.00	153 MW out of a peaking capacity of 745 MW of the
	(ii) Bhakra Right bank	600.00	
	(iii) Ganguwal		

	(iv) Kotla	77.25	entire Bhakra complex
	Total	1,204.50	

(b) and (c) The electricity system in the state is such that is not possible to work out the Tehsil wise consumption of electrify separately for urban and rural areas

(d):	1969-70 (Revised) (Rs.)	1970-71 Estimates (Rs.)
(i) Establishment charges on maintenance and operation	27701502	33954600
(ii) Establishment charges on General administration	16210885	17033900

New Capital for Haryana

***1141. Sh. Daya Krishan:** Will the Chief Minister be pleased to state—

(a) Whether there is any proposal under consideration of the Government to build a Capital for Haryana ; and

(b) If so, at what place and within what time and capital is likely to be build?

Chief Minister (Sh. Bansi Lal): (a) No.

(b) Question does not arise.

New Schools and Colleges opened in Kalanaur Constituency

***1151. Sh. Randhir Singh:** Will the Minister for education be pleased to state the total number of schools and colleges opened in the Kalanaur Assembly constituency, district Rohtak, during the period from August, 1970 to January, 1971?

Education Minister (Ch. Maru singh Malik): None.

Publication of news papers/News Magazines/Periodicals from each District

***1115 Ch. Ranbir singh:** Will the Chief Minister be pleased to state—

(a) The number and names of the News papers/News Magazines/Periodicals being published from each district in the state as on on 1st November, 1966, 30th September, 1970 and to-date; and

(b) The names of the owner/Editor, place of publication, the year of their first publication, language and the periodicity of such news papers/News Magazines and periodicals?

ANNEXURE 'A'

Statement of Newspapers/New Magazines/Periodicals published from each district in the State as it stood on 1st November, 1966

Sr. No.	Title	Name of Owner/Editor	Place of publication	Year of first publication	Language	Periodicity
1	2	3	4	5	6	7
1.	Arman-e. Haryana	Nanak chand Arman	Ambala City	1966	Urdu	Weekly
2.	Atmanand	Principal, S.A. Jain, College Ambala city/Prof. S.N. Jangid	Ambala City	1951	English/ Hindi/Punjabi/Urdu/Sanskrit	Bi-annual
3.	Awaz-E-Hind	Om Parkash Mailk	Ambala Cantt	1964	Urdu	Weekly

4.	Aggarwal Metal Report	Om Parkash Garg	Jagadhri	1957	English/Urdu	Quarterly
5.	Ambala Times	Hira nane Sharma	Ambala city	1965	Urdu	Weekly
6.	Bal Isht	K.K. Sharma/nand Lal Sharma	Ambala Cantt	1965	English/ Hindi/Punjabi	Quarterly
7.	Bhushan's Word Trade Enquiries	Brij Bhushan Lal	Jagadhri	1961	English	Bi-monthly
8.	Brahanman Sikh Samachar	Brahaman Sikh committee/Balwant Singh	Ambala City	1963	Punjabi	Monthly
9.	Chamatka	Kh. S.G.N. Hr. Secondary School, Yamunanagar/Narinder Singh	Yamunanagar	1963	English/ Hindi/Punjabi	Three times in a year
10.	Chhatar Bani					

11.	College Magazine of Hindu Girls College, jagadhri	Hindu Girls College, Jagadhri/Rita Chaudhr	Jagadhri	1953	English/ Hindi/Punjabi	Annual
12.	Competition Master	Om Parkash Khanna and Shaki Kumar Khanna/O.P. Khanna	Ambala City	1959	English	Monthly
13.	Constitutional Reviews	All India constitutional Society/Amar singh Girdhar	Ambala City	1966	English	Monthly
14.	Competitor	S.R. Rai Garg/Balwant	Ambala Cantt	1965	English	Monthly
15.	Chandrika	M.L.N. Hr. Secondery School, Yamunanagar/Chman Lal Batra	Yamunanagar	1957	English/ Hindi/Punjabi	Quarterly
16.	D.A.V. College for Girls Magazine	D.A.V. College for Girls, Yamunanagar/Miss	Yamunanagar	1960	English/ Hindi/Pu	Quarterly

		Kaurala Nair			njabi	
17.	Duniya Na mane	Sham Lal Azad/Surjit Singh	Ambala Cantt	1965	Urdu	Weekly
18.	Desh Ke rakhe	Inder Singh	Ambala Cantt	1966	Urdu	Weekly
19.	Eagle	Central School No. 2, Ambala Cantt/B.M. Datt	Ambala Cantt	1966	English/ Hindi	Annual
20.	Geeta Updes	Shri Geeta Satsang Bhawan, Ambala City/Kidar Nath	Ambala City	1963	Hindi	Weekly
21.	Gandhi Path	Principal, G.M.N. College, Ambala Cantt/Om parkash Kahol	Ambala Cantt	1965	English/ Hindi/Punjabi/Sanskrit	Annual
22.	Gur Sandesh	Giani kartar Singh	Yamunanagar	1961	Punjabi	Monthly

23.	Haryana Sikh Samachar	Kartar Singh Takkar	Ambala Cantt	1947	Punjabi	Quarterly
24.	Intelligent Student	C.B. High School, Ambala Cantt/P.C. Bhatia	Ambala City	1966	English/ Hindi/Punjabi	Weekly
25.	Jagadhri Times	Om Parkash Bhatia	Jagadhri	1964	Urdu	Fortnightly
26.	Khari Khari	Ishwar Parkash/Pannal lal	Ambala Cantt	1950	Urdu	Weekly
27.	Licentiate	The Licentiage Board/Agastiya Muni Deva	Ambala Cantt	1966	English	Monthly
28.	Mehnat Kash	Om Parash Bhatia	Yamunanagar	1966	Urdu	Weekly
29.	Mano Bhoomi	Central Schools No. 5 Ambala Cantt./R.L. Gupta	Ambala Cantt	1964	English/ Hindi	Bi-Annual

30.	M.L.N. College Magazine	M.L.N. College Trust/Prof. S. Mailk	Yamunanagar		English/ Hindi/Punjabi/Sanskrit	Twice a year
31.	Natak	Patanjal Kumar/V.Trehan	Ambala Cantt	1966	Hindi	Monthly
32	Ownward	Dev Sama College for girls/Miss Sunita Bala	Ambala City	1950	English/ Hindi/Punjab/Sankrit	Annual
33.	Parkash Metal Repart	Parkash Metal Industries/J.P. Goel	Jagadhri	1954	English/ Hindi	Fortnightly
34.	Prem Marg	Mohinder Singh Sawhney	Ambala Cantt	1965	Urdu	Weekly
35.	Rangeen Nazara	G.M. Sharma		1966	Urdu	Monthly
36	Rana Partap	M.B. Kanwar	Yamunanaga	1965	Urdu	Weekly

.			r			
37.	Samta Sandesh	Sangat Samatavit (Reg.)/ Prof. Kundal Lal	Ambala City	1961	Hindi	Monthly
38.	Saralya Samachar	All-India Saralya Vaish Sabha/Valayiti Ram	Ambala City	1963	Hindi/Urdu	Monthly
39.	Satrangni	S.D. College, Ambala/Onkar Nath	Ambala City	1958	English/ Hindi/Punjab/Sankrit	Bi-Annual
40.	Shibu Metal Market Report	Shibu Metal Works/Shanti Sarup Garg	Jagadhri	1954	English/ Hindi	Fortnightly
41.	Swan Yug	Roshan Lal Gupta	Yamunanagar	1963	Hindi/Urdu	Weekly
42	Sohla	Tara Chand Verma	Ambala	1953	Urdu	Weekly

.			Cantt			
43.	Student Magazine	M.C. Jolly/P.c. Nhatia	Ambala Cantt	1934	English	Monthly
44.	Tribune	Tribune Trust/Rs. Mahavan Nair	Ambala Cantt	1881	English	Daily
45.	Union	D.A.V. College/Vidya Sagar	Ambala City	1953	English/ Hindi/Punjabi	Bi-Annual
46.	Vijaya Nand	Atma Nand Jain Mahasabha (Regd.) Ambala City/Prithvi Raj Jain	Ambala City	1956	Hindi	Monthly
47.	Vir Partap	Sh. Varinder And Lalit Mohan/Lalit Mohan	Ambala Cantt	1966	Hindi	Daily
48.	Vallabh	S.A. Jain High School/Amar Nath	Ambala City	1963	English/ Hindi/Pu	Yearly

					njabi	
49.	Yamuna Ghai	G.M. Shamim	Yamunanagar	1966	English/Urdu	Weekly
50.	Young Writer	Government Hight Secondary School/ Om Parkash	Jagadhri	1965	English/ Hindi/Punjabi	Bi-Annual
GURGAON DISTRICT						
1.	Aggarwal Metal Samachar	Aggarwal/Meal Pvt. Ltd., Rewari/Dhanna Mal Jain	Rewari	1950	Hindi	Weekly
2.	Bharat Darshan	Bhim Sen Verma	Palwal	1962	Hindi	Weekly
3.	Bharitya Shramik	Kamal Dev Kapil	Faridabad	1965	Hindi	Fortnightly
4.	Bharat Puttar	R.S. Sharma	Gurgaon	1966	Urdu	Weekly
5.	Gram Panchayat	Sita Ram Bhalla	Ballabhgarh	1962	Urdu	Weekly
6.	Guide to Indian	Parbhu Book Service,	Gurgaon	1963	English	Quarterly

	Periodical Literature	Gurgaon/Vijay Kumar Jain				
7.	Haryan Mitar	M/S Man Mohan, Sh. Krishan Lamba and Gajraj/Man Mohan	Gurgaon	1966	Hindi	Weekly
8.	Irade	Gyan Chand Sharma	Gurgaon	1962	Urdu	Monthly
9.	Indian Book Reporter	Parbhu Book Service/Satya parkash	Gurgaon	1964	English	Monthly
10.	Jigyasa	Principal, K.L. Public College, Rewari/Ayodhya Parshad	Rewari	1966	English/ Hindi/Punjab/Sankrit	Bi-Annual
11.	Mewat	Gumani Ram Arya	Gurgaon	1963	Hindi	Daily
12.	Modern Educator	Teachers Training College, Rewari/Miss.	Rewari	1962	Hindi/ English	Annual

		S. Tara				
13.	Meo Gazette	Hakim Ajmal Khan	Shikrawa (Gurgaon)	1958	Urdu	Weekly
14.	Paigham-e Watan	Roop Lal Mehta	Palwal	1960	Hindi	Weekly
15	Phoenix	Ahir College, Rewari/Dayal	Rewari	1948	English/ Hindi/Punjab/ Urdu	Annual
16.	Public Opinion	K.L. Luthra	Faridabad	1966	Hindi	Weekly
17.	Ramneek	Govt. College for women/ Miss Jaswant Kaur	Gurgaon	1961	English/ Hindi/Punjabi	Annual
18.	Sube Bahran	Kifayatulla Siddiqi	Nub	1966	English/ Hindi/Punjab/	Quarterly

					Urdu	
19.	Sunehri Bharat	Jai Dev Aggarwal	Gurgaon	1962	Hindi	Daily
20.	Uthta Haryana	Jai Narrain Singh	Rewari	1966	Hindi	Weekly
21.	Wing Foot Clan	Good Year India Ltd., /H.D. Holinger	Ballabhgarh	1963	English	Monthly
HISAR DISTRICT						
1.	Adarsh Bal Patrika	Ideal School for Children, Hisar/Dewan Dharm Chand	Hissar	1955	English/ Hindi	Monthly
2.	Amar Jyoti	Bishnoi Sabha, Hissar/Ram Rikh Bishnoi	Hissar	1950	Hindi	Monthly

3.	Anand Bhoomi	Balwant Rai Tayal/Bhim Sen Sehgal	Hissar	1965	Hindi	Weekly
4.	Anshul	F.C. College for Women, Hissar/Miss Billa M.A.	Hissar	1963	English/ Hindi/Punjab/ Sanskrit	Annual
5.	Apna Haryana	Balbir Sharma/Parmanand Sharma	Bhiwani	1966	Hindi	Fortnightly
6.	Chetna	Dev Barat Vashishth	Bhiwani	1957	Hindi	Weekly
7.	Dayan and College, Hisar Magazine	Dharam Vir	Hissar	1963	English/ Hindi/Punjab/ Sanskrit	Annual

8.	Ghaggar	Sirsa Education Society/ O.P. Khosla	Sirsa	1960	English/ Hindi/Punjab/ Sanskrit	4-Monthly
9.	Gyan Uday	Manu Datt Sharma	Hissar	1948	Hindi	Weekly
10.	Haryana Young	Dr. Bhalla Ram Pawar	Hissar	1965	Hindi	Weekly
11.	Hissar Mill Patrika	Delhi Cloth Mills/Delhi/J.P. Sangal	Hissar	1962	Hindi	Weekly
12.	Haryana Sandesh	Seth Mahes Chander	Hissar	1950	Hindi/ English	Weekly
13.	Haryana Keshari	Ishwar Dass Jain	Hissar	1966	Hindi/ English	Weekly

14.	Jagrit Samaj	Rattan Singh Azad	Hissar	1965	Hindi	Weekly
15.	Lok Raj Ki Awaz	Kashmiri Lal Jain	Sirsa	1966	Hindi	Weekly
16.	Mazdoor Gazette	Tek Chand	Hissar	1966	Hindi	Fortnightly
17.	Manav Path	Rameshwar Datt	Hissar	1962	Hindi	Weekly
18.	Morning Star	Government College, Hisar P.N. Sharma	Hissar	1965	English/ Hindi/Punjab/ Sanskrit	Quarterly
19.	The Magazine of Agriculture, college of Hisar	College of Agriculture P.A.U. Hisar/D.S. Gupta	Hissar	1965	English/ Hindi/Punjab	Annual
20	New Educator	Principal K.K. college	Bhiwani	1962	English/	Annual

.		Bhiwani/Chuni Lal Vishan			Hindi/Punjab	
21.	Nyaye Path	Bishan Sarup	Hisar	1962	Hindi	Weekly
22.	Purvi Punjab	Ram Sarup Mittal/Desh Bandhu Gupt	Bhiwani	1960	Hindi	Weekly
23.	Satyug	Namdhari Panth/Gurdial Singh	Jiwan nagar (Hissar)	1957	Punjabi	Weekly
24.	Veeree Market Report	M/S Dharan Chand-Sant Lal/Vir Bhan Jain	Tohana	1965	English/ Hindi/ Urdu	Bi-Weekly
25	Waqt ki Awaz	Madan Lal Baghi	Hisar	1953	Hindi	Weekly

.						
KARNAL DISTRICT						
1.	Aggarsar	Arya Hight Scholl Painipat/Harish Chander Bhatnagar	Panipat	1954	English/ Hindi	Half Yearly
2.	Amrit	Sunder Lal Dhawan	Karnal	1937	Urdu	Weekly
3.	Bazam-e-Khayal	Bal Krishan Muztar	Kurukshetra	1965	Urdu	Fortnightly
4.	Belag	N. Shandlya	Karnal	1965	Urdu	Weekly
5.	Bange Dhal	Gurdip Singh Bakshi	Karnal	1966	Urdu	Monthly
6.	Bekas	Ram Piara	Karnal	1965	Urdu	Fortnightly
7.	College Eches	Mrs. Bibhuti Patel	Karnal	1964	Hindi/English/Punjabi/Sanskrit	Bi-annual

8.	Dastak	Tarlochan Singh Sidhu	Karnal	1966	Urdu	Weekly
9.	Daulat ki Barish	Narain Dass Dhamija	Panipat	1941	Urdu	Monthly
10.	Dilavar	Om Parkash	Karnal	1965	Urdu/Hindi	Weekly
11.	Diplomat	Amar Nath Sharma	Panipat	1965	Urdu	Weekly
12.	Dehshat	Khazan Singh	Karnal	1966	Urdu/HIndi	Monthly
13.	Gram Bhavna	Gandhir Samark Nidhi Patti Kalyana (Karnal)/Jagdish Chander	Patti Kalyana (Karnal)	1964		Monthly
14.	Grey Kunj	Sainki School, Kunjpura (Karnal)/Lf. Col. E.J. Siman	Karnal	1962	Hindi	Bi-Annual
15	Gyananjli	R.K.S.D. College,	Karnal	1962	Hindi/En	Monthly

.		Kaithal/S.C. Sehal			glish/	
16.	Ghulam	Mani Ram	Karnal	1966	Hindi/English/Punjabi/Sanskrit	Monthly
17.	Haryana Darshan	Ram Chander Singh	Karnal	1966	Urdu	Weekly
18.	Haryana Leader	Ramesh Chander	Karnal	1966	Urdu/ Hindi	Weekly
19.	Haryana Darpan		Karnal	1964	Hindi	Weekly
20.	Harmony	Daya Singh College, Karnal A.N. Kapoor	Karnal	1949	Hindi	Bi-Annual
21.	Janam Bhoomi	Rajpal Bhatia	Kurukshetra	1959	Hindi/English/Punjabi	Weekly

22.	Jagdeep	College of Education, Kurukshetra.Kishori Lal	Karnal	1962	Urdu	Bi-Annual
23.	Karnal Times	Lala Ram Gupta	Karnal	1958	Hindi/ Urdu	Weekly
24.	Kram Bhoomi	Ram Parkash	Karnal	1965	Urdu	Fortnightly
25.	Kalanidhi	Principal, University College, Kurukshetra/Viajy Sen	Kurukshetra	1961	Hindi/English/Punjabi/Sanskrit	Bi-Annal
26.	Khushdil	Gurnam Singh Khushdil	Karnal	1964	Urdu	Monthly
27.	Nagar Pukar	Dr. R. Krishan	Karnal	1964	Urdu/ Hindi	Fortnightly
28	Nirala Jogi	Hari Chand Multani	Panipat	1960	Urdu	Monthly

.						
29.	Panipat Times	Vishwa Nath Sudharkar	Panipat	1965	Hindi/ Urdu	Weekly
30.	Parteek	Amarjit Singh	Karnal	1965	Punjabi	Quarterly
31.	Praci Jyoti (Digest of Indological Studies)	Kurukshetra University/ Budha Parkash	Kurukshetra	1965	English/Sanskrit	Six Monthly
32.	Punjab Sarvodaya Patrika	Trush Khadi Ashram, Panipal/Som Datt Vidayalankar	Panipat	1960	Hindi	Monthly
33.	Raftar	Ved Parkash	Panipat	1965	Urdu	Fortnightly
34.	Tumheed	Prithvi Raj Gupta	Karnal	1961	Urdu/ Hindi	Weekly
35	Talqueen	Sham lal Kapoor	Panipat	1963	Urdu	Weekly

.						
36.	Voice of Holy Land	Sawmi-Hara Nand Sarswati/Swedesh Ranjain Ghosh	Kurukshetra	1958	English	Monthly
37.	Voice of Employees	S. Sabri/D.K. Sabri	Karnal	1966	Urdu	Fortnightly
38.	Valcan	Regional/Engineering College/S.B. Lal	Kurukshetra	1965	English/ HIndi	Six-monthly
39.	Yamuna	Arya College, Panipat/Baldev Raj Sethi	Panipat	1965	English/ Hindi	Annual
MOHINDERGARH DISTRICT						
1.	Mohindergarh Educational Journal	Rakesh Chander jain	Mohindergarh	1966	English/ Hindi/Punjabi	Half Yearly
2.	Nrbhey	Ram Kishan Gupta/Harish	Charkhi Dadri	1965	Hindi	Weekly

		Sharma				
3.	Syamsar	Dadri Eudcation Society/Dr. S.K. Khera	Charkhi Dadri	1966	Hindi/English/Punjabi/Sanskrit	Annual
4.	Tribhaara	Government College Narnaul/ Raj Krishan Chopra	Narnaul	1960	Hindi/English/Punjabi/Sanskrit	Quartely
ROHTAK DISTRICT						
1.	Ashok Chakar	Asa Nand	Sonepat	1964	Hindi	Monthly
2	Ashok	Asa Nand		1958	Urdu	Monthly
3.	Atlas Parwar	Atlas Cycle Industries. Sonepat/S.V.	Sonepat	1956	Hini/Urdu	Quarterly

		Malhotra				
4.	Ayurved Pardeep	Mahant Shreo Nath/Dr. Nishi Kant Sharma	Sonepat	1955	English/ Hindi	Annual
5.	Bharat Tek	Bharat Tek Samelan, Rohtak/Chaman Lal Verma	Rohtak	1940	Hindi/ Urdu	Weekly
6.	Bhola Insan	Bhart Singh	Rohtak	1959	Hindi	Fornightly
7.	Chetawani	S.S. Rahi	Rohtak	1958	Urdu	Weekly
8.	Educand	Principal C.R. College, Rohtak/Asa Ram	Rohtak	1962	English/ Hindi/Urdu	Bi-Annual

9.	Gandhi Vad	Balbir Singh	Rohtak	1965	Hindi	Fortnighlty
10.	Gian Kunj	Vaish Hr. Sec. School, Rohtak/Ram Dittamal	Rohtak	1965	English/ Hindi/Punjabi	Annual
11.	Hotel Halwai Sewak	Harbhajan Dass Goyal	Rohtak	1965	Hindi/ Urdu	Monthly
12.	Haryan Jyoti	Haryana Lok Sahiya/Nank Chand Sharma	Rohtak	1966	Hindi	Quarterly
13.	Hindi Haryana Tilak	Pt. Shri Ram Sharma/Mehar Chand	Rohtak	1961	Hindi	Weekly
14.	Haryana Tilak (Urdu)	Pt. Sri Ram Sharma/Vishnu Datt	Rohtak		Urdu	Weekly

15.	Haryana Nirman	Ram Krishan Sharma	Rohtak	1966	Hindi	Daily
16.	Heroes	Principal All India Jat H.M. college Rohtak/C.B.L. Asthana	Rohtak	1952	English/ Hindi/Sanskrit	Annual
17.	Jat Gazette	Chottu Ram Dalal	Rohtak	1964		Weekly
18.	Jagta Insan	Jagat Ram	Rohtak			Weekly
19.	Jyoti	Vish College Rohtak/K.L. Bajaj	Rohtak	1965	Urdu	Bi-Annual
20.	Jalaj	Head Master, S.M. Hindu Hight School, sonepat/K.L. Gupta	Sonepat	1961	Hindi	Quarerly
21	Jewant Amrit	Sewa Sudhar Society	Rohtak	1966	Hindi	Montly

.		Jagmohan Arya				
22.	Jagat Netar	Har Gopal	Rotak	1966	Urdu	Weekly
23.	Kom Prast	Harbhajan Dass Goel	Rothat	1965	Urdu	Monthly
24.	Karanti Ka Bigul	Kartar Devi	Rothak	1966	Hindi	Monthly
25.	Lok Chetna Sandesh	Banwari Lal Shastri/Paras Ram Sharm	Rothak	1966	Hindi	Weekly
26.	Jar Kesri	Dr. C. Vats Raj Sonepat	Rohtak	1965	Hindi	Weekly
27.	Naya Kadam	Surat Singh Sharma	Sonepat	1965	Urdu	Monthly
28.	National Gazette	Surat Singh Sharma	Sonepat	1966	Hindi	Monthly

29.	Pagham	Devi Dayal Atish	Sonepat	1952	Urdu	Weekly
30.	Pankar	Principal HinduCollege/J.C. Sehalt	Sonepat	1959	English/ Hindi/Sanskrit	Anuual
31.	Path Pardarshak	Ganga Sagar Mahant	Jhajjar	1965	Hindi	Weekly
32.	Punjab Nirman	Ishwar Singh Azad	Rohtak	1966	Urdu	Monthly
33.	Pursharthi Gazette	Krishan Lal Baghi	Rohtak	1964	Urdu	Fortnighlty
34.	Raeksh	S.N. Sharma	Rohtak	1966	Hindi	Monthly
35.	Republican Awaz	Ram Sarup	Rohtak	1966	Hindi	Fortnightly
36.	Rishi Bharat	Prehlad Singh	Rohtak	1965	Hindi	Weekly

37.	Rohtarian	Hans Raj	Rohtak	1972	English	Monthly
38.	Rohtak	Principal Government College, Rohtak	Rohtak	1956	English/ Hindi/Punjabi/Sanskrit	Twice a year
39.	Roshni	L.D. Tabassam	Sonepat	1952	Urdu	Weekly
40.	Smaj Wadi Andolan	Tilak Raj Khanna	Rohtak	1966	Hindi	Monthly
41.	Smaj Wad	Jyoti Parkash Jain	Rohtak	1960	Urdu	Fortnightly
42.	Samaj Sandesh	Acharya Harish Chander	Rohtak	1960	Hindi	Monthly
43.	Sidh Marg	Gopal Dass Ahuja	Rohtak	1959	Urdu	Fortnightly
44	Sonepat	Sonepat Productivity	Sonepat	1962	English	Two

.	Productivity Council Newsletter	Council/Jagdish Nath				Monthly
45.	Sudharak	Gurukul Jhajjar/Acharya Bhagwan Dev	Jhajjar	1953	Hindi	Monthly
46.	Tehquiqat	Com. Lachhman Dass	Rohtak	1960	Urdu	Weekly
47.	Twilight	Punjab University Evening College/K.A.A Kalia	Rohtak	1965	English/ Hindi/Punabi/Urdu	Annual
48.	Talqueen	Sham Lal	Sonepat	1963	Urdu	Weekly
49.	Tehrik	Karam Singh/G.S. Chaudhry	Rohtak	1966	Hindi	Fortnightly
50.	Udgam	Govt. Hr. Sec. School/ P.C. Jain	Rohtak	1965	English/ Hindi/Pu	Bi-Annual

					nabi	
51.	Vandana	Principal, Govt. College for Rohtak Women/Miss Vidaka Sharma	Rohtak	1961	English/ Hindi/Punabi/Sanskrit	Bi-Annual
52.	Yajna Yog Jyoti	Vedic Bhagat Sadhu Asharam, Rohtak/Yajna Nand Sarswati	Rohtak	1964	Hindi	Monthly
53.	Yug Vahak	Nehru College Jhajjar/ S.C. Arya	Jhajjar	1964	English/ Hindi/Punabi/Sanskrit	Half-Yearly

District-wise split up of Newspapers/Periodicals published in the State asit stood on 1-11-1966

Gurgaon	21
Hissar	25
Karnal	39
Mohindergarh	4
Rohtak	53
Total	**192**

ANNEXURE-B

Statement of newspapers/News Magazines/Periodicals published from each Distrit in the State as it stood on 30th September, 1970

Sr	Title	Name of Owner/Editor	Place of publication	Year of first publication	Language	Periodicity
1	2	3	4	5	6	7
1	Arman-e. Haryana	Nanak chand Arman	Ambala City	1966	Urdu	Weekly
2	Atmanand	S.A. Jain, College Ambala city/Prof. S.N. Jangid	Ambala City	1951	English/ Hindi/Punjabi/Urdu/Sanskrit	Bi-annual
3	Ambala Times	Hira nane Sharma	Ambala city	1965	Urdu	Weekly
4	Ambala Sandesh	Birbal Ghai	Ambala Cantt.	1969	Urdu	Weekly

5	Bal Isht	K.K. Sharma/nand Lal Sharma	Ambala Cantt	1965	English/ Hindi/Punjabi	Quarterly
6	Competition Master	Om Parkash Khanna and Shaki Kumar Khanna/O.P. Khanna	Ambala City	1959	English	Monthly
7	Chandrika	M.L.N. Hr. Secondery School, Yamunanagar/Chman Lal Batra	Yamunanagar	1957	English/ Hindi/Punjabi	Quarterly
8	Chhatara Bani	B.D. High School, Ambala Cantt./ Madan Lal Gupta	Ambala Cantt.	1953	Hindi/Eng.	Bi-Annual
9	Cantomment Samachar	All India antonment Board Employees Federation/J.D. Bakshi	Ambala Cantt.	1969	English/ Hindi	Monthly
10	College Magazine of Hindu Girls	Hindu Girls College, Jagadhri/Smt. Rita	Jagadhri	1963	Eng/Hindi/	Yearly

	College, Jagadhri	Chaudhry			Punjabi/Sanskrit	
11	D.A.V. College for Girls Magazine	D.A.V. College for Girls, Yamunanagar/Miss Kaurala Nair	Yamunanagar	1960	English/ Hindi/Punjabi	Annual
12.	Deepti Punj	Principal, Sohan Lal Training College, Ambala City/B.R. Garg	Ambala City	1967	Eng/Hindi/ Punjabi/Sanskrit	Annual
13	Dard-e-Haryana	Bihari Lal	Ambala City	1970	Hindi	Weekly
14	Geeta Updes	Shri Geeta Satsang Bhawan, Ambala City/Kidar Nath	Ambala City	1962	Hindi	Weekly
15	Gur Sandesh	Sh. Nischal Singh / Sant Jai Dayal Singh	Yamunanagar	1961	Punjabi	Monthly
16	Gandhi Path	Principal, G.M.N. College, Ambala	Ambala	1965	English/ Hindi/Pu	Yearly

		Cantt/Om parkash Kahol	Cantt		njabi/Sanskrit	
17	Gian Sheel	Principal D.A.V. College, Ambala City/Sh. Vidya Sagar	Ambala City	1964	English/ Hindi/Punjabi/Sanskrit	Yearly
18	Guru Nanak Updesh	Guru Nanak Mission Hospital and Educational Trust, Ambala City/S.S.S. Ram Singh	Ambala City	1961	Punjabi/English	Monthly
19	H.M.T. News Digest	M/s H.M.T. Ltd., Pinjore/M.K. Jaura	Pinjore (Ambala)	1968	English	Monthly
20	International Book News	Satish Kumar- Amrit Lal	Ambala Cantt.	1968	English/ Hindi	Monthly
21	Jan Mat	Krishan Lal Pundir	Yamunanagar	1970	Hindi	Fortnightly

22	Magazine S.D. Higher Secondary School	Shanti Sarup Sharma	Jagadhri	1968	English/ Hindi/Punjabi/Sanskrit	Yearly
23	Morni	Jagdish Chander Sharma/Prem Nath	Sadhaura	1969	Eng/Hindi/ Punjabi	Yearly
24	Medhavi Chhatra	Pushkar Nath Peer	Ambala Cantt.	1969	English/ Hindi	Quarterly
25	M.L.N. College Magazine	M.L.N. College Trust/Prof. S. Mailk	Yamunanagar	1960	English/ Hindi/Punjabi/Sanskrit	Bi-Annual
26	Mera Desh	Sh. Ram Chander	Ambala City	1970	Urdu	Weekly
27	News Bulletin, D.A.V. College (Lahore) Ambala City	D.A.V. College, Lahore, Ambala City/T.R. Vaid	Ambala City	1968	English	Bi-Annual

28	Ownward	Dev Sama College for girls/Miss Sunita Bala	Ambala City	1950	English/ Hindi/Punjab/Sankrit	Annual
29	Parkash Metal Repart	Parkash Metal Industries/J.P. Goel	Jagadhri	1954	English/ Hindi	Fortnightly
30	Pahu Phutala	Punjab Trat Society, Bazar Radha Kishen, Ambala City/Giani Balwant Singh	Ambala City	1970	Punjabi	Monthly
31	Rupmbra	Kahani Lekhak Mahavidayalaya, Ambala City/ Maharaj Kishen Jain	Ambala Cantt.	1969	Hindi	Monthly
32	Shibu Metal Market Report	Shibu Metal Works/Shanti Sarup Garg	Jagadhri	1954	English/ Hindi	Fortnightly
33	Sohla	Tara Chand Verma	Ambala	1953	Urdu	Weekly

			Cantt			
34	Student Magazine	M.C. Jolly/P.c. Nhatia	Ambala Cantt	1934	English	Monthly
35	Suveer	R.N. Dass/V.S. Seth	Sadhaura	1969	Eng/Hindi/ Punjabi	Annual
36	Shivalak Mukt	Principal, J.B.T. Govt. School, Naraingarh/ Mahipal Singh Kanwar	Naraingarh	1970	English/ Hindi/Punjabi	Bi-Annual
37	Tesa Flash	General Secretary, Tesa Central Headquarter/ S. Dayal	Ambala Cantt.	1970	English	Quarterly
39	Vijay Nand	Atma Nand Jain Mahasabha (Regd.) Ambala City/Prithvi Raj Jain	Ambala City	1956	Hindi	Monthly

39	Virmani Studio	S.P. Vermani	Ambala Cantt.	1967	Hindi	Twice a year
GURGAON DISTRICT						
1	Aggarwal Metal Samachar	Aggarwal/Meal Pvt. Ltd., Rewari/Dhanna Mal Jain	Rewari	1950	Hindi	Weekly
2	Bharat Darshan	Bhim Sen Verma	Palwal	1962	Hindi	Weekly
3	Bharat Puttar	R.S. Sharma	Gurgaon	1966	Urdu	Weekly
4	The Escort News	Escort Ltd./Rana Jang Bahdur Singh	Faridabad	1967	English/ Hindi	Monthly
5	Farm Extension Digest	Escort Ltd./Dr. G.R. Reddy	Faridabad	1969	English	Half-Yearly
6	Guide to Indian Periodical Literature	Parbhu Book Service, Gurgaon/Vijay Kumar Jain	Gurgaon	1963	English	Quarterly
7	Gharib Kiaah	Chander Bal Kaushik	Gurgaon	1970	Hindi	Weekly

8	Haryana Lok Vani	Jagdish Chander Yadav	Gurgaon	1968	Hindi	Weekly
9	Haryana Dool	Bishan Dass Bhardwaj	Gurgaon	1969	Hindi	Weekly
10	Industrial Envoy	Eastern Wires Pvt. Ltd./ Kishan Chawla	Faridabad	1967	Hindi	Fortnightly
11	Irade	Gyan Chand Sharma	Gurgaon	1962	Urdu	Monthly
12	Indian Book Reporter	Parbhu Book Service/Satya parkash	Gurgaon	1964	English	Monthly
13	International Law Reporter	Sh. Krishan Lal Chopra	Faridabad	1970	English	Monthly
14	Jan Rai	M.S. Rajnekar	Faridabad	1968	Hindi	Weekly
15	Jigyasa	Principal, K.L. Public College, Rewari/Ayodhya Parshad	Rewari	1966	English/ Hindi/Punjab/Sankrit	Bi-Annual

16	The Mewat	Gumani Ram Arya	Gurgaon	1963	Hindi	Daily
17	Modern Educator	Teachers Training College, Rewari/Miss. S. Tara	Rewari	1962	Hindi/ English	Annual
18	Meo Gazette	Hakim Ajmal Khan	Shikrawa (Gurgaon)	1958	Urdu	Weekly
19	Phoenix	Ahir College, Rewari/Dayal	Rewari	1948	English/ Hindi/Punjab/ Urdu	Annual
20	Public Opinion	K.L. Luthra	Faridabad	1966	Hindi	Weekly
21	Press Mazdoor	Radha Mohan Bhardwaj	Rewari	1970	Hindi	Weekly
22	Ramneek	Govt. College for women/ Miss Jaswant Kaur	Gurgaon	1961	English/ Hindi/Punjabi	Annual
23	Sunehri Bharat	Jai Dev Aggarwal	Gurgaon	1962	Hindi	Daily

24	Urdhwagami	S.D. College, Palwal/ M.P. Jain	Palwal	1959	Eng/Hindi/ Sanskrit	Annual
25	Youth Opinion	Sanehri Lal and Sohan La/ Sohan Lal	Balabgarh	1969	Hindi	Fortnightly
HISSAR DISTRICT						
1	Adarsh Bal Patrika	Ideal School for Children, Hisar/Dewan Dharm Chand	Hissar	1955	English/ Hindi	Monthly
2	Amar Jyoti	Bishnoi Sabha, Hissar/Ram Rikh Bishnoi	Hissar	1950	Hindi	Monthly
3	Adarsh Path	Manphool Singh Vidayarthi	Hissar	1970	Hindi	Weekly

4	Apna Haryana	Balbir Sharma/Parmanand Sharma	Bhiwani	1966	Hindi	Fortnightly
5	Avedan	Principal, D.N. Colleges, Hissar/ Prof. S.K. Kandhari	Hissar	1968	Eng/Hindi/ Sanskrit	Annual
6	Aaj Ki Halat	Dr. Shaym Parkash	Bhiwani	1969	Hindi	Weekly
7	Anshul	F.C. College for Women, Hissar/Miss Billa M.A.	Hissar	1963	English/ Hindi/Punjab/ Sanskrit	Annual
8	Aaj Ka Yug	Miss Sushila Gandhi	Bhiwani	1969	Hindi	Fortnightly
9	Bhola Graib	Dayal Singh Azad	Sirsa	1969	Punjabi/ Hindi	Monthly

10	Bal Vijay	Dharam Singh/ Rameshwar Dayal	Bhiwani	1969	Hindi/ English	Half Yearly
11	Chetna	Dev Barat Vashishth	Bhiwani	1957	Hindi	Weekly
12	Chander Lekha	Principal, C.R.M. Jat College, Hissar/ Suraj Bhan	Hissar	1970	English/ Hindi/Punjab/ Sanskrit	Annual
13	Contractors Views	Prem Parkash Sandhir	Bhiwani	1969	Eng/Hindi	Fortnightly
14	Dharmod Aya	Prem Chand Gupta	Hissar	1969	Hindi	Monthly
15	Ghaggar	Principal C.R.M. Jat College, Hissar/S. Pal	Hissar	1969	Hindi/Eng.	Annual
16	Gyan Uday	Manu Datt Sharma	Hissar	1948	Hindi	Weekly
17	Gian Dhawaj	Principal Vaish	Bhiwani	1967	Hindi,	Annual

		Higher Secondary School, Bhiwani/Ram Kishen Vashist			Eng	
18	Ghaggar	Sirsa Educational Society, Sirsa/ O.P. Khosla	Sirsa	1958	Eng/Hindi/ Punjabi/ Sanskrit	Four Monthly
19	Hansi Times	Mehta Sita Ram	Hansi	1970	Hindi	Monthly
20	Hissar Mill Patrika	Delhi Cloth Mills/Delhi/J.P. Sangal	Hissar	1962	Hindi	Fortnightly
21	Haryana Sandesh	Seth Mahes Chander	Hissar	1950	Hindi/ English	Weekly
22	Haryana Keshari	Ishwar Dass Jain	Hissar	1966	Hindi/ English	Weekly
23	Haryana Kheti	Directorate of Extension Education,	Hissar	1969	Hindi	Monthly

		Haryana Agricultural University, Hissar/ K.C. Mehta				
24	Indian Journal of Weed	Indian Society Week Sicence/ Dr. M.K. Mulani	Hissar	1969	English	Six-Monthly
25	Kansow	Principal Govt. College, Sirsa/Sudesh Kumar Mahajan	Sirsa	1970	Eng/Hindi/ Punjabi	Annual
27	Morning Star	Government College, Hisar P.N. Sharma	Hissar	1965	English/ Hindi/Punjab/ Sanskrit	Quarterly
28	Mast Badal	Dr. Mahadev Parshad	Bhiwani	1968	Hindi	Fortnightly
29	The Magazine of	College of Agriculture	Hissar	1965	English/	Annual

	Agriculture, college of Hisar	P.A.U. Hisar/D.S. Gupta			Hindi/Punjab	
30	Nanak Jot	Principal, Guru Nanak College, Mandi Dabwali/ Inderjit Singh Tulsi	Dabwali	1958	Eng/Hindi/ Punjabi, Sanskrit	Bi-Annual
31	New Educator	Principal K.K. college Bhiwani/Chuni Lal Vishan	Bhiwani	1962	English/ Hindi/Punjab	Annual
32	Nyaye Path	Bishan Sarup	Hisar	1962	Hindi	Weekly
33	Purvi Punjab	Ram Sarup Mittal/Desh Bandhu Gupt	Bhiwani	1960	Hindi	Weekly
34	Satyug	Namdhari Panth/Gurdial Singh	Jiwan nagar (Hissar)	1957	Punjabi	Weekly

35	Veeree Market Report	M/S Dharan Chand-Sant Lal/Vir Bhan Jain	Tohana	1965	English/ Hindi/ Urdu	Bi-Weekly
36	Vyapar Vani	Ram Kumar Gupta	Hissar	1970	Hindi	Monthly
37	Waqt ki Awaz	Madan Lal Baghi	Hisar	1953	Hindi	Weekly
JIND DISTRICT						
1	Drust Gaftar	Faqir Yogi	Jind	1970	Urdu	Weekly
2	Dev Bhoomi	Jai Dev Goel	Jind	1968	Hindi	Weekly
3	Mook Wani	Parma Nand Panwar	Jind	1970	Hindi	Weekly
4	Padmakar	Principal Government Higher Sec. School, Jind/ D.R. Sharma	Jind	1970	Hindi, English	Annual
5	Rajata Yammini	Kamla Memorial College, Narwana/Jagdish	Narwana	1969	Hindi, Eng, Sanskrit,	Annual

		Chander Sharma			Punjabi	
6	Ravinder Jogti	Gobind Ram/Kewal Krishan	Jind	1969	Hindi	Monthly
7	Satra Bharti	Shyam Swrup Bansal/ Ram Sarup Gandhi	Jind	1970	Hindi	Weekly
8	Sahitya Lehri	Arya Higher Sec. School, Narwana/ Ravinder Kumar Garg	Narwana	1970	Hindi, Eng, Sanskrit	Annual
9	Sarap Daman	Smt. Urmilla Garg and Rameshwar Dass/ Rameshwar Dass	Jind	1970	Hindi	Weekly
KARNAL DISTRICT						
1	Arya Keshri	Mela Ram Bar	Karnal	1967	Hindi, Urdu	Fortnightly
2	Aggarsar	Arya Hight Scholl	Panipat	1954	English/	Half

		Painipat/Harish Chander Bhatnagar			Hindi	Yearly
3	Amrit	Sunder Lal Dhawan	Karnal	1937	Urdu	Weekly
4	Amar Haryana	G.S. Bakshi	Karnal	1969	Urdu	Monthly
5	Arya Shapath	Sh. Ram Parshad/ Sant Kumar Aggarwal	Thanesar	1969	Hindi, Eng, Sanskrit	Six Monthly
6	Bharatari	I.B. College, Panipat/ H.C. Sharma	Panipat	1968	Eng, Hindi, Punjabi, Sanskrit	Annual
7	College Eches	Mrs. Bibhuti Patel	Karnal	1964	Hindi/English/Punjabi/Sanskrit	Bi-annual
8	Chettan	Bal Krishen Muztar	Kurushetra	1969	Hindi	Fortnightly

9	Cohesion	SH. Raghbir S. Bhatia/ Dr. Vikas Misra	Karnal	1969	English	Bi-Annaul
10	Daulat ki Barish	Narain Dass Dhamija	Panipat	1941	Urdu	Monthly
11	Dehshat	Khazan Singh	Karnal	1966	Urdu/HIndi	Weekly
12	Dairy Science College Magazine	Students Union, Dairy, Science College/ M.R. Siri Vastva	Karnal	1967	Eng, Hindi	Annual
13	Gram Bhavna	Gandhir Samark Nidhi Patti Kalyana (Karnal)/Jagdish Chander	Patti Kalyana (Karnal)	1964		Monthly
14	Grey Kunj	Sainki School, Kunjpura (Karnal)/Lf. Col. E.J. Siman	Karnal	1962	Hindi	Bi-Annual

15	Gyan Anjli	R.K.S.D. College, Kaithal/S.C. Sehal	Karnal	1962	Hindi/English/	Bi-Annual
16	Glory of Education	D.A.V. College of Education for Women, Karnal/ R.N. Chandna	Karnal	1969	Eng, Hindi	Yearly
17	Gita Jyoti	Devi Dayal Nanha	Kurukshetra	1970	Hindi	Fortnightly
18	Haryana Leader	Ramesh Chander	Karnal	1966	Urdu/ Hindi	Weekly
19	Haryana Darpan		Karnal	1964	Hindi	Weekly
20	Harmony	Daya Singh College, Karnal A.N. Kapoor	Karnal	1949	Hindi	Bi-Annual
21	Hakumat Se Insaf	Mani Ram Gupta	Karnal	1969	Urdu, Hindi	Monthly
22	Hem Sanchika	Dharampaul Sngh/ Prem Cand	Karnal	1969	Hindi, Eng	Annual

23	Himachal	Mahesh Chander Aggarwal	Karnal	1969	English	Weekly
24	Haryana Bhoomi	V.N. Sudhakar	Panipat	1969	Hindi	Weekly
25	Indian Journal of Science and Industry	Rameshwar Dass Goel/ Dr. N.C. Ganguli	Karnal	1968	English	Quarterly
26	Janam Bhoomi	Rajpal Bhatia	Karnal	1966	Urdu	Weekly
27	Jan Vani	Mahesh Chander Aggarwal	Karnal	1969	Hindi	Weekly
28	Jalti Jot	Raj Kumar Anand/S.K. Goel	Karnal	1969	Hindi, Urdu	Quarterly
29	Journal of Haryana Studies	Kurushetra University/ K.C. Yadav	Kurukshetra	1969	Hindi, Eng	Bi-Annual
30	Karnal Times	Lala Ram Gupta	Karnal	1958	Hindi/ Urdu	Weekly

31	Khushdil	Gurnam Singh Khushdil	Karnal	1964	Urdu	Monthly
32	Kurukshetra University Journal of Art and Humanity	Kurukshetra University/ Dr. Bal Kirshen Kalia	Kurukshetra	1969	Eng, Hindi	Bi-Annual
33	Krishi Andholan	Ram Sarup Gandhi	Karnal	1968	Hindi	Monthly
34	Karam Kshetra	Srimad Bhagwad Gita VidayalAYA, Kurukshetra/ Keshwa Nand	Kurukshetra	1969	Hindi, Sanskrit	Annual
35	Kalash	S.D. College, Panipat/ Baldev Raj Sethi	Panipat	1970	Eng, Hindi, Sanskrit	Annual
36	Murakh	Kali Ram Murakh	Karnal	1969	Hindi, Urdu	Monthly
37	Mazdoor Bhai	Sain Dass Nijhawan	Karnal	1968	Hindi	Monthly

38	The Magazine of College of Agriculture, Kaul	College of Agriculture/ Om Pal Singh	Kaul (Karnal)	1970	English, Hindi	Annaul
39	Mahabharat	Nand Kishore Shandalaya	Karnal	1970	Hindi, Urdu	Weekly
40	Nagar Pukar	Dr. Sunder Lal Arya/ Dr. B. Krishna	Karnal	1964	Urdu/ Hindi	Fortnightly
41	Nirala Jogi	Hari Chand Multani	Panipat	1960	Urdu	Monthly
42	Nirala Jogi	Hari Chand Multani	Panipat	1960	Urdu	Monthly
43	Punjab Sarvodaya Patrika	Trush Khadi Ashram, Panipal/Som Datt Vidayalankar	Panipat	1960	Hindi	Monthly
44	PundriK	D.A.V. College, Pundri/ Kishore Kumar Sirohi	Pundri (Karnal)	1970	Eng, Hindi, Sanskrit	Annual
45	Parteek	Amarjit Singh	Karnal	1965	Punjabi	Quarterly

46	Sthaneshwar	Principal, Govt. College, Kurukshetra/ V.P. Verma	Kurukshetra	1969	Eng, Hindi, Punjabi, Sanskrit	Bi-Annual
47	Talqueen	Sham lal Kapoor	Panipat	1963	Urdu	Weekly
48	Tumheed	Prithvi Raj Gupta	Karnal	1961	Urdu/ Hindi	Weekly
49	Tarika Filmi Dhamaka	Sunder Chaudhry	Karnal	1969	Hindi	Monthly
50	Voice of Holy Land	Sawmi-Hara Nand Sarswati/Swedesh Ranjain Ghosh	Kurukshetra	1958	English	Monthly
51	Vulcan	Regional/Engineering College/S.B. Lal	Kurukshetra	1965	English/ HIndi	Six-monthly
52	Yamuna	Arya College, Panipat/Baldev Raj Sethi	Panipat	1965	English/ Hindi	Annual

53	Zamir Frosh	Rattan Lal Vaid	Karnal	1967	Urdu, Hindi	Monthly
MOHINDERGARH DISTRICT						
1	Maru Madhvi	Mohindergarh Degree College/ S.R. Sharma	Mohindergarh	1969	Eng, Hindi, Sanskrit	Annual
2	Syamsar	Dadri Eudcation Society/Dr. S.K. Khera	Charkhi Dadri	1966	Hindi/English/Punjabi/Sanskrit	Annual
3	Trid Hara	Government College Narnaul/ Raj Krishan Chopra	Narnaul	1960	Hindi/English/Punjabi/Sanskrit	Quartely
ROHTAK DISTRICT						

1	Ashok Chakar	Asa Nand	Sonepat	1964	Hindi	Monthly
2	Atlas Parwar	Atlas Cycle Industries. Sonepat/S.V. Malhotra	Sonepat	1956	Hini/Urdu	Quarterly
3	Ayurved Pardeep	Mahant Shreo Nath/Dr. Nishi Kant Sharma	Sonepat	1955	English/ Hindi	Annual
4	Adal	Ishwar Singh Azad	Rohtak	1968	Hindi	Fortnightly
5	Arya Doot	Devi Dayal Atish	Sonepat	1969	Hindi	Fortnightly
7	Bharat Tek	Eudcation Society, Rohtak/ Rameshwar Nadan	Rohtak	1940	Hindi	Weekly
7	Bhola Insan	Bhart Singh	Rohtak	1959	Hindi	Fornightly

8	Bhairvi	H.W.H.M. College, Gohana/Kundan	Gohana	1969	Eng, Hindi, Sanskrit	Bi-Annual
9	Beopari Samaj	Harbhajan Dass Goel	Rohtak	1970	Urdu	Monthly
10	Co-operative Labour Gazette	The Rohtak District Co-operative Labour and Construction Union Ltd., Rohtak/Kishori Lal	Rohtak	1970	Urdu, Hindi	Fortnightly
11	Educand	Principal C.R. College, Rohtak/ Karan Singh Rohtak	Rohtak	1958	English/ Hindi/Urdu	Annual
12	Gian Kunj	Vaish Hr. Sec. School, Rohtak/Ram Dittamal	Rohtak	1965	English/ Hindi/Punjabi	Annual
13	Hindi Haryana Tilak	Pt. Shri Ram Sharma/Mehar	Rohtak	1961	Hindi	Weekly

		Chand				
14	Haryana Tilak	Pt. Sri Ram Sharma/Vishnu Datt	Rohtak		Urdu	Weekly
15	Haryana Nirman	Ram Krishan Sharma	Rohtak	1966	Hindi	Daily
16	Heroes	Principal All India Jat H.M. college Rohtak/C.B.L. Asthana	Rohtak	1952	English/ Hindi/Sanskrit	Annual
17	Haryana Shiromani	Rameshwar Das Nandan	Rohtak	1969	Hindi	Daily
18	Harijan Adhikar	Chandgi Ram/ Kartar Devi	Rohtak	1970	Hindi	Weekly
19	Jat Gazette	Chottu Ram Dalal	Rohtak	1964	Urdu	Weekly
20	Jagat Natra	Hargopal Sharma	Rohtak	1966	Urdu	Weekly

21	Jagta Insan	Jagat Ram	Rohtak			Weekly
22	Kar Yug	Roshan Lal Kumar	Rohtak	1970	Hindi, Urdu	Monthly
23	Mazdoor organizer	Rajinder Singh Sharma	Rohtak	1970	Urdu	Weekly
24	Mukti Path	Nar Kesh Publications/ Dr. C. Vats Raj	Sonepat	1969	Hindi	Monthly
25	Motor Tractor Industries	Vas Dev Bansal	Rohtak	1970	Hindi, Urdu	Monthly
26	Narkeshi	Dr. C. Vats Raj	Sonepat	1965	Hindi	Weekly
27	National Gazette	Surat Singh Sharma	Sonepat	1966	Hindi	Monthly
28	Paigham	Devi Dayal Atish	Sonepat	1952	Urdu	Weekly
29	Pankaj	Principal HinduCollege/J.C.	Sonepat	1959	English/ Hindi/Sa	Anuual

		Sehalt			nskrit	
30	Pursharthi Gazette	Krishan Lal Baghi	Rohtak	1964	Urdu	Weekly
31	Purani Yadan	Murari Lal Panwar	Rohtak	1969	Hindi	Weekly
32	Rishi Bharat	Prehlad Singh	Rohtak	1965	Hindi	Weekly
33	Rohtas	Principal Government College, Rohtak	Rohtak	1956	English/ Hindi/Sanskrit	Bi-Annual
34	Roshni	L.D. Tabassam	Sonepat	1952	Urdu	Weekly
35	Saini Samachar	Iswhwar Singh Saini	Rohtak	1968	Hindi	Fortnightly
36	Samaj Sandesh	Acharya Harish Chander	Rohtak	1960	Hindi	Monthly
37	Shaheed	Murari Lal Panwar	Rohtak	1968	Urdu	Monthly
38	Sonepat Productivity Council Newsletter	Sonepat Productivity Council/Jagdish Nath	Sonepat	1962	English	Two Monthly

39	Sudharak	Gurukul Jhajjar/Acharya Bhagwan Dev	Jhajjar	1953	Hindi	Monthly
40	Sukhdarshan	Government Union College, Bahadurgarh R.P. Oberoi	Bhahadurgarh	1970	Eng, Hindi, Sanskrit	Bi-Annual
41	Subhash Vad	Vinod Kumar Jain	Rohtak	1970	Hindi	Fortnightly
42	Tarun Deep	Akhil Bhartiya Vidyarthi Parishad/Narinder Sehgal	Sonepat	1968	Hindi	Monthly
43	Tehquiqat	Com. Lachhman Dass	Rohtak	1960	Urdu	Weekly
44	Tehrik	Karam Singh/G.S. Chaudhry	Rohtak	1966	Hindi	Fortnightly
45	Twilight	Punjab University Evening	Rohtak	1965	English/ Hindi/Punabi/Urd	Annual

		College/K.A.A Kalia			u	
46	Udgam	Govt. Hr. Sec. School/ P.C. Jain	Rohtak	1965	English/ Hindi/Punabi	Bi-Annual
47	Vandana	Principal, Govt. College for Rohtak Women/Miss Vidaka Sharma	Rohtak	1961	English/ Hindi/Punabi/Sanskrit	Bi-Annual
48	Ved Vani	Ram Lal Kapoor Trust, Guru Bazar, Amritsar/ Yudhistra Mimanska	Sonepat	1948	Hindi/Sanskrit	Monthly
49	Vaish Shikshik, Shikshan Samasthan Patrika	Principal, Vaish College/ Davinder Kumar Chadha	Rohtak	1970	Eng, Hindi, Punjabi	Annual
50	Yajna Yog Jyoti	Vedic Bhagat Sadhu Asharam, Rohtak/Yajna Nand	Rohtak	1964	Hindi	Monthly

		Sarswati				
51	Yug Vahak	Nehru College Jhajjar/ S.C. Arya	Jhajjar	1964	English/ Hindi/Punabi/Sanskrit	Half-Yearly

District-wise split up of Newspapers/Periodicals published in the State asit stood on 30th September, 1970

Ambala	39
Gurgaon	25
Hissar	37
Jind	9
Karnal	53
Mohindergarh	3
Rohtak	51

Total	**217**

ANNEXURE-C

Statement of newspapers/News Magazines/Periodicals published from each Distrit in the State as it stood on 31st January, 1971

Sr	Title	Name of Owner/Editor	Place of publication	Year of first publication	Language	Periodicity
1	2	3	4	5	6	7
1	Aaj Ka Harijan	Sh. Raja Ram Chauhan	Ambala City	1970	Hindi	Weekly
2	Arman-e- Haryana	Nanak chand Arman	Ambala City	1966	Urdu	Weekly
3	Atmanand	S.A. Jain, College Ambala city/Prof. S.N. Jangid	Ambala City	1951	English/ Hindi/Punjabi/Urdu/Sanskrit	Bi-annual
4	Ambala Times	Hira nane Sharma	Ambala city	1965	Urdu	Weekly

5	Ambala Sandesh	Birbal Ghai	Ambala Cantt.	1969	Urdu	Weekly
6	Bal Isht	K.K. Sharma/nand Lal Sharma	Ambala Cantt	1965	English/ Hindi/Punjabi	Quarterly
7	Competition Master	Om Parkash Khanna and Shaki Kumar Khanna/O.P. Khanna	Ambala City	1959	English	Monthly
8	Chandrika	M.L.N. Hr. Secondery School, Yamunanagar/Chman Lal Batra	Yamunanagar	1957	English/ Hindi/Punjabi	Quarterly
9	Chhatara Bani	B.D. High School, Ambala Cantt./ Madan Lal Gupta	Ambala Cantt.	1953	Hindi/Eng.	Bi-Annual
10	Cantomment Samachar	All India antonment Board Employees Federation/J.D.	Ambala Cantt.	1969	English/ Hindi	Monthly

		Bakshi				
11	College Magazine of Hindu Girls College, Jagadhri	Hindu Girls College, Jagadhri/Smt. Rita Chaudhry	Jagadhri	1963	Eng/Hindi/ Punjabi/Sanskrit	Yearly
12	D.A.V. College for Girls Magazine	D.A.V. College for Girls, Yamunanagar/Miss Kaurala Nair	Yamunanagar	1960	English/ Hindi/Punjabi	Annual
13	Deepti Punj	Principal, Sohan Lal Training College, Ambala City/B.R. Garg	Ambala City	1967	Eng/Hindi/ Punjabi/Sanskrit	Annual
14	Dard-e-Haryana	Bihari Lal	Ambala City	1970	Hindi	Weekly
15	Geeta Updes	Shri Geeta Satsang Bhawan, Ambala City/Kidar Nath	Ambala City	1962	Hindi	Weekly

16	Gur Sandesh	Sh. Nischal Singh / Sant Jai Dayal Singh	Yamunanagar	1961	Punjabi	Monthly
17	Gulmohar	Head Master, D.A.V. High School, Mustafabad/ Hari Ram	Mustafabad (Ambala)	1970	Eng, Hindi, Punjabi	Bi-Annual
18	Gandhi Path	Principal, G.M.N. College, Ambala Cantt/Om parkash Kahol	Ambala Cantt	1965	English/ Hindi/Punjabi/Sanskrit	Yearly
19	Gian Sheel	Principal D.A.V. College, Ambala City/Sh. Vidya Sagar	Ambala City	1964	English/ Hindi/Punjabi/Sanskrit	Yearly
20	Guru Nanak Updesh	Guru Nanak Mission Hospital and Educational Trust, Ambala City/S.S.S. Ram Singh	Ambala City	1961	Punjabi/English	Monthly

21	H.M.T. News Digest	M/s H.M.T. Ltd., Pinjore/M.K. Jaura	Pinjore (Ambala)	1968	English	Monthly
22	International Book News	Satish Kumar- Amrit Lal	Ambala Cantt.	1968	English/ Hindi	Monthly
23	Jan Mat	Krishan Lal Pundir	Yamunanagar	1970	Hindi	Fortnightly
24	Magazine S.D. Higher Secondary School	Shanti Sarup Sharma	Jagadhri	1968	English/ Hindi/Punjabi/Sanskrit	Yearly
25	Morni	Jagdish Chander Sharma/Prem Nath	Sadhaura	1969	Eng/Hindi/ Punjabi	Yearly
26	Medhavi Chhatra	Pushkar Nath Peer	Ambala Cantt.	1969	English/ Hindi	Quarterly
27	M.L.N. College Magazine	M.L.N. College Trust/Prof. S. Mailk	Yamunanagar	1960	English/ Hindi/Punjabi/San	Bi-Annual

					skrit	
28	Mera Desh	Sh. Ram Chander	Ambala City	1970	Urdu	Weekly
29	News Bulletin	D.A.V. College, Lahore, Ambala City/T.R. Vaid	Ambala City	1968	English	Bi-Annual
30	Ownward	Dev Sama College for girls/Miss Sunita Bala	Ambala City	1950	English/ Hindi/Punjab/Sankrit	Annual
31	Parkash Metal Repart	Parkash Metal Industries/J.P. Goel	Jagadhri	1954	English/ Hindi	Fortnightly
32	Pahu Phutala	Punjab Trat Society, Bazar Radha Kishen, Ambala City/Giani Balwant Singh	Ambala City	1970	Punjabi	Monthly
33	Rupmbra	Kahani Lekhak Mahavidayalaya, Ambala City/	Ambala Cantt.	1969	Hindi	Monthly

		Maharaj Kishen Jain				
34	Shibu Metal Market Report	Shibu Metal Works/Shanti Sarup Garg	Jagadhri	1954	English/ Hindi	Fortnightly
35	Sohla	Tara Chand Verma	Ambala Cantt	1953	Urdu	Weekly
36	Student Magazine	M.C. Jolly/P.c. Nhatia	Ambala Cantt	1934	English	Monthly
37	Suveer	R.N. Dass/V.S. Seth	Sadhaura	1969	Eng/Hindi/ Punjabi	Annual
38	Shivalak Mukt	Principal, J.B.T. Govt. School, Naraingarh/ Mahipal Singh Kanwar	Naraingarh	1970	English/ Hindi/Punjabi	Bi-Annual
39	Tesa Flash	General Secretary, Tesa Central Headquarter/ S.	Ambala Cantt.	1970	English	Quarterly

		Dayal				
40	Vijay Nand	Atma Nand Jain Mahasabha (Regd.) Ambala City/Prithvi Raj Jain	Ambala City	1956	Hindi	Monthly
41	Virmani Studio	S.P. Vermani	Ambala Cantt.	1967	Hindi	Twice a year
42	Vismad	Guru Nank Khalsa College, Yamuna Nagar/ Prof. Gurbachan Singh	Yamuna Nagar	1970	Eng, Hindi, Punjabi	Bi-Annual
GURGAON DISTRICT						
1	Aggarwal Metal Samachar	Aggarwal/Meal Pvt. Ltd., Rewari/Dhanna Mal Jain	Rewari	1950	Hindi	Weekly
2	Bharat Darshan	Bhim Sen Verma	Palwal	1962	Hindi	Weekly
3	Bharat Puttar	R.S. Sharma	Gurgaon	1966	Urdu	Weekly

4	Escort News	Escort Ltd./Rana Jang Bahdur Singh	Faridabad	1967	English/ Hindi	Monthly
5	Farm Extension Digest	Escort Ltd./Dr. G.R. Reddy	Faridabad	1969	English	Half-Yearly
6	Guide to Indian Periodical Literature	Parbhu Book Service, Gurgaon/Vijay Kumar Jain	Gurgaon	1963	English	Quarterly
7	Gharib Ki Aah	Chander Bal Kaushik	Gurgaon	1970	Hindi	Weekly
8	Haryana Lok Vani	Jagdish Chander Yadav	Gurgaon	1968	Hindi	Weekly
9	Haryana Parichayat	R. Nagpal/Jaginder Singh Sahni	Faridabad	1970	Hindi	Weekly
10	Haryana Doot	Bishan Dass Bhardwaj	Gurgaon	1969	Hindi	Weekly
11	Industrial Envoy	Eastern Wires Pvt. Ltd./ Kishan Chawla	Faridabad	1967	Hindi	Fortnightly

12	Irade	Gyan Chand Sharma	Gurgaon	1962	Urdu	Monthly
13	Indian Book Reporter	Parbhu Book Service/Satya parkash	Gurgaon	1964	English	Monthly
14	The International Law Reporter	Sh. Krishan Lal Chopra	Faridabad	1970	English	Monthly
15	Jan Rai	M.S. Rajnekar	Faridabad	1968	Hindi	Weekly
16	Jigyasa	Principal, K.L. Public College, Rewari/Ayodhya Parshad	Rewari	1966	English/ Hindi/Punjab/Sankrit	Bi-Annual
17	The Mewat	Gumani Ram Arya	Gurgaon	1963	Hindi	Daily
18	Modern Educator	Teachers Training College, Rewari/Miss. S. Tara	Rewari	1962	Hindi/ English	Annual
19	Meo Gazette	Hakim Ajmal Khan	Shikrawa (Gurgaon)	1958	Urdu	Weekly

20	Phoenix	Ahir College, Rewari/Dayal	Rewari	1948	English/ Hindi/Punjab/ Urdu	Annual
21	Public Opinion	K.L. Luthra	Faridabad	1966	Hindi	Weekly
22	Press Mazdoor	Radha Mohan Bhardwaj	Rewari	1970	Hindi	Weekly
23	Ramneek	Govt. College for women/ Miss Jaswant Kaur	Gurgaon	1961	English/ Hindi/Punjabi	Annual
24	Sunehri Bharat	Jai Dev Aggarwal	Gurgaon	1962	Hindi	Daily
25	Urdhwagami	S.D. College, Palwal/ M.P. Jain	Palwal	1959	Eng/Hindi/ Sanskrit	Annual

26	Youth Opinion	Sanehri Lal and Sohan La/ Sohan Lal	Balabgarh	1969	Hindi	Fortnightly
HISSAR DISTRICT						
1	Adarsh Bal Patrika	Ideal School for Children, Hisar/Dewan Dharm Chand	Hissar	1955	English/ Hindi	Monthly
2	Amar Jyoti	Bishnoi Sabha, Hissar/Ram Rikh Bishnoi	Hissar	1950	Hindi	Monthly
3	Adarsh Path	Manphool Singh Vidayarthi	Hissar	1970	Hindi	Weekly
4	Apna Haryana	Balbir Sharma/Parmanand Sharma	Bhiwani	1966	Hindi	Fortnightly
5	Avedan	Principal, D.N. Colleges, Hissar/	Hissar	1968	Eng/Hindi/	Annual

		Prof. S.K. Kandhari			Sanskrit	
6	Aaj Ki Halat	Dr. Shaym Parkash	Bhiwani	1969	Hindi	Weekly
7	Anshul	F.C. College for Women, Hissar/Miss Billa M.A.	Hissar	1963	English/ Hindi/Punjab/ Sanskrit	Annual
8	Aaj Ka Yug	Miss Sushila Gandhi	Bhiwani	1969	Hindi	Fortnightly
9	Bhiwani Patrika	Ramesh Kumar Khanna/ Om Parkash Pratyush	Bhiwani	1970	Hindi	Fortnightly
10	Bhola Graib	Dayal Singh Azad	Sirsa	1969	Punjabi/ Hindi	Monthly
11	Bal Vijay	Dharam Singh/ Rameshwar Dayal	Bhiwani	1969	Hindi/ English	Half Yearly

12	Bal Guru	Megh Raj Rahi/ Suresh Siri Vastava Nirkunsh	Vastava, Bhiwani	1971	Hindi	Weekly
13	Chetna	Dev Barat Vashishth	Bhiwani	1957	Hindi	Weekly
14	Chander Lekha	Principal, C.R.M. Jat College, Hissar/ Suraj Bhan	Hissar	1970	English/ Hindi/Punjab/ Sanskrit	Annual
15	Contractors Views	Prem Parkash Sandhir	Bhiwani	1969	Eng/Hindi	Fortnightly
16	Dharmodaya	Prem Chand Gupta	Hissar	1969	Hindi	Monthly
17	Ghaggar	Principal C.R.M. Jat College, Hissar/S. Pal	Hissar	1969	Hindi/Eng.	Annual
18	Gyan Uday	Manu Datt Sharma	Hissar	1948	Hindi	Weekly

19	Gian Dhawaj	Principal Vaish Higher Secondary School, Bhiwani/Ram Kishen Vashist	Bhiwani	1967	Hindi, Eng	Annual
20	Ghaggar	Sirsa Educational Society, Sirsa/ O.P. Khosla	Sirsa	1958	Eng/Hindi/ Punjabi/ Sanskrit	Four Monthly
21	Hansi Times	Mehta Sita Ram	Hansi	1970	Hindi	Monthly
22	Hissar Mill Patrika	Delhi Cloth Mills/Delhi/J.P. Sangal	Hissar	1962	Hindi	Fortnightly
23	Haryana Sandesh	Seth Mahes Chander	Hissar	1950	Hindi/ English	Weekly
24	Haryana Keshari	Ishwar Dass Jain	Hissar	1966	Hindi/ English	Weekly
25	Harijan Kesari	Surjan Singh	Bhiwani	1970	Hindi,	Fortnightl

		Bhushan			Eng	y
26	Hissar Times	Misri Lal	Hissar	1970	Hindi, Eng	Weekly
27	Haryana Kheti	Directorate of Extension Education, Haryana Agricultural University, Hissar/ K.C. Mehta	Hissar	1969	Hindi	Monthly
28	Indian Journal of Weed	Indian Society Week Sicence/ Dr. M.K. Mulani	Hissar	1969	English	Six-Monthly
29	Kansow	Principal Govt. College, Sirsa/Sudesh Kumar Mahajan	Sirsa	1970	Eng/Hindi/ Punjabi	Annual
30	Lok Guru	Suresh Siri Vastava Nirkunsh	Bhiwani	1970	Eng, Hindi	Fortnightly

31	Morning Star	Government College, Hisar P.N. Sharma	Hissar	1965	English/ Hindi/Punjab/ Sanskrit	Quarterly
32	Mast Badal	Dr. Mahadev Parshad	Bhiwani	1968	Hindi	Fortnightly
33	The Magazine of Agriculture, college of Hisar	College of Agriculture P.A.U. Hisar/D.S. Gupta	Hissar	1965	English/ Hindi/Punjab	Annual
34	Nanak Jot	Principal, Guru Nanak College, Mandi Dabwali/ Inderjit Singh Tulsi	Dabwali	1958	Eng/Hindi/ Punjabi, Sanskrit	Bi-Annual
35	New Educator	Principal K.K. college Bhiwani/Chuni Lal Vishan	Bhiwani	1962	English/ Hindi/Punjab	Annual

36	Nyaye Path	Bishan Sarup	Hisar	1962	Hindi	Weekly
37	Partap Jyoti	Mrs. Chandravashwani, Principal, Mahinder Partap College for Women, Dabwali Pusap Manan	Dabwali	1970	Eng, Hindi, PunjabI	Annual
38	Purvi Punjab	Ram Sarup Mittal/Desh Bandhu Gupt	Bhiwani	1960	Hindi	Weekly
39	Satyug	Namdhari Panth/Gurdial Singh	Jiwan nagar (Hissar)	1957	Punjabi	Weekly
40	Samjhota	Suresh Siri Vastava and Kailash Parshad Singh/ Suresh Siri Vastava	Bhiwani	1970	Hindi	Monthly

41	Virjee Market Report	M/S Dharan Chand-Sant Lal/Vir Bhan Jain	Tohana	1965	English/ Hindi/ Urdu	Bi-Weekly
42	Vyapar Vani	Ram Kumar Gupta	Hissar	1970	Hindi	Monthly
43	Waqt ki Awaz	Madan Lal Baghi	Hisar	1953	Hindi	Weekly
JIND DISTRICT						
1	Bhuteshwar	Principal, Government College, Jind/ O.P. Gupta	Jind	1970	Eng, Hindi, Punjabi	Twice a year
2	Drust Gaftar	Faqir Yogi	Jind	1970	Urdu	Weekly
3	Dev Bhoomi	Jai Dev Goel	Jind	1968	Hindi	Weekly
4	Padmakar	Principal Government Higher Sec. School, Jind/ D.R. Sharma	Jind	1970	Hindi, English	Annual
5	Rajata Yammini	Kamla Memorial	Narwana	1969	Hindi,	Annual

		College, Narwana/Jagdish Chander Sharma			Eng, Sanskrit, Punjabi	
6	Ravinder Jyoti	Gobind Ram/Kewal Krishan	Jind	1969	Hindi	Monthly
7	Satra Bharti	Shyam Swrup Bansal/ Ram Sarup Gandhi	Jind	1970	Hindi	Weekly
8	Sahitya Lehri	Arya Higher Sec. School, Narwana/ Ravinder Kumar Garg	Narwana	1970	Hindi, Eng, Sanskrit	Annual
KARNAL DISTRICT						
1	Arya Keshri	Mela Ram Bar	Karnal	1967	Hindi, Urdu	Fortnightly
2	Arun Jot	Vishnu Datt Sharma/ Faqir Chand	Karnal	1970	Hindi	Fortnightly
3	Aggarsar	Arya Hight Scholl	Panipat	1954	English/	Half

		Painipat/Harish Chander Bhatnagar			Hindi	Yearly
4	Amrit	Sunder Lal Dhawan	Karnal	1937	Urdu	Weekly
5	Amar Haryana	G.S. Bakshi	Karnal	1969	Urdu	Monthly
6	Arya Shapath	Sh. Ram Parshad/ Sant Kumar Aggarwal	Thanesar	1969	Hindi, Eng, Sanskrit	Six Monthly
7	Adami Aur Insan	Sunder Chaudhry	Karnal	1970	Hindi	Fortnightly
8	Bharatari	I.B. College, Panipat/ H.C. Sharma	Panipat	1968	Eng, Hindi, Punjabi, Sanskrit	Annual
9	College Eches	Mrs. Bibhuti Patel	Karnal	1964	Hindi/English/Punjabi/Sanskrit	Bi-annual

10	Chettan	Bal Krishen Muztar	Kurushetra	1969	Hindi	Fortnightly
11	Cohesion	SH. Raghbir S. Bhatia/ Dr. Vikas Misra	Karnal	1969	English	Bi-Annaul
12	Daulat ki Barish	Narain Dass Dhamija	Panipat	1941	Urdu	Monthly
13	Dehshat	Khazan Singh	Karnal	1966	Urdu/HIndi	Weekly
14	Dairy Science College Magazine	Students Union, Dairy, Science College/ M.R. Siri Vastva	Karnal	1967	Eng, Hindi	Annual
15	Gram Bhavna	Gandhir Samark Nidhi Patti Kalyana (Karnal)/Jagdish Chander	Patti Kalyana (Karnal)	1964		Monthly
16	Grey Kunj	Sainki School, Kunjpura (Karnal)/Lf.	Karnal	1962	Hindi	Bi-

		Col. E.J. Siman				Annual
17	Gyan Anjli	R.K.S.D. College, Kaithal/S.C. Sehal	Karnal	1962	Hindi/English/	Bi-Annual
18	Glory of Education	D.A.V. College of Education for Women, Karnal/ R.N. Chandna	Karnal	1969	Eng, Hindi	Yearly
19	Gita Jyoti	Devi Dayal Nanha	Kurukshetra	1970	Hindi	Fortnightly
20	Haryana Leader	Ramesh Chander	Karnal	1966	Urdu/ Hindi	Weekly
21	Haryana Darpan		Karnal	1964	Hindi	Weekly
22	Harmony	Daya Singh College, Karnal A.N. Kapoor	Karnal	1949	Hindi	Bi-Annual
23	Hakumat Se Insaf	Mani Ram Gupta	Karnal	1969	Urdu, Hindi	Monthly

24	Hem Sanchika	Dharampaul Sngh/ Prem Cand	Karnal	1969	Hindi, Eng	Annual
25	Himachal	Mahesh Chander Aggarwal	Karnal	1969	English	Weekly
26	Haryana Bhoomi	V.N. Sudhakar	Panipat	1969	Hindi	Weekly
27	Inder Vani	L.B.L. Bh. Higher Secondary School, Panipat/ Kanwal Nain Batra	Panipat	1970	Eng, Hindi, Punjabi, Sanskrit	Bi-Annual
28	Indian Journal of Science and Industry	Rameshwar Dass Goel/ Dr. N.C. Ganguli	Karnal	1968	English	Quarterly
29	Janam Bhoomi	Rajpal Bhatia	Karnal	1966	Urdu	Weekly
30	Jan Vani	Mahesh Chander Aggarwal	Karnal	1969	Hindi	Weekly
31	Jalti Jot	Raj Kumar Anand/S.K. Goel	Karnal	1969	Hindi, Urdu	Quarterly

32	Journal of Haryana Studies	Kurushetra University/ K.C. Yadav	Kurukshetra	1969	Hindi, Eng	Bi-Annual
33	Karnal Times	Lala Ram Gupta	Karnal	1958	Hindi/ Urdu	Weekly
34	Khushdil	Gurnam Singh Khushdil	Karnal	1964	Urdu	Monthly
35	Kurukshetra University Journal of Art and Humanity	Kurukshetra University/ Dr. Bal Kirshen Kalia	Kurukshetra	1969	Eng, Hindi	Bi-Annual
36	Krishi Andholan	Ram Sarup Gandhi	Karnal	1968	Hindi	Monthly
37	Karam Kshetra	Srimad Bhagwad Gita VidayalAYA, Kurukshetra/ Keshwa Nand	Kurukshetra	1969	Hindi, Sanskrit	Annual
38	Kalash	S.D. College, Panipat/ Baldev Raj	Panipat	1970	Eng, Hindi,	Annual

		Sethi			Sanskrit	
39	Murakh	Kali Ram Murakh	Karnal	1969	Hindi, Urdu	Monthly
40	Mazdoor Bhai	Sain Dass Nijhawan	Karnal	1968	Hindi	Monthly
41	The Magazine of College of Agriculture, Kaul	College of Agriculture/ Om Pal Singh	Kaul (Karnal)	1970	English, Hindi	Annaul
42	Mahan Bharat	Nand Kishore Shandalaya	Karnal	1970	Hindi, Urdu	Weekly
43	Nagar Pukar	Dr. Sunder Lal Arya/ Dr. B. Krishna	Karnal	1964	Urdu/ Hindi	Fortnightly
44	Nirala Jogi	Hari Chand Multani	Panipat	1960	Urdu	Monthly
45	Nirala Jogi	Hari Chand Multani	Panipat	1960	Urdu	Monthly
46	Punjab Sarvodaya Patrika	Trush Khadi Ashram, Panipal/Som Datt Vidayalankar	Panipat	1960	Hindi	Monthly

47	PundriK	D.A.V. College, Pundri/ Kishore Kumar Sirohi	Pundri (Karnal)	1970	Eng, Hindi, Sanskrit	Annual
48	Parteek	Amarjit Singh	Karnal	1965	Punjabi	Quarterly
49	Sthaneshwar	Principal, Govt. College, Kurukshetra/ V.P. Verma	Kurukshetra	1969	Eng, Hindi, Punjabi, Sanskrit	Bi-Annual
50	Talqueen	Sham lal Kapoor	Panipat	1963	Urdu	Weekly
51	Tumheed	Prithvi Raj Gupta	Karnal	1961	Urdu/ Hindi	Weekly
52	Tarika Filmi Dhamaka	Sunder Chaudhry	Karnal	1969	Hindi	Monthly
53	Voice of Holy Land	Sawmi-Hara Nand Sarswati/Swedesh Ranjain Ghosh	Kurukshetra	1958	English	Monthly
54	Vulcan	Regional/Engineering	Kurukshetra	1965	English/	Six-

		College/S.B. Lal			HIndi	monthly
55	Yamuna	Arya College, Panipat/Baldev Raj Sethi	Panipat	1965	English/ Hindi	Annual
56	Zamir Frosh	Rattan Lal Vaid	Karnal	1967	Urdu, Hindi	Monthly
MOHINDERGARH DISTRICT						
1	Haryana Times	Bishan Dass Bhardwaj	Narnaul	1970	Hindi	Daily
2	Maru Madhvi	Mohindergarh Degree College/ S.R. Sharma	Mohindergarh	1969	Eng, Hindi, Sanskrit	Annual
3	Syamsar	Dadri Eudcation Society/Dr. S.K. Khera	Charkhi Dadri	1966	Hindi/English/Punjabi/Sanskrit	Annual

4	Trid Hara	Government College Narnaul/ Raj Krishan Chopra	Narnaul	1960	Hindi/English/Punjabi/Sanskrit	Quartely
ROHTAK DISTRICT						
1	Ashok Chakar	Asa Nand	Sonepat	1964	Hindi	Monthly
2	Atlas Parwar	Atlas Cycle Industries. Sonepat/S.V. Malhotra	Sonepat	1956	Hini/Urdu	Quarterly
3	Ayurved Pardeep	Mahant Shreo Nath/Dr. Nishi Kant Sharma	Sonepat	1955	English/ Hindi	Annual
4	Adal	Ishwar Singh Azad	Rohtak	1968	Hindi	Fortnightly
5	Arya Doot	Devi Dayal Atish	Sonepat	1969	Hindi	Fortnight

						ly
6	Bharat Tek	Eudcation Society, Rohtak/ Rameshwar Nadan	Rohtak	1940	Hindi	Weekly
7	Bhola Insan	Bhart Singh	Rohtak	1959	Hindi	Fornightly
8	Bhairvi	H.W.H.M. College, Gohana/Kundan	Gohana	1969	Eng, Hindi, Sanskrit	Bi-Annual
9	Beopari Samaj	Harbhajan Dass Goel	Rohtak	1970	Urdu	Monthly
10	Co-operative Labour Gazette	The Rohtak District Co-operative Labour and Construction Union Ltd., Rohtak/Kishori Lal	Rohtak	1970	Urdu, Hindi	Fortnightly
11	Educand	Principal C.R. College, Rohtak/	Rohtak	1958	English/ Hindi/Ur	Annual

		Karan Singh Rohtak			du	
12	Gian Kunj	Vaish Hr. Sec. School, Rohtak/Ram Dittamal	Rohtak	1965	English/ Hindi/Punjabi	Annual
13	Hindi Haryana Tilak	Pt. Shri Ram Sharma/Mehar Chand	Rohtak	1961	Hindi	Weekly
14	Haryana Tilak	Pt. Sri Ram Sharma/Vishnu Datt	Rohtak	1961	Urdu	Weekly
15	Haryana Khushal	Mange Ram Rana	Rohtak	1970	Hindi	Weekly
16	Haryana Nirman	Ram Krishan Sharma	Rohtak	1966	Hindi	Daily
17	Heroes	Principal All India Jat H.M. college Rohtak/C.B.L.	Rohtak	1952	English/ Hindi/Sanskrit	Annual

		Asthana				
18	Haryana Shiromani	Rameshwar Das Nandan	Rohtak	1969	Hindi	Daily
19	Harijan Adhikar	Chandgi Ram/ Kartar Devi	Rohtak	1970	Hindi	Weekly
20	Jat Gazette	Chottu Ram Dalal	Rohtak	1964	Urdu	Weekly
21	Jagat Natra	Hargopal Sharma	Rohtak	1966	Urdu	Weekly
22	Jagta Insan	Jagat Ram	Rohtak			Weekly
23	Kar Yug	Roshan Lal Kumar	Rohtak	1970	Hindi, Urdu	Monthly
24	Mazdoor organizer	Rajinder Singh Sharma	Rohtak	1970	Urdu	Weekly
25	Mukti Path	Nar Kesh Publications/ Dr. C.	Sonepat	1969	Hindi	Monthly

		Vats Raj				
26	Motor Tractor Industries	Vas Dev Bansal	Rohtak	1970	Hindi, Urdu	Monthly
27	Narkeshi	Dr. C. Vats Raj	Sonepat	1965	Hindi	Weekly
28	Paigham	Devi Dayal Atish	Sonepat	1952	Urdu	Weekly
29	Pankaj	Principal HinduCollege/J.C. Sehalt	Sonepat	1959	English/ Hindi/Sanskrit	Anuual
30	Pursharthi Gazette	Krishan Lal Baghi	Rohtak	1964	Urdu	Weekly
31	Purani Yadan	Murari Lal Panwar	Rohtak	1969	Hindi	Weekly
32	Rishi Bharat	Prehlad Singh	Rohtak	1965	Hindi	Weekly
33	Rohtas	Principal Government College, Rohtak	Rohtak	1956	English/ Hindi/Sanskrit	Bi-Annual
34	Roshni	L.D. Tabassam	Sonepat	1952	Urdu	Weekly

35	Saini Samachar	Iswhwar Singh Saini	Rohtak	1968	Hindi	Fortnightly
36	Samaj Sandesh	Acharya Harish Chander	Rohtak	1960	Hindi	Monthly
37	Shaheed	Murari Lal Panwar	Rohtak	1968	Urdu	Monthly
38	Sonepat Productivity Council Newsletter	Sonepat Productivity Council/Jagdish Nath	Sonepat	1962	English	Two Monthly
39	Sudharak	Gurukul Jhajjar/Acharya Bhagwan Dev	Jhajjar	1953	Hindi	Monthly
40	Sukhdarshan	Government Union College, Bahadurgarh R.P. Oberoi	Bhahadurgarh	1970	Eng, Hindi, Sanskrit	Bi-Annual
41	Subhash Vad	Vinod Kumar Jain	Rohtak	1970	Hindi	Fortnightly
42	Tarun Deep	Akhil Bhartiya	Sonepat	1968	Hindi	Monthly

		Vidyarthi Parishad/Narinder Sehgal				
43	Tehquiqat	Com. Lachhman Dass	Rohtak	1960	Urdu	Weekly
44	Tehrik	Karam Singh/G.S. Chaudhry	Rohtak	1966	Hindi	Fortnightly
45	Twilight	Punjab University Evening College/K.A.A Kalia	Rohtak	1965	English/ Hindi/Punabi/Urdu	Annual
46	Udgam	Govt. Hr. Sec. School/ P.C. Jain	Rohtak	1965	English/ Hindi/Punabi	Bi-Annual
47	Vandana	Principal, Govt. College for Rohtak Women/Miss Vidaka Sharma	Rohtak	1961	English/ Hindi/Punabi/Sanskrit	Bi-Annual

48	Ved Vani	Ram Lal Kapoor Trust, Guru Bazar, Amritsar/ Yudhistra Mimanska	Sonepat	1948	Hindi/Sanskrit	Monthly
49	Vaish Shikshik, Shikshan Samasthan Patrika	Principal, Vaish College/ Davinder Kumar Chadha	Rohtak	1970	Eng, Hindi, Punjabi	Annual
50	Yajna Yog Jyoti	Vedic Bhagat Sadhu Asharam, Rohtak/Yajna Nand Sarswati	Rohtak	1964	Hindi	Monthly
51	Yug Vahak	Nehru College Jhajjar/ S.C. Arya	Jhajjar	1964	English/ Hindi/Punabi/Sanskrit	Half-Yearly

District-wise split up of Newspapers/Periodicals published in the State asit stood on 31st January, 1971.

Ambala	42
Gurgaon	26
Hissar	43
Jind	8
Karnal	56
Mohindergarh	4
Rohtak	51
Total	**230**

Theft cases registered in te State during the years 1969, 1970 and 1971 upto 13th January, 1971 Police Station-wise

***1096. Smt. Chandravati:** Will the Minister for Home be pleased to state:-

a) The number of theft cased registered in the State, Police Station-wise, during the years 1969-70, 1970-71 to-date;

b) The number out of those referred to in part (a) above in which thefts have been recovered together with the number of those in which ulpits have been punished; and

c) The number of the said cases, police station-wise which are pending in the courts at present?

Home Minister (Sh. K.L. Poswal): (a), (b) and (c) A statement containing the requisite information is given below.

Statement

Theft Cases registered in the Haryana State Police-Station-wise during the years 1969, 1970 and 1971 up to 13th January, 1971

Sr	Name of Police Station	Number of theft cases rgistered in the State Police Station wise during the years 1969, 1970 and 1971 up to 13th January, 1971			Number of cases out of those referred to in part (a) in which thefts have been recovered together with the number of those in which culprits have been punished						Number of cases Police Station-wise which are pending in the courts at present		
		(a)			(b)						(c)		
		Cases Registered			Cases Recovered			No. of cases in which accused punished			Cases Pending in Court		
		Year 1969	Year 1970	Year 1971	Year 1969	Year 1970	Year 1971	Year 1969	Year 1970	Year 1971	Year 1969	Year 1970	Year 1971

				Upto 13-1-71			Upto 13-1-71			Upto 13-1-71			Upto 13-1-71
HISSAR													
1	City Hissar	70	70	2	24	37	1	8	14		14	19	
2	Sadar Hisar	46	45	3	8	25		4	5		3	9	
3	Barwala	33	20	1	12	6		3	1		6	4	
4	Tohana	30	25	2	15	12		8	6		8	4	
5	Hansi	34	46	1	11	17		4	3		6	10	
6	Narnaul	21	20		9	10		3	2		3	3	
7	City Bhiwani	32	44		13	26		3	3		9	11	
8	Sadar Bhiwani	20	12		4	4			1		3	3	
9	Tosham	11	13		4	4		1	1		2	1	

10	Siwani	12	9	1	7	5	1	2	1		4		
11	Loharu	7	12		1	3		1	1			1	
12	Fatehabad	22	26		10	10		5	2		3	3	
13	Bhuna	9	12		3	3		1			1	2	
14	City Sirsa	14	21		4	12		2			2	4	
15	Sadar Sirsa	26	12		7	5		2			5		
16	Ratia	19	20		3	9		1			1	6	
17	Rania	13	6		5	4		4				2	
18	Bara Gudha	8	5		5	5		3			1	2	
19	Dabwali	14	11		6	5		4			2	3	
20	Railway, Hissar	39	48	1	16	32		10	6		5	9	
	Total	**481**	**487**	**11**	**157**	**234**	**2**	**69**	**46**		**78**	**96**	
1	**2**	**3**	**4**	**5**	**6**	**7**	**8**	**9**	**10**	**11**	**12**	**13**	**14**

ROHTAK													
1	City Rohtak	91	120		64	76		32	32		7	19	
2	Sadar Rohtak	30	18		18	8		6			5	3	
3	Kalanaur	12	9	3	6	4		5	4		1		
4	Sampla	27	19	3	18	16		11	5		5	5	
5	Jhajjar	40	41		16	18		3	5		6	7	
6	Bahadurgarh	28	28	1	15	14		5	2		7	9	
7	Beri	19	6		10	2		6			3	1	
8	Salahwas	19	17	1	8	9	1	1			5	1	
9	City Sonepat	28	44	1	12	24		4	12		1	7	
10	Sadar Sonepat	22	23	1	8	16		4	2		1	3	
11	Ganaur	28	30	1	17	24		5	6		10	8	
12	Rai	26	15		14	7		6	2		2	1	

13	Gohana	23	18		14	14		3	3		4	8	
14	Meham	23	13		9	7		2	2		5	3	
15	Baroda	16	10		6	6		2	2		4	3	
16	Railway	3	1		2	1		2				1	
	Total	**435**	**412**	**11**	**237**	**246**	**1**	**97**	**77**		**66**	**79**	
GURGAON													
1	Sadar Gurgaon	31	25	1	23	16		17	6			8	
2	City Gurgaon	34	36	2	17	20		13	7		1	4	
3	City Rewari	11	13		8	7		7	4			3	
4	Sadar Rewari	17	27		7	15		5	3		1	12	
5	Khol	12	12		7	7		6	1		1	6	
6	Bawal	5	6	1	1	5	1	1	3			2	
7	Jatusana	7	2		4			4					

8	Pataudi	19	11	1	6	5		6	1			4	
9	Suhana	22	12		12	8		9	3		2	5	
10	Nuh	18	17	1	10	14	1	6	6		4	8	
11	Hathin	5	6		4	4		2			2	4	
12	Tauru	6	6		4	2		3	1			1	
13	F.P. Jhirka	35	27	1	28	22	1	15	8		13	14	
14	Punhana	14	16			5		10	3			2	
15	Balabgarh	22	33		9	24		6	8		2	15	
16	Faridabad	50	50		20	27		15	14		4	13	
17	Chhansa	10	9		3	6		3				6	
18	Palwal	50	34		36	23		17	7		13	11	
19	Hassanpur	24	21		9	14		8	5			8	
20	Farukhnagar	12	3	1	2	1		2				1	

21	Railway Rewari	49	37		27	12		19	8		8	4	
	Total	**453**	**403**	**8**	**237**	**237**	**3**	**174**	**88**		**51**	**131**	
KARNAL													
1	Sadar Karnal	120	112	3	61	36		9	7		37	20	
2	City Karnal	36	22		34	10		12	3		8	4	
3	Gharaunda	26	32		18	12		2	1		12	9	
4	Indri	12	9		6	3		1			1	1	
5	Butana	34	20		11	8		2	5		6	3	
6	Nissing	14	8		8	2					5	2	
7	Sadar Panipat	57	60	2	26	19		6	3		12	12	
8	City Panipat	23	59	2	16	24	1	5	6		9	12	
9	Smalkha	29	35		24	10		7	3		14	6	
10	Urlana	15	12		7	5		1			4	4	

11	Thanesar	38	37	3	21	16	1	13	4		4	10	
12	Shahabad	18	23	1	10	9		2	5		6	3	
13	Ladwa	11	19		8	11		1	2		5	7	
14	Radaur	4	8		3	3					2	2	
15	Thaska	5	13	1	3	6		1			1	4	
16	Sadar Kaithal	32	24		22	14		11	3		9	9	
17	City Kaithal	7	39		7	25			7		6	15	
18	Gulha	16	10		13	3		7			5	3	
19	Pehowa	28	24	1	19	14	1	8	2		8	10	
20	Rajaund	20	21	1	12	14		3	3		8	9	
21	Assandh	14	26	2	10	15		2	3		5	10	
22	Pundri	15	23	1	11	10		1	2		9	7	
23	G.R.P. Karnal	21	27	1	14	14		9	3		4	8	

	Total	**594**	**663**	**18**	**354**	**283**	**3**	**103**	**62**		**180**	**170**	
AMBALA													
1	Ambala Cantt.	72	76	4	40	42	3	12	17		2	19	
2	Ambala City	62	53	3	34	36	2	14	15		7	10	
3	Ambala Sadar	31	35	1	22	10		3	5		11	10	
4	Mullana	23	21		12	7		2	1			2	
5	Jagadhri	26	33	2	22	25	1	7	5		6	9	
6	Yamuna Nagar City	42	27	1	33	19		18	10		2	9	
7	Yamuna Nagar Sadar		12	2		5	2		3			2	
8	Chhapar	15	10		10	4		3	2		3	2	
9	Bilaspur	11	6		9	5		2	1		4	3	
10	Chhachhrauli	9	7		5	3		1			2	3	

11	Raipur Rani	6	7		3	4		1	1		1	3	
12	Sadhaura	5	3		3	5		1	1		1	4	
13	Naraingarh	10	12		5	7		3	7			2	
14	Chandimandir	14	6		8	3		2				1	
15	Kalka	3	6		2	3		2	1			1	
16	Pinjore	7	7		4	4		2	2		1	2	
17	GRP/Ambala Cannt.	54	41		35	27		14	3		2		
18	GRP/Kalka	11	5		5	2		3					
	Total	**401**	**372**		**252**	**211**		**90**	**84**		**42**	**82**	
NARNAUL													
1	Narnaul	23	30	2	12	16	2	9	7		1	7	
2	Nangal Chaudhri	11	6	1	7	5		3	2		3	3	

3	Ateli	9	9		7	3		1	2		5	1	
4	Satnali	13	4		9	1		2			1		
5	Kanina	9	14		3	9		3	2			1	
6	Mahendragarh	12	10	1	11	7	1	8	1	1	3	3	
7	Dadri	38	25	1	27	17	1	16	2		4	10	
8	Badhra	2	4		1						1		
9	GRP/Rewari	16	9		1	4			1		1	3	
	Total	**133**	**111**	**5**	**78**	**62**	**4**	**42**	**17**	**1**	**19**	**28**	
JIND													
1	Jind	36	40	1	13	17		7	4		4	8	
2	Jullana	9	7		3	2		1	1		1	1	
3	Safidon	17	15		6	4		2	2		3	1	
4	Narwana	42	37	1	14	14	1	11	2			10	

5	Kalayat	32	18		7	7		3	1		4	4	
6	GRP/Jind	17	14	1	7	7	1	5	5		2		
	Total	**143**	**131**	**3**	**50**	**51**	**2**	**29**	**15**		**14**	**24**	

Nazul Land

***112. Sh. Daya Krishan:** Will the Minister for Revenue be pleased to state:-

a) The total area of nazul land with district wise break-up which remained un-alloted as on 1-1-71;

b) The reasons for not allotting the land referred to in part (a) above so far; and

c) The time to be taken in allotting the said land together with the conditions of allotment.

राजस्व मंत्री (श्री नेकी राम): नजूल (escheat) भूमि का जिलेवार बेरवा इस प्रकार है:—

(ए)

	एकड़	कनाल	मरले
हिसार	50	2	11
रोहतक	409	1	10
गुड़गांव	256	4	5
करनाल	496	2	14
अम्बाला	104	0	0
नारनौल	0	7	16

जीन्द	123	3	19
कुल जोड़	**1440**	**6**	**15**

(बी) उपरोक्त मद (ए) में दी गई भूमि में से 28 एकड़ 1 कनाल 11 मरले करनाल में और 1 एकड़ अम्बाला में रहन है, जिला करनाल में 11 एकड़ 3 कनाल 18 मरला पर लोगों का नाजाज कब्जा है। जिला हिसार, करनाल व नारनौल में क्रमशः 34 एकड़ 2 कनाल 17 मरला 21 एकड़ 4 कनाल 2 मरला व 0 एकड़ 7 कनाल 16 मरला भूमि के मुकदमें चल रहे हैं। जिला गुड़गांव में 125 एकड़ 2 कनाल 11 मरला जमीन दरया बुर्द है और अम्बाला में 16 एकड़ भूमि बंजर है जो अलाट करने के योग्य नहीं है बाकी 1202 एकड़ जमीन को अलाट करने के प्रयत्न किये जा रहे हैं।

(सी) राज्य के सभी उपायुक्त बकाया जमीन को शीघ्रातिशीघ्र निपटाने के प्रयत्न कर रहे हैं। परन्तु कोई निश्चित तिथि नियत नहीं की जा सकती। झगड़े वाली जमीन के मुकदमें अदालतों में चल रहे हैं, निपटाने की इसलिये भी ठीक–ठीक तिथि निश्चित नहीं की जा सकती क्योंकि यह निपटान अदालत के निर्णय पर निर्भर है।

(2) नजूल लैंड ट्रांसफर रूल्ज, 1956 की हिदायतों के अनुसार नजूल भूमि अलाट की जाती है।

Additional Expenditure incurred on Deputy Minister

***1152. Sh. Randhir Singh:** Will the Chief Minister be pleased to state the additional monthly expenditure being incurred as a result of appointing the State Parliamentary Secretaries as Deputy Ministers?

मुख्य मंत्री (श्री बंसी लाल): कुछ नहीं बल्कि Deputy Minister की emoluments Parliamentary Secretaries से 100 रू. per mensem कम हैं।

PRESENTATION OF BUDGET FOR THE YEAR 1971-72

Mr. Speake: The Finance Minister will now present the Budget for the year 1971-72.

वित मंत्री (श्रीमति ओम प्रभा जैन): श्रीमान्

प्रस्तावना

आज जब मैं सन् 1971–72 के बजट अनुमानों को प्रस्तुत करने के लिये खड़ी हुई हूं तो मुझे हमारी सफलताओं पर बहुत गर्व का अनुभव हो रहा है। मुझे विश्वास है कि माननीय सदस्य इस बात पर मुझ से सहमत होंगे कि चालू वर्ष राज्य में शानदार तरक्की और विकास का वर्ष रहा है। आर्थिक प्रगति के

सूचक जो आंकड़े हमारे पास उपलब्ध हैं, वे इसे पूरी तरह सिद्ध करते हैं। राज्य की वास्तविक प्रति व्यक्ति आय जो सन् 1968–69 में केवल 342 रू. थी, वर्ष 1969–70 में बढ़कर 430 रूपये प्रति व्यक्ति हो गई है। यह वृद्धि 26 प्रतिशत की है जबकि उसी दौरान देश की प्रति व्यक्ति आय में 3.1 प्रतिशत की वृद्धि हुई। इस प्रकार अब हरियाणा देश में सबसे अधिक प्रति व्यक्ति आय वाले तीन राज्यों में से एक हो गया है।

आर्थिक स्थिति

रोजगार के अवसर जुटाने की दिशा में भी हरियाणा राज्य पिछले वर्ष सारे देश में प्रथम रहा है। संगठित क्षेत्र में रोजगार पाने वालों की संख्या 239603 से बढ़कर 259433 हो गई। यह वृद्धि 8.3 प्रतिशत की है और इसके मुकाबले में समूचे देश में केवल 2.4 प्रतिशत की वृद्धि हुई। पिछले वर्ष के दौरान राज्य में रोगार कार्यालयों के जरिये 27992 व्यक्तियों को रोजगार दिया गया। इससे हरियाणा के रोजगार कार्यालयों में दर्ज 18.9 प्रतिशत व्यक्तियों को नौकरियां मिली जबकि समूचे देश के लिये यह प्रतिशत दर केवल 10.3 थी।

कृषि के क्षेत्र में अपनाई जा रही नई नीति और अनुकूल मौसम के कारण राज्य में आज तक सबसे अधिक अनाज पैदा हुआ। अनाज की उपज वर्ष 1968–69 के 27.64 लाख मीटरी

टनों से बढ़कर वर्ष 1969–70 में 46.26 लाख मीटरी टन हो गई। इस प्रकार चौथी योजना का निर्धारित लक्ष्य उसके पहले वर्ष में ही प्राप्त कर लिया गया। गेहूं की पैदावार 1968–69 के 15.3 लाख मीटरी टन से बढ़ कर 1969–70 में 21.47 लाख मीटरी टन हो गई। यह वृद्धि 40 प्रतिशत की है। इसी अवधि में चावल की पैदावार 2.72 लाख मीटनी टन से 3.72 लाख मीटरी टन हो गई। इसी प्रकार कपास की पैदावार 3.37 लाख गांठों से बढ़कर 3.39 लाख गांठे, गन्ने की 6.69 लाख मीटरी टन से बढ़कर 7.92 लाख मीटरी टन और तिलहन की 43000 मीटर टन से बढ़कर 89000 मीटरी टन हो गई। 1961–62 पर आधारित कृषि उत्पादन सूचकांक जो वर्ष 1968–69 में 119.70 था, वर्ष 1969–70 में 181. 11 हो गया। इससे 50 प्रतिशत से भी अधिक की वृद्धि प्रदर्शित होती है।

वर्ष 1969–70 की भारी उपज का प्रभाव कृषि पदार्थों के मूल्यों पर भी अनुकूल रहा है। इन पदार्थों की थोक कीमतों का औसन–सूचकांक राज्य में जनवरी से अक्तूबर 1970 तक पिछले वर्ष की इसी अवधि के मुकाबले में 2.8 प्रतिशत कम हो गया। इसकी तुलना में इसी अवधि के दौरान अखिल भारतीय सूचकांक 7 प्रतिशत बढ़ गया। दूसरी और सरकार ने अनाज खरीदने की अपनी नीति से यह सुनिश्चित किया कि किसानों को अपनी उपज का पूरा मूल्य मिलता रहे। वर्ष 1970 में 4.82 लाख मीटरी टन गेहूं

खरीदा गया था। इस वर्ष 1.80 लाख मीटरी टन के लक्ष्य से भी अधिक चावल खरीदे जाने की पूरी संभावना है।

राज्य के चहुंमुखी आर्थिक विकास में औद्योगिक क्षेत्र का भी पूरा योगदान रहा है। वर्ष 1968–69 के 19.94 करोड़ रूपये के सूती कपड़े के उत्पादन के मुकाबले मं 1969–70 में 24.83 करोड़ रूप्ये का उत्पादन हुआ। इसी अवधि में ट्रैक्टरों का उत्पादन 5845 से 8213 साइकलों का 3.69 लाख से 4.41 लाख, कागज का 40000 मीटरी टन से 86000 मीटरी टन और सीमेंट का 4.90 लाख मीटरी टन से 5.29 लाख मीटरी टन हो गया।

वितीय स्थिति

पिछले वर्ष में हुई आर्थिक प्रगति के कारण राज्य के साधनों में भी काफी सुधार हुआ है। वर्ष 1969–70 की 85 करोड़ रूप्ये की प्राप्ति की तुलना में इस वर्ष संशोधित अनुमानों के अनुसार 99.82 करोड़ रूप्ये की राजस्व प्राप्ति (Revenue Receipts) की संभावना है। अगल वर्ष इन प्राप्तियों के 113 करोड़ रूप्ये हो जाने की आशा है। साधनों में हुए इस सुधार से सराकर के लिये आर्थिक विकास की गतिविधयों पर और अधिक व्यय करना संभव हो सका है।

लेखे 1969–70

वर्ष 1969–70 के संशोधित अनुमानों के अनुसार 5.89 करोड़ रूपये के घाटे का ख्याल था परन्तु वर्ष की समाप्ति पर वास्तविक घाटा केवल 2.31 करोड़ रूपय का ही रहा। इसके मुख्य कारण पूंजीगत खर्चे में 4.67 करोड़ रूपये की बचत और जमा अनुभाग (Deposit Section) में 5.03 करोड़ रूप्ए की अधिक प्राप्ति थे जिसमें से अधिक कर्जे दिये जाने और ऋणों की प्राप्तियों में निवल (Net) कमी हो जाने के कारण 6.47 करोड़ रूप्ये की कमी हो गई।

संशोधित अनुमान 1970–71

वर्ष 1970–71 के संशोधित और वर्ष 1971–72 के बजट अनुमानों की तुलनात्मक स्थिति इस प्रकार है:–

(रूपये लाखों में)

		बजट अनुमान 1970–71	संशोधित अनुमान 1970–71	बजट अनुमान 1971–72
		रू0	रू0	रू0

(1)	प्रारम्भिक बकायाः–			
(क)	लेखा पुस्तकों के अनुसार	(-) 589	(-) 231	(-) 749
(ख)	खजाना बिलों में निवेश	527	594	594
(2)	राजस्व लेखाः–			
	आमदनी	9244	9982	11320
	खर्च	9060	9564	10511
	बचत (+)	(+) 184	(+) 418	(+) 809
	घाटा (-)			
(3)	पूंजीः–			
	खर्च (निवल)	1832	2354	3337
(4)	सार्वजनिक ऋणः–			
	लिया गया ऋण	5197	5085	6075
	वापस की गई	4613	3933	4242

	रकम			
	निवल	(+) 584	(+) 1152	(+) 1833
(5)	कर्जे तथा पेशगियांः–			
	पेशगियां	1829	1671	1886
	वसूलियां 1221	1221	932	1182
	निवल	(+) 608	(+) 739	(+) 704
(6)	अन्तर्राज्य समंजन		(-) 32	(-) 105
(7)	फुटकर निधि			
(8)	अनिधिक ऋण निवल	(+) 78	(+) 176	(+) 180
(9)	जमा तथा पेशगियांः–			
	निवल	(+) 940	(+) 868	(+) 924
(10)	प्रेषक	(-) 7	(-) 7	(-) 7
(11)	अन्तिम बकायाः–			

(क)	लेखा पुस्तकों के अनुसार	(-) 1250	(-) 749	(-) 1156
(ख)	प्रतिभूतियों में निवेश	527	594	594

चालू वर्ष के संशोधित अनुमानों से यह स्पष्ट है ि कइस वर्ष राज्य की वितीय स्थिति में काफी सुधार हुआ है। बजट अनुमानों मं दर्शाया 12.50 करोड़ रूपये का घाटा अब केवल 7.49 करोड़ रूपये रह गया है। यह सुधार विकास के कामों पर और भी अधिक खर्चा करने के बावजूद हुआ है। माननीय सदस्यों की सूचना के लिये अब मैं संक्षेप मे इस सुधार के कारणों पर कुछ कहूंगी। इसके कारणों का विस्तारपूर्वक विवरण वित सचिव के ज्ञापन (Memorandum) में है।

संशोधित अनुमानों के अनुसार राजस्व आया बजट अनुमानों से 7.38 करोड़ रू. तक अधिक होने की संभावना है। इसका मुख्य कारण करों तथा शुल्कों से होने वाली आय में संभावित वृद्धि है। इसके मूल में राज्य की आर्थिक प्रगति और विकास ही है। मदिरा–निषेध नीति में मामूली सा परिवर्तन, राज्य करों की अधिक अच्छी वसूली, केन्द्रीय करों तथा शुल्कों से राज्य के हिस्से में आने वाली आय में बढ़ोतरी तथा अधिक कर्जे प्राप्त होने से भी राज्य की आय में वृद्धि हुई है।

अतिरिक्त राजस्व प्राप्तियों का उपयोग अधिक राजस्व तथा पूंजीगत व्यय को बढ़ाने में किया गया। राजस्व खर्च में 5.04 करोड़ रू0 और पूंजी खर्च में 5.22 करोड़ रू0 की वृद्धि हुई है। राजस्व खर्चे में वृद्धि शिक्षा,, चिकित्सा तथा जन–स्वास्थ्य सेवाओं का योजना परिव्यय बढ़ जाने तथा सिंचाई, नहरों, सड़कों तथा भवनों को ठीक हालात में रखने और उनकी उचित मुरम्त पर अधिक खर्च करने के कारण हुई है। मुरम्मत पर खर्चे की वृद्धि हमारी सम्पति को ठीक हालत में रखने की सरकारी नीति के अनुरूप की गई है। पूंजीगत खर्च में मुख्य रूप से वृद्धि सरकार द्वारा अब उठाये गये भारी सड़क निर्माण कार्यक्रम के कारण हुई है।

संशोधित अनुमानों के अनुसार सार्वजनिक ऋण के अधीन बजट अनुमानों से 5.68 करोड़ रू0 की वृद्धि हुई है। इसका मुख्य कारण यह है कि हमारे प्रयत्नों से छोटी बचत स्कीम के अधीन धन जमा हुआ जिसके परिणाम स्वरूप भारत सरकार से 3. 88 करोड़ रू0 के अधिक कर्जे मिले। राज्य सरकार द्वारा लघु सिंचाई निगम (Minor Irrigation Corporation) को तथा शहरी सम्पदा, फरीदाबाद के क्षेत्र में बिजली पहुंचाने के लिये बिजली बोर्ड को अधिक धन राशि कर्जे के रूप में दी गई। सरकारी कर्मचारियों को दिये ऋणों में वृद्धि की गई।

बजट अनुमान 1971–72

अब मैं सदन के सामने अगले वर्ष के बजट अनुमान प्रस्तुत करना चाहूंगी। इन अनुमानों के अनुसार राजस्व आय 113. 20 करोड़ रू. होगी जो चालू वर्ष के संशाधित अनुमानों से 13.38 करोड़ रू. अधिक है। इस वृद्धि के मुख्य कारण है– केन्द्रीय करों की विभाज्य निधि से हमारे हिस्से में बढ़ोतरी 85 लाख रू., बिक्रि करों की अच्छी वसूली 166 लाख रू., दूसरे करों तथा शुल्कों से अधिक धन की प्राप्ति 63 लाख रू., और वाणिज्य विभागों तथ बिजली बोर्ड को दिये गये कर्जो पर अधिक ब्याज की प्राप्ति 257 लाख रू., रोडवेज द्वारा अधिक मार्गो पर बसें चलाये जाने के कारण 507 लाख रू. की बढ़ती होने का अनुमान है। कुछ राज्यों ने नाटरी की टिकटों की बिक्री पर प्रतिबन्ध लगाय दिया है। फिर भी आशा की जाती है कि इससे आमदन अगले वर्ष भी चालू वर्ष की निवल आमदन 113 लाख रू. तक पहुंच जायेगी। अगले वर्ष में राजस्व खर्च के अन्तर्गत इस वर्ष की संशोधित रकम से 9.47 करोड़ रू. अधिक रखे गये हैं। इसका बड़ा हिस्सा 5.06 करोड़ रू. सामाजिक तथा विकास सेवाओं पर खर्च किया जायेगा। राज्य परिवहन सेवाओं के विस्तार के कारण उनका खर्च 2.92 करोड़ रूपये बढ़ गया है।

अगले वर्ष के बजट अनुमानों मे 33.27 करोड़ रू. के पूंजी खर्च का उपबन्ध है, जबकि चालू वर्ष में संशोधित अनुमानों के अनुसार 23.54 करोड़ रू. का पूंजी खर्च होने की संभावना है।

राज्यमें सिंचाई परियोजनाओं को कार्यान्वित करने के लिये 3.50 करोड़ रू. की और रकम रखी गई है। लोक निर्माण कार्यों के खर्च में भी 5.57 करोड़ रू. बढ़ा दिये गये हैं। इसमें सड़कों के लिये 4.54 करोड़ रू. का अतिरिक्त खर्च भी शामिल है।

सार्वजनिक ऋण अनुभाग (Public Debt Section) के अधीन निवल (Net) प्राप्ति संशोधित अनुमानों से 6.81 करोड़ रू. अधिक होने का अनुमान है। इस वृद्धि का मुख्य कारण भारत सरकार से योजना तथा केन्द्र–चालित स्कीमों के लिये तथा राज्य में छोटी बचत स्कीम के अधीन धन जमा कराने के लक्ष्य के परिणाम स्वरूप अधिक कर्जे मिलने की संभावना है। इन अनुमानों के अनुसार अगले वर्ष में लोक ऋण के तहत भी 6 करोड़ रू. की राशि इकट्ठी करने का प्रस्ताव है। इनमें कर्जे बांटने के लिये 18. 84 करोड़ रू. की रकम रखी गई है।

इन सभी प्राप्तियों और खर्चों के निवल (Net) प्रभाव से वर्ष के दौरान राज्य को 4.07 करोड़ रू. का घाटा रहेगा। इसमें चालू वर्ष का 7.49 करोड़ रू. का अनुमानित घाटा जोड़ देने से हमारें बजट में अगले वर्ष के समाप्त होने पर 11.56 करोड़ रू. का कुल घाटा होने का अनुमान है। परन्तु आशा की जाती है कि यह घाटा लगभग 2 करोड़ रू. तक कम हो जाएगा यदि भारत सरकार ग्रामीण निर्माण कार्य प्रोग्राम के अधीन लोहारू परियोजना के लिये 1.50 करोड़ रू. के उपदान की राशि दे दें और अतिरिक्त उत्पाद

शुल्कों (Additional Excise Duty) में अपेक्षित संशोधन कर दे जिससे राज्य को और 50 लाख रू. मिलने की संभावना है।

योजना खर्च

वर्ष 1971–72 के बजट अनुमानों में 61.38 करोड़ रूप्ये के योजना परिव्यय की व्यवस्था की गई है जबकि चालू वर्ष के दौरान योजना का संशोधित व्यय 49.19 करोड़ रूप्ये है। यह वृद्धि 25 प्रतिशत की है। इसे शामिल करते हुए चौथी योजना के पहले तीन वर्षों के दौरान 159.72 करोड़ रूप्ये खर्च किये जायेंगे जबकि पांचों वर्षों के कुल व्यय का लक्ष्य 225 करोड़ रूप्ये ही था। इस स्थिति को ध्यान में रखते हुए हम अपने योजना सम्बन्धी कार्यक्रमों पर फिर से विचार कर रहे हैं ताकि और अधिक विकास तथा सामाजिक न्याय के लिये चौथी योजना के खर्च में समुचित वृद्धि की जा सके। इन उद्देश्यों को ध्यान में रखकर ही अगले वर्ष के वार्षिक योजना प्रस्ताव तैयार किये गये हैं। अब मैं इन प्रस्तावों की संक्षिप्त व्याख्या करूंगी।

कृषि विकास

यह आवश्यक है कि राज्य की आर्थिक प्रगति के किसी भी कार्यक्रम में कृषि तथा उससे सम्बद्ध सैक्टरों के विकास पर सबसे अधिक जोर दिया जाये। हमारे राज्य में ाश्त–योग्य कुल 82 लाख एकड़ों में से लगभग 50 लाख एकड़ रकबे में समय–समय

पर बाढ़ें आती रहती हैं तथा लगभग 20 लाख एकड़ रकबे में बार–बार सूखा पड़ता रहता है। अतः इन दोनों तरह के संकटों को जड़ से उखाड़ देने का लक्ष्य सबसे अधिक महत्वपूर्ण है। कृषि विकास के कार्यक्रम के मुख्य अंगों में खेती के आधुनिक तरीकों को अमल में लाना और मशीनों द्वारा खेती, उपज को स्टोर करने तथ बेचने की पर्याप्त सुविधाएं जुटाना, किसानों को और खासकर छोटे किसानों को ऋण की पूरी सुविधाएं देना, पशु–धन बढ़ाना और खेती–बाड़ी पर आधारित उद्योगों को बढ़ावा देना शामिल हैं।

सिंचाई तथा बाढ़ों की रोकथाम

बाढ़ नियंत्रण, बड़ी और दरमियानी सिंचाई परियोजनाओं और भूमि संरक्षण कार्यक्रमों पर चालू वर्ष के दौरान 7.98 करोड़ रूप्ये के परिव्यय की व्यवस्था है। अगल वर्ष इसे बढ़ाकर 12.26 करोड़ रूप्ये कर दिया गया है। यह बहुमुखी परियोजनाओं पर होने वाले खर्च के अतिरिक्त है। नहरी सिंचाई पर किये जाने वाले 9.42 करोड़ रूप्ये के खर्च में से लगभग आधा खर्च सूखे से लगातार पीड़ित रहने वाले क्षेत्रों को लाभ पहुचाने वाली स्कीमों पर किया जायेगा। यह इन क्षेत्रों को शीघ्र विकसित करने की हमारी राष्ट्रीय नीति के अनुरूप है। पहले से ही चालू और अगले वर्ष के लिये प्रस्तावित स्कीमों के पूरा हो जाने पर 20 लाख एकड़ सूखाग्रस्त रकबे में से लगभग 7 लाख एकड़ क्षेत्र

सिंचाई के अधीन लाया जा सकेगा। इस दिशा में इस वर्ष की विशेष शानदार सफलता जुई लिफ्ट सिंचाई स्कीम के प्रथम चरण के पिछली जुलाई में पूरा कर दियो जाने की है जिसमे तीन पम्प–घर तैयार किये गये और 45 मील की लम्बाई तक नहर का निर्माण कर लिया गया। इस परियोजना के अगली जुलाई तक मुकम्मिल हो जाने की आशा है। लोहारू सिंचाई परियोजना पर काम शुरू हो चुका है और जुलाई 1971 तक इसके 60 मील तक के भाग में सिंचाई का कार्य शुरू हो जायेगा। इस परियोजना से जहाजगढ़ और इससे निचले क्षेत्रों में ड्रेन नं. 8 के पानी के कारण होने वाले नुकसान पर भी काबू पाया जा सकेगा। वर्ष 1971–72 के दौरान इस परियोजना के लिये 2.75 करोड़ रूप्ये की व्यवस्था की गई है। सरस्वती और मारकंडा नदियों के एक लाख एकड़ फुट पानी को जमा करने तथा उसे प्रयोग में लाने के लिये तैयार की गई बीबीपुर झील की स्कीम के काम को पूरी तेजी से किया जायेगा जिस पर 51 लाख रूप्ये खर्च किये जायेंगे। हिसार के खुश्क इलाके की सिंचाई के निमित घग्घर तथा सिवानी नदियों की पानी लिफ्ट की स्कीमों पर काम शुरू करने के लिये 1 करोड़ रूप्ये नियत किये गए हैं।

अन्य महत्वपूर्ण स्कीमों में पश्चिमी यमुना नहर पुननिर्माण परियोजना (W.J.C. Remodelling Project) और गुड़गांव नहर परियोजना है जिनके लिये 1971–72 में 100 लाख रूप्ये की व्यवस्था की गई है। पश्चिमी यमुना नहर पुननिर्माण परियोजना से

करनाल, रोहतक, जींद और हिसार जिलों के 6.54 लाख एकड़ बंजर क्षेत्र को सिंचाई की सुविधाएं मिल सकेंगी। इसके अलावा पश्चिमी यमुना नहर द्वारा सिंचित वर्तमान 10.5 लाख एकड़ रकबे को अधिक पानी भी दिया जा सकेगा। गुड़गांव नहर से जिला गुउ़गांव के 3.23 लाख एकड़ रकबे को सिंचाई सुविधा मिलने की आशा है। गुड़गांव नहर को पानी देने के लिये ओखला बैरज परियोजना शुरू करने का प्रस्ताव भी है। इसी प्रकार ताजेवाला पर भी एक नई बैरज बनाने का प्रस्ताव है। बिजली बोर्ड इस बैरज को एक पन–बिजली स्कीम के लिये भी इस्तेमाल करने की योजना बना रहा है। नहरों में जल की सप्लाई बढ़ाने के लिये पश्चिमी यमुना नहर पर विशेष मुरम्मत का काम शुरू किया गया जिन के लिये 1969–70 तथा 1970–71 में 88 लाख रूप्ये का विशेष उपबनध किया गया था। इस कार्य को मुकम्मिल करने के लिये अगले साल के दौरान 19 लाख रूप्ये की व्यवस्था करने का प्रस्ताव है। अगली मौनसून तक दिल्ली पैरेलल ब्रांच को पक्का करने का काम मुकम्निल हो जाने की आशा है। इससे 150 क्यूसेक पानी की बचत होगी जो अब रिस कर व्यर्थ चला जाता है।

बाढ़ नियंत्रण

लोहारू सिंचाई और बीबीपुर झील स्कीमों की बाढ़ नियंत्रण उपयोगिता का जिक्र पहले ही किया जा चुका है। इसके

इलावा जिला रोहतक और जींद में 60 लाख रूप्ये की लागत से एक विस्तृत जल निकास प्रणाली का काम भी शुरू किया गया है। कनमैडा बांध पर भी काम आरम्भ कर दिया गया है। इस बांध से और राओली बांध से फिरोजपुर तथा नूह तहसीलों को काफी सुरक्षा मिलेगी। इसी कार्यक्रम के तहत 9 वर्गमील रकबे में फैली हुई कोटला झील का पानी निकाला जायेगा ताकि वहां रबी की फसल उगाई जा सके। इन स्कीमों के लिये 44 लाख रूप्ये की व्यवस्था की गई है। घग्घर नदी के बहाव को ठीक करने और सरस्वती तथा कैथल ड्रेनों के पुनर्निर्माण के लिये 15 लाख रूप्ये का उपबन्ध किया गया है। नारायणगढ़ के गांवों की सुरक्षा के लिये प्रस्तावित निर्माण कार्यों के लिये 10 लाख रूप्ये रखे गये हैं। कैथल, थानेसर और पुंडरी के क्षेत्रों में बाढ़ के पानी को निकालने के लिये जमीन नाले पर 10 लाख रूप्ए और पुंडरी नाले पर 15 लाख रूप्ये की लागत से निर्माण कार्य पूरे किये जायेंगे।

लघु सिंचाई

लघु सिंचाई निगम (Minor Irrigation Corporation) द्वारा अब भूमिगत जल स्त्रोंतो का पता लगाने और गहरे नलकूप खोदने की स्कीमें चालू की जा रही हैं। लगातार प्रयत्नों के फलस्वरूप महेन्द्रगढ़ तथा गुड़गांव जिलों में कृष्णावती के साथ–साथ झज्जर तहसील और जिला गुडगांव में साहबी नदी के

साथ–साथ तथा जिला गुड़गांव की बल्लबगढ़ और पलवल तहसीलों के कुछ स्थानीय क्षेत्रों में और हिसार तथा जींद जिलों के टोहाना, पोखरा, फतेहाबाद, दाहुदीन, सिरसा, सफीदों, जींद, राजथल तथा माधा क्षेत्र में मीठे पानी के स्त्रोंतो का पता लगया गया। 2 करोड़ रू. की लागत से बल्लबगढ़ तथा पलवल तहसीलों में और कृष्णावती बैल्ट के साथ लगने वाले क्षेत्रों में तथा दिल्ली शाखा के साथ–साथ 230 आवर्द्धक (Augmentation) नलकूप लगाने की स्कीमें कृषि पुनर्वित निगत (Agricultural Refinance Corporation) को उनकी मंजूरी और धन की व्यवस्था के लिये भेजी जा चुकी हैं। पुनर्वित निगम (Refinace Corporation) ने नारायणगढ़ तहसील में 170 नलकूप लगाने के लिये 1.70 करोड़ रूप्ये देने की बात पहले ही स्वीकृत कर ली है। साहबी नदी के क्षेत्र में 50 नलकूप लगाने की स्कीम तैयार की जा रही है और पश्चिमी यमुना नहर की सप्लाई को बढ़ाने के लिये दादूपुर और खूबरू के बीच 500 नलकूप लगाने के लिये जांच का कार्य शुय कर दिया गया है। इस समय तक की गई जांच पड़ताल के अनुसार आशा की जा सकती है कि केवल गहरे नलकूपों द्वारा ही 10 लाख एकड़ क्षेत्र के लिये अतिरिक्त सिंचाई की सुविधाएं जुटाई जा सकेंगी।

निजी क्षेत्र में किसानों को लघु सिंचाई यूनिट लगाने के लिये भूमि बन्धक बैंक (Land Mortgage Bank) द्वारा ऋण की सुविधाओं को बढ़ाने की कई स्कीमें चालू हैं। इस वर्ष अम्बाला के

छछरौली, बिलासपुर और बराड़ा ब्लाकों में 800 नलकूप, गुड़गांव के होडल, पलवल, पटौदी और बावल ब्लाकों में 600 नलकूप, हिसार के टोहाना, रतिया, रानीया और सिरसा ब्लाकों में 700 नलकूप और रोहतक के साल्हावास तथा नाहड़ ब्लाकों मे 800 नलकूप लगाने के लिये चार नई स्कीमें कृषि पुनर्वित निगम (Agricultural Refinance Corporation) द्वारा स्वीकृत की गई हैं। जिला महेन्द्रगढ़ के तीन और हिसार के एक ब्लाक में 1900 नलकूप लगाने की एक अन्य स्कीम की मंजूरी देने पर भी निगम विचार कर रहा है। दस हजार नलकूप लगाने की एक और स्कीम भी भेजी हुई है जो उस कृषि ऋण परियोजना का ही हिस्सा है जिसके लिये विश्व बैंक रूपया देगा। इसके इलावा ज्यादा से ज्यादा प्राइवेट कुओं को बिजली दी जा रही है। वर्ष 1968–69 के अन्त तक 43000 नलकूपो को बिजली दी गई थी और इस वर्ष के अन्त तक इनकी संख्या बढ़कर 87000 हो जाएगी। बिजली के कुल कनैक्टिड लोड का 42 प्रतिशत भाग अब कृषि कार्यों के लिये दिया जा रहा है जो भारत के किसी भी राज्य से अधिक है।

नहर, नशकूप और प्राइवेट कुओं के उपर्युक्त सिंचाई कार्यक्रमों से अब 41.26 लाख एकड़ क्षेत्र के सिंचाई होने लगेगी। 1969 में यह सिंचित रकबा कुल 32.41 लाख एकड़ था।

कृषि उत्पादन

सिंचाई सुविधाओं के विस्तार के साथ–साथ बढ़िया किस्म के बीजों और अधिक मात्रा में खाद प्रयोग द्वारा खेती के आधुनिकीकरण पर जोर देना भी आवश्यक है। गेहूं, बाजरा, धान तथा मक्का की अधिक उपजाऊ किस्मों के अधीन क्षेत्र को 21.74 लाख एकड़ से बढ़ाकर 25.69 लाख एकडऋ करने का प्रस्ताव है। 1968–69 में यह रकबा केवल 8.03 लाख एकड़ था। इसके लिये और आई.ए.डी.पी. कार्यक्रमों के लिये 38.08 लाख रूप्ये का उपबन्ध किया जा रहा है जबकि चालू वर्ष के दौरान इनके लिये 32.16 लाख रूप्ये रखे गये थे। पिछले वर्ष की 30 किलोग्राम प्रति एकड़ खाद की खपत बढ़कर चालू वर्ष में 42 किलोग्राम प्रति एकड़ हो गई है। अगले वर्ष इसे बढ़ाकर 55 किलोग्राम प्रति एकड़ करने का प्रस्ताव है। बढ़िया कृषि सुविधाओं के विकास के लिये अनुसंधान कार्यक्रमों को और तेज किया जा रहा है। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के लिये इस वर्ष 61 लाख रू. का उपबन्ध किया गया है। इस विश्वविद्यालय के विकास का काम बड़ी तेजी से किया जा रहा है ताकि दो ही वर्ष के भीतर यहां कृषि की शिक्षा, विस्तार और खोज की पूरी व्यवस्था की जा सके। अगल वर्ष तक होम साइंस कालेज फार वुमेन, बेसिक साइंस कालेज और फुड साइंस और टैक्नोलौजी संस्थान के भवनों का निर्माण काफी हद तक मुकम्मिल हो जाएगा।

किसानों के बीच भूमि पर एक से अधिक फसलें लेने की पद्धतियों का प्रचार करने के उद्‌देश्य से रोहतक और जींद में

मार्गदर्शी परियोजनाएं शुरू की गई हैं जिनके लिये 1971–72 में 4.41 लाख रू. का उपबन्ध किया गया है। कीटनाशक दवाइयों और पौधों के बचाव के लिये उपकरण खरीदने तथा वितरण करने के लिये 5.20 लाख रू. रखे गये हैं। प्राइवेट एजेंसियों द्वारा हवाई जहाजों से फसलों पर दवाइयां छिड़कने का खर्च ज्यादा पड़ता था इसलिये विभाग की और से फसलों पर हवाई छिड़काव का काम शुरू करने का फैसला किया गया है। इसके लिये चालू वर्ष के दौरान दो हैलीकोप्टर और अगले वर्ष भी दो और हैलीकोप्टर खरीदने की व्यवस्था की गई है।

खेती का मशीनीकरण

खेती की पैदावार और बढ़ाने के लिये खेती का आगे मशीनीकरण जरूरी है। कृषि विभाग ने हाल ही में मशीनों से खेती की एक परियोजना तैयार की है। इसके अधीन विश्व बैंक की सहायता से 7000 ट्रैक्टर, 10 हारवैस्टर और स्प्रिंकल सिंचाई के लिये 50 सैटों का आयात करने का विचार है। राज्य में कृषि के विकास के लिये विश्व बैंक को प्रसतुत की गई एक विस्तृत स्कीम का यह एक भाग है। इस स्कीम के अधीन राज्य में 10000 नलकूप भी लगाये जाने हैं। अनुमान लगाया गया है कि इस स्कीम के लिये कुल 35 करोड़ रू. की आवश्यकता होगी। बैंक के कृषि क्रैडिट मिशन का एक दल इसका जायजा लेने के लिये पिछले

साल नवम्बर मे राज्य के दौरे पर आया था। उनका राज्य के अधिकारियों के साथ विचार विमर्श हुआ। इस सम्बन्ध में समझौता शीघ्र हो जाने की संभावना है, जिससे अगल जून से इन कार्यों के लिये धन प्राप्त हो सकेगा। हरियाणा ने विश्व बैंक को जो परियोजना प्रस्तुत की है वह भारत में विभिन्न राज्यों द्वारा दी गई परियोजनाओं में दूसरी सब से बड़ी है।

उपलब्ध देसी ट्रैक्टरों की कमी पूरी करने के लिये कृषि उद्योग निगम (Agro-Industrial Corporation) ने अब तक 1500 आयात किये हुए ट्रैक्टर किसानों को बांटे हैं। यह निगम कमर्शियल बैंकों के साथ मिलकर एक किराया खरीद (Hire purhase) स्कीम भी चालू कर रहा है ताकि किसानों को आसान शर्तों पर खेती की मशीनें दिलवाई जा सकें। किसानों की असली पुर्जों की मांग को पूरा करने के लिये निगम ने 17 लाख रू. के पुर्जे आयात किये हैं तथा निकट भविष्य में 20 लाख रूप्ये के और पुर्जे आयात करने के लिये प्रयत्न जारी हैं। निगम इन मशीनों की मुरम्मत की सुविधाओं का विसतार भी कर रहा है।

सहकारिता उधार

बहुत सीमा तक कृषि का सघन विकास इस बात पर निर्भर करता है कि किसानों को पूरी मात्रा में ठीक समय पर कृषि–कार्यों के लिये धन मिले। भूमि बनधक बैंकों द्वारा किये जा

रहे कार्य का जिक्र पहले ही किया जा चुका है। इन बैंकों ने जून, 1970 को समाप्त होने वाले वर्ष के दौरान 7.01 करोड़ रू. उधार दिये। इस रकम का अधिकांश भाग उन्हें कृषि पुनर्वित निगम (Agricultural Refinance Corporation) से प्राप्त हुआ था। अब हरियाणा इस निगम से रकम प्राप्त करने के मामले में राज्यों में दूसरे स्थान पर है। अब प्रत्येक तहसील मुख्यालय पर एक ऐसा बैक खोला जा रहा है।

कृषि उधार की अल्पकालिक मांगों को पूरा करने के लिये अगले साल प्राथमिक उधार समितियों द्वारा 18 करोड़ रू. का उधार दिया जाने का ख्याल है। इसके मुकाबले में इस साल इनके द्वारा दी गई उधार की रकम लगभग 15.000 करोड़ रूप्ये होगी। इसके अतिरिक्त खाद तकावी बांटने के लिये भारत सरकार से 6. 72 करोड़ रू. का ऋण प्राप्त होने की आशा है। इस समय किसानों को उनकी जरूरत औरवापस अदायगी की क्षमता को ध्यान में रखकर ही कर्जे दिये जा रहे हैं और इस बात पर जोर नहीं दिया जाता िकवे पहले ठोस जमानत पेश करें। इस परिवर्तन से छोटे किसानों की मांगेों को पूरा करने में बहुत सहायता मिलेगी। किसानों को ऋण बांटने के लिये चैकों द्वारा धन देने का नया तरीका अपनाया जा रहा है जिससे समिति के पदधिकारी धन का दुरूपयोग न कर सकें। इस प्रणाली के अधीन सदस्यों के नाम चैक काट दिये जाते हैं जिन्हें वे सहकारिता बैंक की शाखाओं पर

भुना सकते हैं। इन संस्थाओं का शेयर कैपिटल बढ़ाने के लिये अगले वर्ष 50 लाख रू. की व्यवस्था की गई है।

विपणन

अनाज की बिक्री और उनके भंडार की सुविधाओं को बढ़ाने पर अब अधिक ध्यान दिया जा रहा है। उपनिवेश विभाग मंडियों के सुनियोजित विकास का कार्य कर रहा है। 20 मंडियों के विकास का काम चालू है। इसके इलावा यह विभाग अगले वर्ष 13 नई मंडियों का काम शुरू कर रहा है। इस प्रयोजन के लिये अगले वर्ष 68.50 लाख रू. की व्यवस्था की गई है। जहां तक भंडारों का सम्बन्ध है, खाद्य विभाग द्वारा मार्च, 1972 तक 62205 मीटरी टन की क्षमता के भंडारगार बनाये जाने का प्रस्ताव है। इसके लिये अगले वर्ष 1.02 करोड़ रू. रखे गये हैं। इसके अतिरिक्त राज्य भंडारागार निगम (Warehousing Corporation) और भारतीय खाद्य निगम एक लाख से अधिक मीटरी टन की भंडार क्षमता का निर्माण कर चुके हैं। मंडियों तक सड़क की सुविधाएं देने के लिये राज्य की विभिन्न मार्केट कमेटियां योगदान दे रही हैं। यह कार्य राज्य द्वारा शुरू किये गये सड़क कार्यक्रम का पूरक होगा। आशा है कि ये कमेटियां चालू वर्ष में 110 लाख रू. और अगले वर्ष 200 लाख रू. का योगदान देंगी।

पशुपालन और डेरी विकास

कृषि के सहायक कार्यक्रमों में पशुपालन और दुग्ध विकास की हरियाणा में भारी संभावनाएं हैं। करनाल और गुड़गांव जिलों में दो सघन पशु विकास परियोजनाएं आरम्भ की गई हैं। जींद और पेहवा के इलाकों मे दो दूसरी राज्य स्तर की परियेजनाएं शुरू की जा रही हैं। जींद में 50000 लिटर दैनिक क्षमता वाला दूध प्लांट चालू हो गया है और इसके उत्पादनों की मांग तेजी से बढ़ रही है। भिवानी में 45 लाख रूप्ये की अनुमानित लागत से 15000 लिटर दूध प्रतिदिन की क्षमता वाली एक कंडैसरी बनाने का काम शुरू कर दिया गया है। दूध प्लांटों को दूध सप्लाई करने के लिये इस क्षेत्र में अगले साल एक सघन पशु विकास परियोजना शुरू करने का विचार है। अम्बाला शहर और अम्बाला छावनी के क्षेत्रों में भी दूध की सप्लाई की स्कीमों, डेरी विकास निगम (Dairy Development Corporation) द्वारा शुरू की जा रही हैं। नसल सुधारने के लिये हिसार फार्म में शीघ्र ही 100 आयात किये गये जर्सी हाइफर के प्राप्त हो जाने की आशा है। बीमारियों की प्रभावपूर्ण रोकथाम के लिये हरियाणा के गठन की तिथि से अब तक 36 नई पशु डिस्पैंसरियां खोली गई हैं और 32 डिस्पैंसरियों को पशु हस्पतालों का रूप दे दिया गया है। लोहारू का ऊन ग्रेडिंग और बिक्री केन्द्र रेगिस्तानी इलाकों के भेड़ पालने से होने वाले उपज को तैयार करने और बेचने में सहायता कर रहा है।

औद्योगिक विकास

यद्यपि राज्य के विकास के दृष्टिकोण से कृषि को सबसे अधिक महत्वपूर्ण स्थान देना होगा फिर भी भविष्य में राज्य का विकास औद्योगिक कार्यक्रमों के विस्तार से ही निश्चित होगा। मुझे सदन को यह बताते हुए बहुत खुशी है कि चालू वर्ष में राज्य के औद्योगिक विकास में काफी तेजी आई है। हरियाणा बनने के बाद मार्च, 1970 तक चार वर्षों में कुल 24 लाइसैंस और 36 आशय–पत्र (Letter of intent) जारी किये गये थे जिनकी तुलना में 20 लाइसैंस और 37 आशय–पत्र तो इस वर्ष जारी किये जा चुके हैं। इन लाइसैंसों और आशय–पत्र में 40 करोड़ रूप्ये की पूंजी के विनियोजन का प्रस्ताव है जिससे लगभग 13000 व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। आगामी कार्यक्रम में आटो–मोबाईल उद्योग का विशेष रूप से विकास होगा जिसमें प्रतिवर्ष 24000 से अधिक स्कूटर और 18000 ट्रैक्टरों का उत्पादन शामिल है। बिजली की भट्ठी द्वारा फौलाद और फौलादी मिश्रधातु तैयार करने के लिए लगभग 6 युनिटें बन रही है।। कई रीरोलिंग मिलें और बड़े पैमाने पर इस्पात की पट्टी बनाने वाली दो मिलें भी लगाई जा रही हैं। इलैक्ट्रोनिक संयंत्र उद्योग का भी भारी विस्तार करने का विचार है। लघु उद्योगों के विकास के लिये कच्चचा माल सप्लाई करने की दिशा में प्रगति हो रही है। गत वर्ष राज्य लघु उद्योग और निर्यात निगम द्वारा 12 लाख रूप्ये का कच्चा माल प्रतिमास छोटे

उद्योगों को दिया गया था। अब यह राशि 35 लाख रूप्ये प्रतिमास की है। राष्ट्रीय लघु उद्योग निगम (National Small Industries Corporation) से सहायता प्राप्त करने के मामले में हरियाणा भारत में अब गुजरात से ही पीछे है। इस निगम से इस वर्ष 1 करोड़ रू. की सहायता मिलने की आशा है।

सहकारी और सार्वजनिक क्षेत्र के उद्योग

सस्ते दामों पर 15000 मीटरी टन दानेदार खाद (Granulated Fertilizer) सप्लाई करने के लिये 56 लाख रूप्ये के मूल्ये का एक प्लांट सहकारी क्षेत्र में करनाल में लगाया जा रहा है। अंगूरों की पैदावार को लाभकारी बनाने के लिये सिरसा में एक वाइनरी लगाने का विचार भी है। राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम (National Co-operative Development Corporation) की सहायता से राज्य में चावल की तीन अन्य मिलें लगाने का ब्यौरा तैयार किया जा रहा है। रोहतक और सोनीपत की दोनों सहकारी चीनी मिलों में पिछले वर्ष 36 लाख रूप्ये का लाभ हुआ। राज्य में करनाल, कैथल और सोनीपत के स्थानों पर तीन अन्य चीनी की मिलें खोलने के लिये आवश्यक कार्यवाही की जा रही है। कृषि उद्योग निगम की चार चालू यूनिटों के इलावा, जींद में 5 मीटरी टन प्रति घंटे की क्षमता वाला एक पशु व मुर्गी चारा प्लांट 40 लाख रूप्ये की लागत से स्थपित किया जा रहा है। जौ की

पैदावार को लाभदायक बनाने के ख्याल से 175 लाख रूप्ये की लागत से एक ब्रिवरी लगाने की योजना लगभग तैयार की जा चुकी है, जिसमें 130 लाख रूप्ये के मूल्य का वार्षिक उत्पादन होगा। जींद में एक स्वचालित टैनरी के निर्माण की परियोजना का काम शुरू कर दिया गया है। इससे चमड़े का काम करने वाले हमारे भाइयों को रोजगार के अधिक अच्छे अवसर मिलेंगे। शीशा और शीशे की बोतलें तैयार करने के लिये भी एक आशय–पत्र प्राप्त कर लिया गया है। इस कार्य में 100 लाख रूप्ये लगेंगे और 18000 मीटरी टन माल प्रतिवर्ष तैयार हो सकेगा। इससे राज्य में सिलीका रेत के भंडारों का समुचित उपयोग हो सकेगा।

सारे राज्य में उचित मूल्य पर विकसित भूमि और उचित दरों पर धन प्राप्त करवाने की व्यवस्था के इलावा राजय के विभिन्न भागों में और विशेष कर औद्योगिक दृष्टि से पिछड़े इलाकों में नये उद्योगों को बिजली–शुल्क, बिक्रीकर और चुंगी आदि की दर्जेवार रियायतें दी गई हैं। महेन्द्रगढ़, जींद और राज्य के अन्य क्षेत्रों के अतिरिक्त हाल ही में हिसार जिले को भी औद्योगिक दृष्टि से पिछड़ा हुआ क्षेत्र घोषित किया गया है ताकि वहां भी ये रियायतें दी जा सकें।

उद्योगों को और बढ़ावा देने के लिये विशेषकर छोटे उद्योगों के क्षेत्र में अलोह धातु (non-ferrous) और इंडस्ट्रीयल व मैटल शीट तथा ऊनी कालीनी धागों पर केन्द्रीय बिक्री–कर की दर घटा दी गई है। केन्द्रीय बिक्री–कर की दर अलोह (non-

ferrous) शीटों पर 3 प्रतिशत से 1 प्रतिशत और ऊनी कालीनी धागों पर 2 प्रतिशत से 1 प्रतिशत कर दी गई है। इन उपायों से जगाधरी और रिवाड़ी में धातु शीट उद्योग और पानीपत में ऊनी कालीनी धागा उद्योग के विकास में पर्याप्त सहायता मिलेगी।

आधारभूत और सामाजिक सुविधाएं

बिजली

कल्याणकारी राज्य का लक्ष्य प्राप्त करने के लिये सरकार अधिक से अधिक आधारभूत सुविधायें व अन्य सेवाएं दे रही है जिन के बिना अर्थ विकास कार्यक्रम बेमायने हो जाता है। यह गर्व की बात है कि सभी ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली पहुंचाने वाला पहला राज्य भारत में हरियाणा है। मुझे विश्वास है कि यह सदन इस महान कार्य को सफलतापूर्वक पूरा करने के लिये बिजली बोर्ड के कर्मचारियों को धाई देने में मेरा साथ देगा। मुझे आशा है कि उनकी कर्तव्यनिष्ठा के बल पर बिजली बोर्ड और भी महान सफलताएं प्राप्त करेगा। गांवों में बिजली पहुंचाने तथा नलकूप लगाने के कार्य ने बोर्ड के साधनों पर बहुत बोझ डाला है। इसलिये भारत सरकार से प्रार्थना की गई है ि कवह बोर्ड को 5 करोड़ रू. का अतिरिक्त लोक–ऋण नेने की इजाजत दे। हमें आशा है कि हमारी इस प्रार्थना पर सहानुभूति से विचार किया जायेगा।

बिजली की खपत मई, 1967 में प्रति व्यक्ति 46 यूनिट थी और अब यह बढ़कर 92 यूनिट प्रति व्यक्ति हो गई है। खपत में इस वृद्धि के कारण प्राप्त सप्लाई और मांग का अन्तर बढ़ गया है। भाखड़ा में पानी कम आने से यह समस्या और भी गंभीर हो गई है। इसलिये बोर्ड बिजली पैदा करने की दूसरी परियोजनाओं को शीघ्रता से शुरू करने के लिय उत्सुक है। बोर्ड ने फरीदाबाद में 60 मै.वा. के पहले यूनिट पर तो कार्य प्रारम्भ कर ही दिया है जिससे दिसम्बर, 1973 तक मुकम्मिल हो जाने की आशा है। दूसरे यूनिट पर भी काम चौथी पंच–वर्षीय योजना के दौरान ही शुरू कर दिया गया जायेगा। बोर्ड ने पानीपत में 400 मै.वा. के एक थर्मल स्टेशन का सुझाव भी दिया है और जगाधरी में जरूरी सुविधाएं प्राप्त होने के कारण 400 मै.वा. के एक न्यूक्लियर बिजली स्टेशन कायम करने का मामला भी भारत सरकार के साथ उठाया है। इसके अतिरिक्त भारत सरकार से प्रार्थना की गई है कि वह बदरपुर थर्मल स्टेशन तथा कोटा–स्थित राणा प्रताप सागर एटामिक प्लांट से भी 100–100 मै.वा. बिजली राज्य को सप्लाई करें।सरकार को आशा है कि इन कोशिशों से तथा ब्यास परियोजना के पूरा हो जाने पर बिजली पर्याप्त मात्रा में सुलभ हो पायेगी।

सड़कें

विद्युतीकरण (Electrification) के बाद राज्य का अगला क्रांतिकारी कदम गांव–गांव में सड़क पहुंचाने का होगा। देखा जाए तो सड़कों से बढ़कर महत्वपूर्ण बात और क्या हो सकती है, क्योंकि जब कोई गांव सड़क के द्वारा बाहरी संसार से जुड़ जाता है तो गांव के जीवन में परिवर्तन की लहर दौड़ जाती है। राज्य के गठन के समय 1386 गांवों तक ही सड़की जाती थी। वर्तमान मंत्रिमंडल के सता में आने से पहले तक 200 और गांवो तक सड़कें पहुंच गई। सरकार का अब निर्णय यह है कि वर्ष 1973 तक राज्य के प्रत्येक गांव को पक्की सड़क से जोड़ दिया जाये। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिये इस वर्ष 2000 कि.मी. लम्बी सड़कें बनाई जा रही हैं जिन में 2500 कि.मी. से अधिक अगले वर्ष और जोड़ दी जायेंगी। फिर 1972–73 के लिये लगभग 3000 कि.मी. सड़कें बाकी रह जाएंगी। इस महान कार्य को पूरा करने के लिये चालू वर्ष का योजनागत वयय संशोधित करके 3.53 करोड़ रूप्ये से बढ़ा कर 7.60 करोड़ रूप्ये कर दिया गया है। अगले वर्ष के लिये इस काम पर 12 करोड़ रूप्ये खर्च करने का प्रस्ताव है। इसके अतिरिक्त अकाल राहत के कार्यक्रम के अधीन चालू वर्ष में 1.72 करोड़ रूप्ये खर्च किये जा रहे हैं। 1971–72 के दौरान यह राशि 1.90 करोड़ रूप्ये होगी। इस बात का उल्लेख पहले ही किया जा चुका है कि मार्केट कमेटियों से इस काम के लिये 2 करोड़ रूप्ये मिलने की आशा है।

सड़क–परिवहन

माननीय सदस्यों को यह जानकारी है कि सरकार ने राज्य में यात्री सड़क परिवहन के राष्ट्रीयकरण का निश्चय किया हुआ है। राष्ट्रीयकरण की पहली स्कीम पहली अप्रैल, 1970 को लागू की थी। जनवरी, 1971 तक पांच स्कीमें पूरी कर ली गई हैं। यह कार्य सितम्बर, 1971 तक पूरा कर लिये जाने की आशा है। 1969–70 के अन्त में हरियाणा रोडवेज की बसों की संख्या 728 थीं और नवम्बर, 1970 में इनकी संख्या 987 तक पहुंच गई है। मार्च तक रोड़वेज की बसों की संख्या 1100 हो जाने की संभावना है। अगले वर्ष 400 और बसें खरीदने का विचार है।

हरियाणा राज्य परिवहन देश में सर्वोतम परिवहनों में से एक है। हम इसकी कार्यक्षमता को और अधिक बढ़ाना चाहते हैं और यात्रियों को भी अधिक से अधिक सुविधाएं देना चाहते है। पानीपत, कैथल, भिवानी तथा अम्बाला शहर में चार आधुनिक ढंग से बस अड्डों का निर्माण मुकम्मिल होने वाला है। मुझे सदन को यह सूचना देते हुए प्रसन्नता होती है कि हरियाणा राज्य परिवहन की कुल आमदनी जो 1969–70 में 1.02 करोड़ रूप्ये थी वह इस वर्ष लगभग 2 करोड़ रूप्ये अनुमानित है। अगल वर्ष इस आमदनी के और अधिक बढ़ जाने की आशा है।

शिक्षा

राज्य में सभी स्तरों पर शिक्षा का विस्तार लगातार हो रहा है। इस वर्ष के दौरान 96 प्राईमरी स्कूलों का दर्जा बढ़ाकर उनहें मिडल स्कूल बना दिया गया और 95 मिडल स्कूलों को हाई स्कूलों में परिवर्तित कर दिया गया है। अगले वर्ष भी यह विस्तार जारी रहेगा और 6–11 वर्ष के आयु–वर्ग के 75 प्रतिशत बचचों को दाखिलें की सुविधाएं देने के लिये 86000 अधिक दाखिलों की क्षमता पैदा की जायेगी। इसके लिये 50 नये प्राइमरी स्कूल खेल दिये जायेंगे। 11–13 वर्ष आय–वर्ग के 18000 और बच्चे दाखिल करने के लिये 60 प्राइमरी स्कूलों का दर्जा मिउल स्कूलों तक बढ़ाया जायेगा। इससे इस आयु वर्ग के 49 प्रतिशत छात्रों को शिक्षा सुविधाएं दी जा सकेंगी। 14–16 वर्ष आयु–वर्ग के 22 प्रतिशत बच्चों को भी शिक्षा सुविधाएं दी जा सकेंगी। 60 मिडिल स्कूलों को हाई स्कूल बना देने का विचार है। दर्जा बढ़ाए जाने वाले 50 प्रशित स्कूल लड़कियों के होंगे ताकि लड़कियों की शिक्षा का अधिक से अधिक विस्तार हो सके। साथ ही राज्य में महिला–अध्यापिकाओं तथा छात्राओं के 5 संयुक्त छात्रावास बनाये जाने का प्रस्ताव भी है। महिला शिक्षा के और अधिक विकास के लिये सरकार एक मार्गदर्शी परियोजना (Pilot Project) चालू करने के विषय में भी सोच रही है।

राज्य में कालेज तथा स्नातकोतर (Post-Graduate) शिक्षा के विकास के लिये सरकार कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय तथा पोस्ट–ग्रैजुएट सैंटर, रोहतक को पर्याप्त अनुदान देने की वयवस्था

भी कर रही है। कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय में भर्ती लेने वालों की संख्या में बहुत अधिक वृद्धि हुई है और अब विद्यार्थियों की संख्या 5000 से भी अधिक हो गई है। 'शिक्षा' का एक नया स्नातकोतर पाठ्यक्रम (Post-Graduate Course) चालू किया गया है और विश्वविद्यालय में अनुसंधान सम्बन्धी सहूलतें बढ़ा दी गई हैं। 300 छात्राओं को निवास के लिये दो महिला छात्रावास बनाये गये हैं। रोहतक के शिक्षा केन्द्र में एक स्वतनत्र काम्पलेक्स, जिसमे एक विज्ञान ब्लाक, एक आर्ट्स ब्लाक, एक छात्रावास, एक पुस्तकालय तथ कर्मचारियों के कवार्टर भी शामिल है, जुलाई 1971 तक तैयार हो जाने की संभावना है। अन्य विषयों में एक्सटेन्शन कोर्सिस के साथ साथ यह केन्द्र अब फिज्क्सि और कैमिस्टरी में स्नातकोतर (Post-Graduate) अध्ययन की सुविधाएं भी दे रहा है। प्राइवेट कालेजों के विकास में सहायता देने के लिये सरकार ने इस वर्ष 24.25 लाख रूप्ये के अनुदान की व्यवस्ाि की। अगले वर्ष के लिये 25.15 लाख रूप्ये की राशि प्रस्तावित है।

चिकित्सा

पहले राज्य में चिकित्सा सेवाओं की और काफी ध्यान नहीं दिया गया। इस पिछडेपन को दूर करने के लिये सरकार ने चालू वर्ष का योजना परिव्यय 110 लाख रूप्ये से बढ़ा कर 190 लाख रूप्ये कर दिया और अगले वर्ष का परिव्यय 288 लाख रूप्ए

रखा गया है। योजनेतर पक्ष में दवाइयों की सप्लाई के लिये 1968–69 की 22 लाख रूप्ये की वयवस्था को बढ़ाकर अगले वर्ष 60 लाख रूप्ये तक कर दिया गया है।

और भी अच्छी सुविधाएं जुटाने के लिये जिला तथा तहसील के अनेक हस्पतालों का दर्जा बढ़ा दिया गया है और उनमें चालू वर्ष के अन्दर बिस्तरों की संख्या 400 से बढ़ा दी गई है। नए भवनों के निर्माण तथा मौजूदा भवनों के सुधार के लिये एक विस्तृत कार्यक्रम आरम्भ किया गया है। मैडिकल कालेज, रोहतक में अगले वर्ष बिस्तरों की संख्या 745 से 1000 कर देने का विचार है। सभी जिला तथा तहसील स्तर के हस्पतालों में डेंटल क्लिनिक चालू करने का प्रस्ताव भी है। स्थानीय निकायों (Local Bodies) द्वारा चलाये जाने वाले 5 हस्पतालों और डिस्पैंसरियों का प्रांतीयकरण इस वर्ष कर लिया गया है और बाकी का प्रान्तीयकरण अगले वर्ष कर लिया जायेगा। इस वर्ष 6 नए ऐलोपैथिक तथा 10 नये आयुर्वैदिक औषधालय खोले गए हैं और अगले वर्ष सात और ऐलोपैथिक तथा 10 आयुर्वैदिक औषधालय खोले जाने का प्रस्ताव है। बारह चुनिंदा प्राइमरी चिकित्सा केन्द्रों में ऐक्स–रे तथा लेबार्टरी सुविधाएं प्रदान की जा रही हैं जिनमें से 5 में यह व्यवस्था इस वर्ष की जायेगी। चिकित्सा कालेज, रोहतक से सम्बद्ध 50 बिस्तरों वाले मोबाइल हस्पताल की व्यवस्था के इलावा दो मोबाइल डिस्पैंसरियां तथा एक खास तरह की मोबाइल डिस्पैंसरी भी खोली गई हैं।

चिकित्सा–शिक्षा सम्बन्धी सुविधाएं भी ज्यादा से ज्यादा बढ़ाई जा रही है। सरकार विचार है कि मैडिकल कालेज, रोहतक को देश की एक अग्रणी चिकित्सा संस्था बना दिया जाये। चालू वर्ष में 21.65 लाख यप्ये के खर्च की व्यवस्था बढ़ाकर 45.33 लाख रू. कर दी गई है और अगले वर्ष 122.62 लाख रूप्ये खर्च किये जाने हैं। कालेज में प्रति बिस्तर देखभाल–व्यय 2500 रूप्ये से बढ़ाकर 4000 रूप्ये कर दिया गया है जो कि शायद देश के अन्य राज्य हस्पतालों की तुलना में सबसे ज्यादा है। इसमें गम्भीर तथा दु:साध्य रोगों के निदान के लिये आधुनिकतम उपकरण जुटाए जा रहे है।। एम.बी.बी.एस. पाठयक्रम में सीटों की संख्या 125 से बढ़ाकर 150 कर दी जायेगी तथा जनरल नर्सिंग पाठ्यक्रम के लिये वर्तमान 75 सीटों में 45 और सीटें बढ़ा दी जायेंगी। रोग के तुरन्त निदान कार्य में सहायता देने के लिये माइक्रोबायालोजी तथा बायोकैमिस्ट्री सम्बन्धी नये विभाग खोले जायेंगे। कालेज में नये भवनों के लिये 65.81 लाख रूप्ये की व्यवस्था की गई है और रेडियोग्राफी, माइक्रोबायालोजी तथा बायोकैमिस्ट्री विभागों के लिये भवन बनाये जाने का प्रस्ताव है।

जल सप्लाई

राज्य में लोगों का स्वास्थ्य बनाये रखने के यिले जरूरी है कि उपयुक्त चिकित्सा सुविधाओं के साथ–साथ पीने के शुद्ध पानी और उपयुक्त सफाई की सुविधाएं भी दी जाएं। चौथी याजना के आरम्भ होने से पहले राज्य में केवल 260 गांवों में पीने के

शुद्ध पानी की सप्लाई सुलभ थी। 1971–72 के अंत तक हम इसे 530 गांवों तक पहुंचा देने की आशा रखते हैं। चौथी पंचवर्षीय योजना की बाकी अवधि के दौरान अधिक से अधिक गांवों को यह सुविधा देने का हमार उद्देश्य है। जहां तक शहरी इलाकों का सम्बनध है चालू वर्ष में 6 शहरों मे जल सपलाई स्कीमें और 3 में मल निकास स्कीमें शुरू की गई हैं। अगले वर्ष 15 शहरों में सप्लाई बढ़ाने के अतिरिक्त 4 और शहरों को यही सुविधाएं दी जायेंगी। इस कार्य के लिये चालू वर्ष में 140 लाख रूप्ये की व्यवस्था को बढ़ाकर 240 लाख रूप्ये कर दिया गया था और अगले वर्ष इस उद्देश्य के लिये 290 लाख रूप्ये की व्यवस्था की गई है।

शहरी विकास

औद्योगीकरण के साथ–साथ शहरों की जनसंख्या भी तेजी से बढ़ेगी। इस बात का उपाय हमें अभी करना चाहिये जिससे इन शहरों में गंदी बस्तियों का फैलाव न बढ़े और शहरों का सुनियोजित विकास हो। नगर तथा ग्राम आयोजना विभाग इस कार्य को कर रहा है। इसने अभी तक 4637 एकड़ जमीन अर्जित कर ली है तथा 19000 रिहायशी और 643 औद्योगिक प्लाट बेचे हैं। यह विभाग अगले वर्ष 2000 एकड़ भूमि अर्जित करेगा तथा 688 लाख रूप्ये की लागत के विकास कार्य करेगा। इम्प्रूवमेंट

ट्रस्टों को शहरी विकास की स्कीमें चलानें के लिये अगले वर्ष 20 लाख रूप्ये की सहायता दी जायेगी। जी.टी. रोड जैसी महत्वपूर्ण सड़क का यातायात निर्विघ्न जारी रखने के लिये इसके किनारे जब्रदस्ती कब्जा (Encroachments) कर लेने वालों को हटाया जा रहा है। अब सरकार ने नगरपालिकाओं की सड़कों की देखभाल का काम भी अपने हाथ में ले लिया है। चालू वर्ष में इस कार्य के लिये 10 लाख रूप्यों की व्यवस्था की गई है तथा अगले वर्ष के दौरान इसके लिये 30 लाख रूप्यों का उपबन्ध किया जा रहा है। खासकर हरिजन मुहल्लों में गन्दी बस्तियां हटाने तथ नागरिक सुविधाएं बढ़ाने के लिये चालू वर्ष में 8.05 लाख रूप्ये की सहायता देने की व्यवस्था की गई। अगले वर्ष इस पर 20 लाख रूप्ये खर्च किय जायेंगे। जल सप्लाई एवं मल–निकास स्कीमों का जिक्र पहले ही किया जा चुका है।

ग्रामीण विकास बोर्ड के जरिये गांवों का सुनियोजित विकास करने का प्रस्ताव है। राज्य के प्रत्येक ब्लाक में पांच–पांच आदर्श गांवों के विकास से कार्य को शुरू किया जायेगा।

पर्यटन

राज्य में पर्यटन के विकास के लिये यह निश्चय किया गया है कि करनाल के निकट उचाना में, जहां पश्चिमी यमुना नहर और जी.टी. सड़की मिलती हैं, एक कृत्रिम झील का निर्माण किया

जाये, जिसके साथ एक पर्यटन बंगला और एक जलपान गृह भी हो। 25 लाख रूप्ये की लागत की इस परियोजना पर इस वर्ष 3 लाख रूप्ये खर्च किये जायैंगे। पिपली में एक 8 सैट वाले मोटल और एक जलपान गृह का निर्माण भी किया जा रहा है जिसकी कुल लागत 8.50 लाख रूप्ये होगी। इसमे से 3.50 लाख्चा रूप्ये इस वर्ष मार्च तक खर्च कर दिये जाने की आशा है।

आवास

राज्य में एक हाउसिंग बोर्ड (Housing Board) कायम करने का निर्णय किया गया है ताकि मकानों की समस्या को सुलझाया जा सके जो कि मजदूरों एवं हरिजनों के लिये विशेष रूप से कष्टदायक है। यह बोर्ड अले वर्ष से कार्य करना शुरू कर देगा, परन्तु कुछ स्कीमें पहले ही तैयार कर ली गई है। इसका समुचित प्रारम्भ फरीदाबाद में झुग्गी वासियों को बसाने की स्कीम से करने का विचार है। सरकार ने यह भी निर्णय किया है कि चिरकाल से गन्दी बस्तियों में पड़े हुए हरिजनों को फिर से बसाने की एक मार्गदर्शी स्कीम को लागू किया जाए। अगले वर्ष मजदूरों तथा हरिजनों के लिये एक एक हजार मकान बना कर इस दिशा मे साहसिक कदम उठाया जायेगा। इसके इलावा 20 लाख रूप्ये की राशिा हरिजनों, विशेषकर सफाई का कार्य करने वालों को, मकान बनाने के लिये कर्जा देने के वास्ते अलग रखी जा रही है।

इस पर ब्याज की रियायती दर 4 प्रतिशत होगी जबकि सामानयतः यह दर 7 प्रतिशत है।

आर्थिक एंव क्षेत्रीय भेदभाव को दूर करना

पहले मैंने सामाजिक न्याय के साथ–साथ आर्थिक प्रगति प्राप्त करने की हमारी आकांक्षा का उल्लेख किया था। विकास के लिये आयोजना तभी सार्थक सिद्ध होगी जब क्षेत्रीय तथा आर्थिक भेदभाव कम हो जाए तथा राज्य के सभी लोगों का कल्याण हो।

राज्य भर में बिजली पहुंचाने, प्रत्येक गांव तक सड़क पहुंचाने तथा सुखा–ग्रस्त इलाकों में सिचांई सुविधाओं के विस्तार के लिये भारी खर्च से, जैसा कि पहले जिक्र किया जा चुका है, क्षेत्रीय असमानता पैदा करने वाले कारणों को जड़ से उखाड़ा जा सकेगा। उद्योगों को इस समय दी जाने वाली बहुत सी रियायतें इन इलाकों में निरन्तर विकास और रोजगार के बेहतर अवसर देने में बहुत अधिक सहायक सिद्ध होंगी। अब इस समस्या का हल समेकित (Integrated) क्षेत्र विकास कार्यक्रम शुरू करके किया जा रहा है। इसका आरम्भ जुई नहर की सिंचाई वाले क्षेत्र के विकास से किया जा रहा है, जिसके लिये विभिन्न खादों तथा बीजों आदि की सप्लाई तथा कृषि के बेहतर तरीके अपनाने के वास्ते 10 लाख रूप्ये की विशेष व्यवस्था की गई है। इन क्षेत्रों के लिये उपयुक्त

सूखी खेती के अच्छे तरीकों की विस्तृत खोज भी आरम्भ की जा रही है।

मोरनी पहाड़ी क्षेत्र

नारायणगढ़ तहसील के पिछड़े इलाकों, विशेषकर मोरनी पहाड़ी क्षेत्र के विकास के लिये विशेष कार्यक्रम चलाया जा रहा है। इस इलाके में से गुजरने वाली अम्बाला से पंचकूला तक की सड़क का निर्माण बहुत ही थोड़े समय में कर लिया या जिससे इस इलाके के विकास की राह खुल गई है। मोरनी पहाड़ियों के लिये बागबानी, मछली–पालन, वन तथा उद्योग विकास का संगठित कार्यक्रम तैयार किया गया है तथा सड़क, विश्राम–गृह और डिस्पैंसरी बनाने का काम आरम्भ हो गया है। जल–सप्लाई स्कीम की भी व्यवस्था की गई है।

छोटे किसानों और मजदूरों का विकास

कृषि विकास का लाभ अभी तक मुख्यतः प्रगतिशील किसान ही उठाते आये हैं। छोटे किसान तथा गांवों के अन्य गरीब लोग अपनी कमजोर माली हालत के कारण इन विकास कार्यों में सक्रिय हिस्सा नहीं ले सकें। विकास–कार्यों में उन्हें उचित हिस्सा देने तथा उनकी आर्थिक स्थिति सुधारने के लिये राज्य में स्माल

फारमर्स डिवैल्पमैंट एजेंसियों तथा मार्जिनल फारमर्स एण्ड एग्रीकल्चरल लेबर एजेंसियों की स्कीमें चालू की गई हैं।

जिला अम्बाला तथा गुड़गांव में ऐसी दो स्माल फारमर्स एजेंसियां कायम की गई हैं। इस कार्यक्रम के अधीन 2.5 एकड़ से 7 एकड़ भूमि वाले 100000 छोटे किसानों (प्रत्येक जिले में 50000) के विकास की और विशेष ध्यान देने का विचार है। ये वे किसान हैं, जिन्हें यदि खेती के सुधरे तरीकों, खाद बीज और सिंचाई आदि की सुविधाएं दी जाये ंतो वे अपनी आवश्यकता से अधिक उपज पैदा करने के योग्य हो जायेंगे। भारत सरकार इस प्रयोजन के लिये 3 करोड़ रूप्ये की सहायता दे रही है।

इसी प्रकार हिसार तथा अम्बाला जिलों में इससे भी कम भूमि वाले तथा भूमिहीन मजदूरों को ग्रामीण क्षेत्र में आर्थिक विकास में भाग लेने के योग्य बनाने के लिये मार्जिनल फारमर्स एण्ड एग्रीकल्चरल लेबर एजेंसियां कायम की जा रही हैं। इनका मुख्य उद्देश्य यह है कि इन किसानों को अपनी छोटी जोतों का ज्यादा से ज्यादा लाभ उठाने के लिये बागबानी, पशु–पालन तथा डेरी विकास आदि के कार्य अपनाने में सहायता दी जाये। इस स्कीम के अधीन 40000 किसानों, जिनमें गांवों के दस्तकार इत्यादि भी शामिल हैं, को सहायता दी जायेगी जिसके लिये भारत सरकार से 2 करोड़ रूप्ये की राशि प्राप्त होगी।

पिछड़ी श्रेणियां

राज्य में पिछड़ी श्रेणियों के कल्याण के लिये सरकार आवास और गन्दी बस्तियों में सुधार के इलावा कृषि औजार और भूमि खरीदने तथा व्यवसाय चलाने में सहायता दे रही है। 20000 पूर्व–मैट्रिक हरिजन विद्यार्थियों को प्रतिमास वजीफे की दर 6 रूप्ये से बढ़ाकर 8 रूप्ये प्रतिमास कर दी गई है। हरिजन लड़कियों में पढ़ाई का शौक पैदा करने के लिये उन योग्य छात्राओं के लिये जिन्हें 50 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त होते हैं छात्रवृति की दर बढ़ा दी गई है। अब यह दर विभिन्न कक्षाओं के लिये 20 रूप्ये से लेकर 30 रूप्ये प्रतिमास होगी। होस्टलों में रहने वाले वे हरिजन छात्र जो मैट्रिक के बाद शिक्षा ले रहे हैं अब 45 रूप्ये की बजाये 60 रूप्ये प्रतिमास की दर से वजीफा लेंगे। रोहतक तथा हिसार में हरिजन उम्मीदवारों को विभिन्न प्रयोगिता परीक्षाओं के लिये प्रशिक्षण देने के लिये दो और प्रशिक्षण केन्द्र खोले जा रहे हैं। 2000 से अधिक आबादी वाले गांवों में हरिजनों के लिये चौपालों तथा धर्मशालाओं के निर्माण के वास्ते ग्राम–पंचायतों को उपदान भी दिये जायेंगे। 2 करोड़ रूप्ये की प्राधिकृत पूंजी से हरिजन कल्याण निगम की स्थापना की गई है जो कि सराकर द्वारा की जा रही चेष्टाओं में पूरक योगदान देगा।

समाज कल्याण

अन्य समाज कल्याण कार्यों में स्त्रियों के लिये आफ्टर–केयर होम, अपाहिजों के लिये शेलटर्ड वर्कशाप (Sheltered Workshop) और करनाल में बेसहारा औरतों तथा विधवाओं के आश्रयग्रह की संख्या बढ़ने के कार्यक्रम शामिल हैं। करनाल की संस्था में अब 100 के स्थान पर 500 महिलाओं को आश्रय दिया जा सकेगा। गनदी बस्तियों में रहने वाले 7000 बच्चों को अच्छी खुराक देने के लिये एक स्कीम शुरू की गई है। पिछले वर्ष दुबारा शुरू की गई वृद्धों को पैंशन देने की स्कीम के अधीन 3200 व्यक्ति 25 रूप्ये प्रतिमास की दर से पैंशन प्राप्त कर रहे हैं। भिखमंगेपन को दूर करने के लिये औरउनमें जो स्वस्थ हैं उन्हें सामाजिक दृष्टि से लाभकारी कार्यों में लगाने के लिये एक भिक्षावृति विरोधी बिल सदन के सामने लाया जा रहा है। बूढ़े और अपं भिखारियों को राज्य की देखरेख में रखा जायेगा। इन सभी समाज–कल्याण कार्यों के लिये 54.80 लाख रूप्ये की व्यवस्था की गई है।

सरकारी कर्मचारी

हमारे कार्यक्रमों की सफलता मुख्यतः हमारे सरकारी कर्मचारियों की कर्तवयनिष्ठा तथा वफादारी पर निर्भर करती है। इसलिये सरकार अपने आप को आदर्श नियोक्ता सिद्ध करने का प्रयत्न सदा ही करती रही है। वेतनमानों को संशोधित करने तथा

असंगतियों को दूर करने का काम पूरा किया जा चुका है। इससे कर्मचारियों को प्रतिवर्ष 4.60 करोड़ रूप्ये का लाभ पहुंचा है। हरियाणा के गठन के बाद मंहगाई भता वृद्धियों, अध्यापकों के वेतनमानों के संशोधन तथा पुलिस कर्मचारियों को पूरा मंहगाई भता आदि दिया जाने के रूप में कर्मचारियों को 12.50 करोड़ रूप्ये सालाना का लाभ पहुंचाया जा चुका है। इस राशि का ज्यादातर हिस्सा कम वेतन पाने वाले कर्मचारियों को लाभ पहुंचाने के लिये खर्च किया गया है। वर्ष 1960 में चौथी श्रेणी के कर्मचारी की कुल औसत मासिक आय 62 रूप्ये थी जो अब बढ़कर 152 हो गई है। इसी प्रकार क्लर्क की औसत आय 155 रूप्ये से बढ़कर 302 रूप्ये प्रतिमास तथा सहायक की औसत आय 277 रूप्ये से बढ़कर 517 रूप्ये प्रमिास हो गई है।

इसके इलावा कर्मचारियों को इस वर्ष जो लाभ पहुंचाए गए हैं उनमें 1800 रूप्ये के वेतनमान तक 75 प्रतिशत मंहगाई भते को पैंशन के हिसाब के लिये मंहगाई वेतन समझा जाना और पैंशन के लिये सेवा अवधि की अधिकतम सीमा को 30 वर्ष से बढ़ाकर 33 वर्ष करना भी शामिल है। चौथी श्रेणी के कर्मचारियों के सम्बन्ध में यह अवधि अब 35 वर्ष होगी। सेवा के दौरान दुर्भाग्य से मर जाने वाले कर्मचारियों पर आश्रित व्यक्तियों को अब 15000 रूप्ये तक तदर्थ अनुग्रह–अनुदान (Ad-hoc ex-gratia grant) चिकित्सा सहायता, स्नातक स्तर तक बिना फीस के शिक्षा तथा रोजगार के मामले में तरजीह दी जायेगी और उनसे वसूल की

जाने वाली कुछ राशियों को माफ भी किया जा सकेगा। किसी भी कसौटी से परखने पर उन के कल्याण की यह सुविधाएं भारी सुविधाएं हैं और हमें आशा है कि हमारे कर्मचारी हरियाणा निवासियों के कल्याण के लिये और भी अधिक उत्साह से काम करते रहेंगे क्योंकि इस राज्य के निवासियों के कल्याण में ही उनका अपना कल्याण निर्भर करता है।

करों से राहत देने सम्बन्धी उपाय

जैसा कि पहले कहा गया है कि इन बजट प्रस्तावों से 11.56 करोड़ रूप्ये के घाटे का अनुमान है। इस घाटे को पूरा करने के लिये अभी किसी नये कर का प्रस्ताव नहीं किया जा रहा है। सरकार देय राशियों की बेहतर वसूलियों से तथा विकास के इलावा किये जाने वाले कार्यों पर होने वाले खर्च पर और अधिक रोक रखकर इस घाटे को पूरा करने की चेष्टा करेगी। घाटे के होते हुए भी सरकार का यह विचार है कि देहाती क्षेत्रों में व्यवसाय कर अदा करने वाले लोगों को इस टैक्स से राहत देने की बात महत्वपूर्ण है। उन्होंने केवल राज्य द्वारा लगाया गया व्यवसाय–कर देना पड़ता है, बल्कि पंचायत समितियों द्वारा लगया गया व्यवसाय–कर भी देना पड़ता है। इसका बोझ ज्यादातर देहाती क्षेत्रों में काम करने वाले कम वेतन वाले कर्मचारियों, छोटे करीगरों तथा दुकानदारों आदि पर पड़ता है। इसलिये सरकार

का विचार है कि पंचायत समितियों द्वारा लगाया जाने वाला व्यवसाय–कर (Professional Tax) समाप्त कर दिया जाना चाहिये। चूंकि इससे पंचायत समितियों को लगभग 12 लाख रूप्ये वार्षिक का नुकसान होगा इसलिये उनके नुकसान को पूरा करने के लिये राज्य सरकार अतिरिक्त अनुदान की व्यवस्ाि करेगी। यह उपाय समाज के ज्यादा गरीब लोगों को एक और राहत देगा।

निष्कर्ष

हमारे ये बजट प्रस्ताव इस राज्य के विकास के लिये जन–जन की आशाओं तथा अभिलाषाओं के प्रतीक हैं। पिछले वर्ष की प्रगति वास्तव में शानदार रही है और हमारी यह लगातार चेष्टा रहेगी कि हमारा राज्य इस मार्ग पर और भी तेजी से आगे बढ़े। तरक्की के ये काम किसी प्रशासनिक परिवर्तन व अतिरिक्त करों के बोझ के कारण नहीं है बल्कि कारण है कि राज्य में एक ऐसी सुदृढ़ और उद्देश्यपूर्ण सरकार का उदय हुआ है जिसने अपनी नीतियों की स्पष्ट व्याख्या की है, जिसने अपने कार्य की प्राथमिकताओं केा ठीक प्रकार से निश्चित किया है और जिस ने अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिये दृढ़ निश्चय के साथ कदम उठाये हैं। पिछले अढ़ाई वर्षों में प्राप्त की गई सफलताआं की गति को यदि हम बनाये रख सकें तो वह दिन दूर नहीं जबकि बेकारी, गरीबी और पिछड़ेपन के विरूद्ध उठाई गई यह लड़ाई

वास्तव में जीती जा सकेगी। हमार प्रगति की मुख्य दिशा आर्थिक विकास के साथ–साथ एक ऐसे समाज के निर्माण की है जिस में हरेक को अपनी योग्यताएं प्रदर्शित करने का समान अवसर मिलेगा, जिसमें प्रत्येक को यह विश्वास होगा कि विकास की इन गतिविधियों में वह भी बराबर का भागीदार है। यह वह उद्देश्य है जिसे हमने प्रधान मंत्री के प्रेरणदायक नेतृत्व में अपनाया है। मुझे आशा है ि कइस दृष्टि से बनाये गये इन बजट प्रस्तावों को सफलतापूर्वक पूरा करने में हमें इस सदन का पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा।

आभार स्वीकृति

अपना भाषण समाप्त करने से पहले में बजट तैयार करने के कार्य के लिये आयोजना तथा वित विभाग के सचित्र तथा विभाग के अन्य कर्मचारियों का धन्यवाद करना चाहुंगी। मैं हरियाणा के महालेखाकार और चंड़ीगढ़ प्रशासन तथा उनके कर्मचारियों द्वारा दिये गये सहयोग के लिये भी आभारी हूं।

श्रीमान्! अब मैं 1971–72 के बजट अनुमान प्रस्तुत करने की अनुमति चाहती हूं।

जय हिन्द।

Mr. Speaker: Now, the House stands adjourned till 2.00 P.M. to-day.

(The House then adjourned)